शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 12 | अंक : 288 | गुवाहाटी | सोमवार, 25 मई, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

क्वेटा में शटल ट्रेन पर आत्मघाती हमला, 27 सैन्य अधिकारी मारे गए पेज 2
नवनिर्वाचित 82 विधायकों का सम्मान करेगी असम भाजपा पेज 3
राजस्थान की धरती में छिपा स्ट्रेटेजिक खजाना, बालोतरा का सिवाना रिंग... पेज 5
2003 विश्व कप में दुनिया को चौंकाने वाली केन्या टीम कैसे हुई गुमनाम... पेज 7

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

संघर्ष ही इंसान को सशक्त और मजबूत बनाता है, फिर चाहे वो कितना भी कमजोर क्यों न हो।।
–अज्ञात

युवाओं की सुरक्षा के लिए असम में स्थापित किया जाएगा कट्टरपंथ-विरोधी प्रकोष्ठ : सीएम

गुवाहाटी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को घोषणा की कि राज्य सरकार एक समर्पित कट्टरपंथ-विरोधी प्रकोष्ठ की स्थापना करेगी जिसका उद्देश्य क्षेत्र में सक्रिय सीमा पार कट्टरपंथी नेटवर्क को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच कमजोर युवाओं को चरमपंथी प्रभाव से बचाना है। शर्मा ने जोर देकर कहा कि सरकार राज्य में युवाओं को गुमराह करने या कट्टरपंथी बनाने के किसी भी प्रयास के खिलाफ दृढ़ कार्रवाई करेगी। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में कहा कि हम किसी भी समूह या व्यक्ति को अपने युवाओं को गुमराह करने और उन्हें कट्टरपंथी बनाकर उनका भविष्य बर्बाद करने की अनुमति नहीं देंगे। असम इसे करारा जवाब देगा। उन्होंने आगे कहा कि चरमपंथी प्रभाव से कमजोर युवाओं की रक्षा के लिए एक कट्टरपंथ-विरोधी प्रकोष्ठ स्थापित किया जाएगा, हालांकि प्रस्तावित इकाई की संरचना या परिचालन ढांचे के बारे में कोई और विवरण प्रकट नहीं किया गया। यह घोषणा लक्ष्मण प्रसाद आचार्य द्वारा 22 मई को 16वीं असम विधानसभा में अपने उद्घाटन भाषण के दौरान प्रस्तावित पहल का उल्लेख करने के कुछ दिनों बाद आई है। अपने संबोधन में राज्यपाल ने कहा था कि राज्य सरकार कट्टरता और अन्य हानिकारक गतिविधियों से निपटने के लिए विधायी और प्रशासनिक दोनों तंत्रों को मजबूत करने की योजना बना रही है। आचार्य ने कहा था कि कमजोर युवाओं को चरमपंथी प्रभाव से बचाने और संवैधानिक मूल्यों, सामाजिक सद्भाव और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने के लिए एक समर्पित कट्टरपंथ-विरोधी प्रकोष्ठ की स्थापना की जाएगी। यह प्रस्तावित कदम खुफिया जानकारियों और जांचों के मद्देनजर महत्वपूर्ण हो जाता है, जो इस ओर इशारा करते हैं कि बांग्लादेश स्थित कई चरमपंथी संगठन असम और अन्य पूर्वोत्तर राज्यों में युवाओं की भर्ती और उन्हें कट्टरपंथी बनाने का प्रयास कर रहे हैं। सुरक्षा एजेंसियों ने पहले भी जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश, अंसारुल्लाह बांग्ला टीम और अंसार-अल-इस्लाम/अक़ीस समर्थक जैसे प्रतिबंधित संगठनों की गतिविधियों पर चिंता जताई है, यह आरोप लगाते हुए कि ये समूह ऑनलाइन प्रचार और एन्क्रिप्टेड संचार चैनलों के माध्यम से कमजोर युवाओं को निशाना बना रहे हैं। पिछले साल दिसंबर में, असम सरकार ने प्रतिबंधित चरमपंथी संगठनों से जुड़े सभी प्रकार के कट्टरपंथी साहित्य पर, चाहे वह मुद्रित हो या डिजिटल प्रारूप में, प्रतिबंध लगा दिया था। जनवरी 2026 में, अधिकारियों ने बताया था कि बांग्लादेश स्थित जिहादी समूह जैसे इमाम महमूदर काफिला (आईएमके), जिसे जेएमबी की एक शाखा माना जाता है, असम और त्रिपुरा में चरमपंथी गतिविधियों को भड़काने का प्रयास कर रहे थे। इस नेटवर्क की जांच से पता चला है कि इसमें कथित तौर पर एन्क्रिप्टेड सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल किया गया था, जिसमें *पूर्बो आकाश* नामक एक टेलीग्राम समूह भी शामिल था, जिसका उपयोग कट्टरपंथी साहित्य प्रसारित करने, चरमपंथी प्रचार फैलाने और बारपेटा और चिरांग सहित जिलों से युवाओं की भर्ती करने के लिए किया जाता था। पुलिस सूत्रों ने यह भी दावा किया था कि असम से कुछ रंगरूट प्रशिक्षण के लिए बांग्लादेश गए थे, जबकि स्थानीय युवाओं को हिंसक चरमपंथी विचारधाराओं के लिए प्रेरित करने और समर्थन को प्रोत्साहित करने के लिए कथित तौर पर गुप्त बैठकें आयोजित की गई थीं।

मुख्यमंत्री शर्मा ने विधायकों को *करीबियों द्वारा भ्रष्टाचार* के खिलाफ चेताया

गुवाहाटी / नई दिल्ली। असम भाजपा के चुनावी चेहरे और मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने ऐसा लगता है कि राज्य के शासन के मामले में एक सीधा और सख्त रवैया अपनाने का फैसला कर लिया है। एनडीए की पहली विधायक दल की बैठक के बाद एक डिनर के दौरान, मुख्यमंत्री शर्मा ने 100 से ज्यादा विधायकों से कहा कि उन्हें अपने निजी सहायकों और अन्य करीबी सहयोगियों की गतिविधियों पर नजर रखनी चाहिए। सीएम ने यह साफ कर दिया कि अगर उनमें से कोई भी एक हजार रुपए की भी रिश्वत लेते हुए पाया गया, तो विधायकों के लिए मुसीबत खड़ी हो सकती है। मुख्यमंत्री शर्मा ने विधायकों से यह भी कहा कि वे मंत्री पद पाने के सपने न देखें और न ही इसके बारे में सोचते रहें, क्योंकि इस बार भाजपा के पास बहुत बड़ी संख्या में विधायक हैं और उनके मंत्रिमंडल के गठन के बारे में अंतिम फैसला दिल्ली में पार्टी का शीर्ष नेतृत्व ही लेगा। बैठक में सीएम शर्मा -शेष पृष्ठ दो पर

जनजातीय समाज को यूसीसी से डरने की जरूरत नहीं : अमित शाह

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को जनजाति सांस्कृतिक समागम में कहा कि देश के आदिवासी समाज को समान नागरिक संहिता (यूसीसी) से डरने की जरूरत नहीं है। देश के गृहमंत्री होने के नाते वे आश्वासन देते हैं कि जनजातीय समाज को इससे अलग रखा जाएगा। दिल्ली के लाल किला में वनवासी कल्याण आश्रम और जनजातीय सुरक्षा मंच की ओर से आयोजित जनजातीय समागम में आज गृहमंत्री शामिल हुए। इसमें देशभर के विभिन्न राज्यों की 500 से अधिक जनजातियों के -शेष पृष्ठ दो पर

एब्सेंट, शिफ्टेड, डेथ, डुप्लीकेट और विदेशी मतदाताओं की पहचान कर मतदाता सूची का शुद्धिकरण करें : सीईसी

देहरादून (हि.स.)। उत्तराखंड में आगामी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को लेकर निर्वाचन विभाग ने तैयारियां तेज कर दी हैं। राज्य में प्री-एसआईआर चरण के अंतर्गत अब तक 89 प्रतिशत मैपिंग कार्य पूरा कर लिया गया है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने पर जोर दिया है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि एसआईआर का उद्देश्य *एब्सेंट, शिफ्टेड, डेथ, डुप्लीकेट और विदेशी मतदाताओं* की पहचान कर मतदाता सूची का व्यापक शुद्धिकरण करना है, ताकि चुनावी प्रक्रिया और अधिक पारदर्शी एवं विश्वसनीय बन सके। -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

बद्रीनाथ धाम के पास ग्लेशियर गिरने से मची अफरा-तफरी

नई दिल्ली। उत्तराखंड के चमोली में स्थित प्रसिद्ध बद्रीनाथ धाम के पास कंचन गंगा इलाके में ग्लेशियर गिरने की एक घटना सामने आई है। राहत की बात यह है कि इस घटना में किसी भी तरह के नुकसान या जान-माल की हानि की कोई खबर नहीं है। स्थानीय अधिकारियों ने मामले की जानकारी -शेष पृष्ठ दो पर

अजीत डोभाल से मिले अमेरिकी विदेश मंत्री

नई दिल्ली (हि.स.)। अमेरिका के विदेश मंत्री और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मार्को रूबियो ने रविवार को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच रक्षा, सुरक्षा और रणनीतिक प्रौद्योगिकी सहयोग पर विस्तृत चर्चा हुई। वार्ता में विशेष रूप से *ट्रस्ट* (रणनीतिक प्रौद्योगिकी के उपयोग से संबंधों का रूपांतरण) पहल से जुड़े सहयोग को आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल -शेष पृष्ठ दो पर

सीएम ने नई दिल्ली में असम भवन के चल रहे निर्माण कार्य का निरीक्षण किया

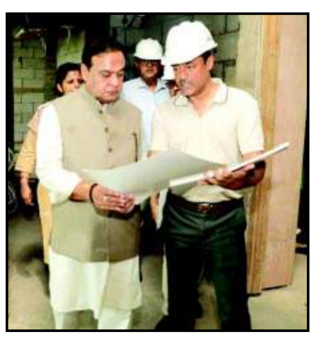

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को नई दिल्ली में बन रहे असम भवन की प्रगति का निरीक्षण किया और निर्माण कार्य के विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान, मुख्यमंत्री ने चल रही परियोजना की गति और गुणवत्ता का आकलन किया और विकास कार्य की देखरेख कर रहे अधिकारियों से बातचीत की। असम भवन की रेजिडेंट कमिश्नर, कविता पद्मनाभन भी इस दौरान मौजूद थीं। मुख्यमंत्री शर्मा ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे यह सुनिश्चित करें कि निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा हो जाए, और गुणवत्ता मानकों -शेष पृष्ठ दो पर

इबोला पर केंद्र सरकार का देशवासियों को परामर्श

कांगो, युगांडा और दक्षिण सूडान की यात्रा करने से बचें

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्र सरकार ने इबोला प्रभावित देशों में बदलती स्थिति को देखते हुए और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की सिफारिशों के अनुरूप सभी भारतीय नागरिकों को अगली सूचना तक कांगो, युगांडा और दक्षिण सूडान की गैर-जरूरी यात्रा से बचने की सलाह दी है। कांगो, युगांडा और उसकी सीमा से लगे दक्षिण सूडान और अन्य देशों में बीमारी फैलने सबसे अधिक खतरा है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह परामर्श जारी किया है। परामर्श के अनुसार भारतीय नागरिक जो वर्तमान में इन देशों में रह रहे हैं या यात्रा कर रहे हैं, उन्हें सलाह दी जाती है कि वे स्थानीय अधिकारियों द्वारा जारी सार्वजनिक स्वास्थ्य दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करें और अतिरिक्त सावधानी बरतें। डब्ल्यूएचओ की आपातकालीन समिति ने 22 मई को आगमन के प्रवेश बिंदुओं पर बीमारी की निगरानी को मजबूत करने के लिए कुछ अस्थायी सिफारिशें जारी कीं। इन सिफारिशों में *बुंडिबुग्यो वायरस पाए जाने वाले क्षेत्रों की यात्रा न करने* की भी सलाह दी गई है। भारत में बुंडिबुग्यो वायरस स्ट्रेन के कारण होने वाली इबोला बीमारी का -शेष पृष्ठ दो पर

नदी में सीप निकालने के दौरान अचानक जलस्तर बढ़ने से एक ही परिवार के नौ लोगों की मौत

भटकल (हि.स.)। कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले के भटकल तालुक के तट्टेहक्कलु नदी क्षेत्र में शनिवार को दर्दनाक हादसा हो गया। नदी में सीप (कप्पेचिप्पु) निकालने के दौरान अचानक नदी का पानी का जलस्तर बढ़ने से एक ही परिवार के नौ लोगों की डूबने से मौत हो गई, जबकि चार लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है। दो अन्य की तलाश अभी भी जारी है। मुख्यमंत्री ने घटना पर शोक जताया और मृतकों के परिजनों को राज्य सरकार की ओर से प्रत्येक को पांच लाख रुपए देने की बात कही है। जानकारी के अनुसार पडुशिराली शारदहोळे गांव के 14 लोग शनिवार सुबह तट्टेहक्कलु नदी में सीप निकालने गए थे। नदी में सीप -शेष पृष्ठ दो पर

ओडिशा में श्रद्धा भोज के दौरान चार की मौत, 20 से अधिक बीमार

भुवनेश्वर/राउरकेला। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले में एक *श्रद्धांजलि सभा* में कथित तौर पर भोजन करने के बाद चार लोगों की मौत हो गई और 20 से अधिक लोग बीमार पड़ गए। उन्होंने बताया कि यह घटना जिले के हेमगीर ब्लॉक के नुअदिही गांव में हुई। उन्होंने बताया कि भोजन करने के तुरंत बाद नुअदिही गांव और पड़ोसी गांव (जो झारसुगुड़ा जिले में है) के कई लोगों ने उल्टी, पेट दर्द और अत्यधिक कमजोरी की शिकायत की। प्रभावित लोगों को तत्काल पास के अस्पतालों में ले जाया गया। झारसुगुड़ा जिले की दो महिलाओं और सुंदरगढ़ जिले के दो -शेष पृष्ठ दो पर

भारत संग रिश्ते पर मार्को रूबियो का बड़ा बयान, कहा-

जल्द होगी ट्रेड डील, दोनों देशों को होगा फायदा

नई दिल्ली। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने रविवार को कहा कि भारत और अमेरिका लंबे समय से लंबित व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के बेहद करीब पहुंच चुके हैं। नई दिल्ली में विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ बातचीत के बाद रूबियो ने कहा कि यह समझौता दोनों देशों के लिए फायदेमंद और लंबे समय तक टिकाऊ होगा। संयुक्त प्रेस वार्ता में रूबियो ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते को लेकर काफी प्रगति हुई है। उन्होंने कहा कि हम ऐसा समझौता चाहते हैं जो दोनों देशों के राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखे और दोनों पक्षों के लिए लाभकारी हो। मार्को रूबियो चार दिन के भारत दौरे पर हैं। विदेश मंत्री बनने के बाद यह उनकी पहली भारत यात्रा है। माना जा रहा है कि पिछले कुछ महीनों में व्यापार और टैरिफ को लेकर दोनों देशों के बीच पैदा हुए तनाव को कम करने के लिए यह दौरा अहम है। रूबियो ने ट्रंप प्रशासन -शेष पृष्ठ दो पर

रूस ने यूक्रेन पर ओरेशनिक मिसाइल समेत 600 ड्रोन दागे

मॉस्को। रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव और आसपास के इलाकों पर बहुत बड़ा हमला किया। यूक्रेन की वायुसेना के मुताबिक, रूस ने कुल 90 मिसाइलें और 600 ड्रोन दागे हैं। इस हमले में ओरेशनिक हाइपरसोनिक मिसाइल का भी इस्तेमाल किया गया, जिसे बेहद खतरनाक माना जाता है। यह मिसाइल परमाणु हथियार ले जाने में भी सक्षम है। यूक्रेन के अधिकारियों के मुताबिक, हमले में 4 लोगों की मौत हुई और 80 से ज्यादा लोग घायल हो गए। कई घर, स्कूल, दुकानें और दूसरी इमारतें भी टूट गईं या उनमें आग लग गई। कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने कहा कि यह शहर के लिए बहुत डरावनी रात थी। रातभर धमाके होते रहे। बचाव दल लगातार आग -शेष पृष्ठ दो पर

पश्चिम बंगाल में ममता का आखिरी किला ढहा

फलता में भाजपा की एक लाख वोटों से ऐतिहासिक जीत

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल की फलता विधानसभा सीट पर हुए पुनर्मतदान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बड़ी जीत दर्ज करते हुए तृणमूल कांग्रेस के मजबूत गढ़ को ध्वस्त कर दिया। भाजपा प्रत्याशी देवाशीष पांडा ने एक लाख से अधिक वोटों के भारी अंतर से जीत हासिल की। इस परिणाम को राज्य की राजनीति में बड़े बदलाव के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। चुनाव परिणाम आने के बाद मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने इसे *तृणमूल कांग्रेस के पतन की शुरुआत* बताते हुए पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि फलता की जनता ने वर्षों बाद स्वतंत्र और निष्पक्ष मतदान कर लोकतंत्र को पुनर्स्थापित किया है। उपचुनाव के दौरान सबसे ज्यादा चर्चा तृणमूल कांग्रेस के प्रत्याशी जहांगिर खान को लेकर रही। मतदान से दो दिन पहले उन्होंने चुनाव मैदान छोड़ने का ऐलान कर दिया था। इसके बाद भाजपा की जीत लगभग तय मानी जा रही थी। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने प्रचार के अंतिम दिन भाजपा प्रत्याशी को एक लाख वोटों से जिताने का लक्ष्य रखा था। मतगणना के 18 राउंड तक भाजपा उम्मीदवार करीब 92 हजार वोटों से आगे चल रहे थे, जबकि अंतिम जीत -शेष पृष्ठ दो पर

अपहरण मामले में उम्रकैद की हुई सजा

एससी का फर्जी आदेश दिखाकर हो गया रिहा, मचा बवाल

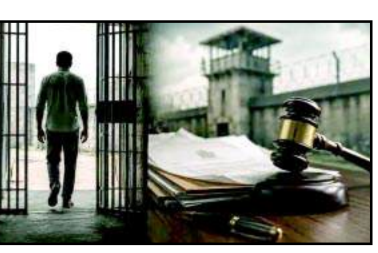

नई दिल्ली। बेंगलुरु की परप्पना अग्रहारा सेंट्रल जेल से उम्रकैद का कैदी करीब 8 साल पहले ही रिहा कर दिया गया। हालांकि, बाद में पता चला कि उसने सुप्रीम कोर्ट के आदेश के फर्जी कागजात पेश किए थे। अब इस मामले का खुलासा होने के बाद जेल प्रशासन और पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। जेल अधिकारियों ने आरोपी कैदी और साजिश में शामिल अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। बताया जा रहा है कि आरोपी ने नकली दस्तावेजों का इस्तेमाल कर जेल से बाहर निकलने में सफलता हासिल -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

AFFIDAVIT

I, Army No.14632577-F Rank: EX. NAIK Name : **PRAKASH SINGHA,** age about 49 years and resident of Vill. South Baluhandar, P.O. Laskar Pathar, P.S. Hojai, Dist. Hojai, Assam, Pin-782446, do hereby solemnly affirm and declare via an affidavit executed before Executive Magistrate, West-Karbianglong, Hamren on February 9, 2026, that my both son's actual and correct name is **POWNA MEETEI** and **PREM SINGHA** which is mentioned in their Aadhar Card, Pan Card, School cerificates and all other relevant documents, but in army records their name is inadvertently recorded as **M. POWNA MEETEI** and **M. PREM SINGHA.** I decalre that both are Son of Army No. 14632577-F Rank : EX. NAIK Name : **PRAKASH SINGHA** and **BIBI DEVI** are one and same person having same identity and entity.

क्वेटा में शटल ट्रेन पर आत्मघाती हमला, 27 सैन्य अधिकारी मारे गए

इस्लामाबाद (हि.स.)। पाकिस्तान के अशांत प्रांत बलोचिस्तान की राजधानी क्वेटा में चमन फाटक के पास आज सुबह एक शटल ट्रेन पर हुए आत्मघाती हमले में कम से कम 27 सैन्य अधिकारी मारे गए और 131 से अधिक घायल हो गए। विस्फोट की वजह से ट्रेन की तीन बोगियां पटरी से उतर गईं और दो डिब्बे पलट गए। इस दौरान एक बोगी में आग लग गई। द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार बकरीद के अवसर पर इस शटल ट्रेन के तीन कोच में पाकिस्तान के सैन्य कर्मी क्वेटा कैंट से क्वेटा रेलवे स्टेशन जा रहे थे। वहां से इसे जाफर एक्सप्रेस से जुड़ना था। रेलवे के अधिकारियों के अनुसार ट्रेन में 336 यात्री सवार थे। इस घटना में कम से कम 27 सैन्य अधिकारी मारे गए और 131 से अधिक घायल हो गए। कुछ घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। पुलिस प्रारंभिक जांच में इसे आत्मघाती हमला मान रही है। विस्फोट के बाद वायरल हुए वीडियो में रेलवे ट्रैक के आसपास कई बोगियों से धुआं उठता दिख रहा है। सूचना मिलते ही बचावकर्मी, पुलिस और दमकल कर्मी पहुंचे। पाकिस्तान के रेलमंत्री हनीफ अब्बासी ने घटना की पुष्टि की है। बलोचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। बीएलए के प्रवक्ता जयंद बलोच ने कहा कि इस घटना को बीएलए के मजीद ब्रिगेड ने अंजाम दिया। जयंद के बयान में कहा गया है कि शटल ट्रेन में पाकिस्तानी सेना के जवान और अफसर यात्रा कर रहे थे। उन्हें निशाना बनाया गया। संघीय अधिकारियों के अनुसार, क्वेटा और उसके आसपास के इलाकों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। रेलवे ट्रैक, रेलवे स्टेशनों और संवेदनशील स्थानों की निगरानी बढ़ा दी गई है। क्वेटा के सभी अस्पतालों में आपातकाल घोषित किया गया है। उधर, बलोच रिपब्लिकन गार्ड्स के प्रवक्ता दोस्तिन बलोच ने आज मीडिया को जारी बयान में कहा कि कल रात लड़ाकों ने सिंध के काशमोर क्षेत्र के पास शाहवाली में सुई से कराची जाने वाली गैस पाइपलाइन में विस्फोटक लगाकर उसे उड़ा दिया। प्रवक्ता ने कहा कि जब तक बलोचिस्तान को आजाद नहीं किया जाता, तक ऐसे हमले जारी रहेंगे। इससे पहले बलोच मुक्ति सेना रेलवे प्रतिष्ठानों और पाकिस्तान की सेना को निशाना बनाया है। बलूच मुक्ति सेना ने 9 नवंबर, 2024 को क्वेटा रेलवे स्टेशन पर हुए हमले की जिम्मेदारी ली थी। इस हमले में क्वेटा के इन्फैंट्री स्कूल से प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके सैन्यकर्मियों को माजिद ब्रिगेड ने निशाना बनाया था। इसके बाद 11 मार्च, 2025 को बोलन क्षेत्र में जाफर एक्सप्रेस का अपहरण कर लिया गया था। इस ऑपरेशन में बलोच मुक्ति सेना की माजिद ब्रिगेड ने सैकड़ों पाकिस्तानी सैनिकों को बंधक बनाया और रिहाई की शर्त पर उन्हें छोड़ा था।

ओडिशा : 2016 के नबरंगपुर संघर्ष मामले में 19 लोगों को उम्रकैद

भुवनेश्वर। ओडिशा के नबरंगपुर जिले में वर्ष 2016 में दो समूहों के बीच हुए हिंसक संघर्ष के मामले में अदालत ने 19 लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इस घटना में तीन लोगों की मौत हो गई थी। अतिरिक्त जिला न्यायाधीश सुनीता पटनायक ने गवाहों, बयान और दस्तावेजी साक्ष्यों की जांच के बाद यह फैसला सुनाया। यह घटना 16 जुलाई 2016 को उमरकोट ब्लॉक के बौंशबेड़ा गांव में सरकारी जमीन पर खेती को लेकर हुए विवाद के बाद हुई थी। अभियोजन पक्ष के अनुसार, बौंशबेड़ा गांव के बलराम हरिजन पास के तेलगांव गांव में सरकारी जमीन के एक हिस्से पर खेती कर रहे थे। आदिवासी ग्रामीणों ने इसका विरोध किया और वन विभाग से वहां पौधारोपण कराने की मांग की। आरोप है कि बलराम ने लगाए गए पौधों को उखाड़ दिया, जिससे इलाके में तनाव फैल गया। इसके बाद आदिवासी ग्रामीणों का एक समूह बलराम के घर पहुंचा और उससे विवाद करने लगा। इसी दौरान बलराम ने कथित तौर पर गुरुबहरू भतरा पर चाकू से हमला कर दिया, जबकि एक अन्य आरोपी गणपति हरिजन ने फगुनु भतरा का गला रेत दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल गुरुबहरू ने पुलिस के समक्ष मरने से पहले बयान दर्ज कराया था। बाद में अस्पताल में उसकी भी मौत हो गई। घटना के बाद सैकड़ों आदिवासी ग्रामीणों ने कथित तौर पर बलराम के घर को घेर लिया, पथराव किया और मकान में आग लगा दी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक, जब बलराम छत के रास्ते भागने की कोशिश कर रहा था, तब भीड़ ने उसे पकड़ लिया और पीट-पीटकर मार डाला। सरकारी वकील अशोक कुमार पाधी ने बताया कि पुलिस ने मामले में दो अलग-अलग केस दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार किया था।

छत्तीसगढ़ में भीषण गर्मी का कहर : कोरबा के गांव में 200 चमगादड़ मिले मृत

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले से एक बड़ी खबर सामने आई है। यहां के एक गांव में लगभग 200 चमगादड़ मृत मिले। अधिकारियों ने चमगादड़ों की मौत गर्मी होने की आशंका जताई है। पाली नगर पंचायत में नौकोनिया तालाब के किनारे पेड़ों पर हजारों चमगादड़ों ने शरण ली थी। कटघोरा संभागीय वन अधिकारी कुमार निशांत ने रविवार को बताया कि शनिवार को स्थानीय लोगों ने बड़ी संख्या में चमगादड़ों के जमीन पर मृत पड़े होने जबकि कई के पेड़ से लटके होने की सूचना दी। उन्होंने बताया कि इसके बाद वनकर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे। अधिकारी ने बताया कि लगभग 200 चमगादड़ों की मौत हो गई और प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि उनकी मौत लू लगने से हुई है। उन्होंने बताया कि पशु चिकित्सा विभाग ने मृत्यु के सटीक कारण का पता लगाने के लिए मरे हुए चमगादड़ों के नमूने एकत्र किए। मौसम विभाग के अनुसार शनिवार को कोरबा क्षेत्र में तापमान 42 से 44 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया। हर साल फरवरी और मार्च के महीने में बड़ी संख्या में चमगादड़ पाली पहुंचते हैं और तालाब के आसपास बसेरा बनाते हैं। अधिकारियों ने बताया कि इस साल उनकी संख्या काफी अधिक थी। रायपुर स्थित मौसम विज्ञान केंद्र ने शनिवार को कहा कि मध्य छत्तीसगढ़ के बिलासपुर (कोरबा सहित), रायपुर और दुर्ग क्षेत्रों में अगले पांच दिनों तक लू चलने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार को राज्य में सबसे अधिक तापमान 46 डिग्री सेल्सियस राजनांदगांव में दर्ज किया गया जबकि राजधानी रायपुर में तापमान 44.4 डिग्री सेल्सियस रहा।

बारामूला से भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद

बारामूला (हि.स.)। उत्तरी कश्मीर में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली है। बारामूला जिले के नीलसर कंडी इलाके में संयुक्त अभियान के दौरान आतंकवादियों के संदिग्ध ठिकाने से भारी मात्रा में विस्फोटक गोला-बारूद बरामद किया गया है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर बारामूला पुलिस, 52 राष्ट्रीय राइफल्स और सीआरपीएफ ने इलाके में संयुक्त अभियान चलाया। इस दौरान दौरान सुरक्षाबलों ने 14 राउंड ओजी-7वी रॉकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड (आरपीजी) और 9 राउंड पीजी-7पी रॉकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड (आरपीजी) बरामद किए।

चोरी के स्कूटी के साथ युवक गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी पुलिस ने चोरी के मामलों में कार्रवाई करते हुए अलग-अलग अभियानों में दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी की स्कूटी सहित भारी मात्रा में चोरी का सामान बरामद किया है। बशिष्ठ थाना के अंतर्गत ईजीपीडी टीम ने अभियान चलाकर बदरपुर निवासी साहिल अहमद (27) को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसके पास से एक चोरी की एक्टिवा स्कूटी (एएस 01 बीजेड 5884) बरामद की। यह स्कूटी 16 मई 2026 को लोखरा बाजार से चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई गई थी। मामले में कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। वहीं, गड़चुक थाना के अंतर्गत डब्ल्यूजीपीडी टीम ने अभियान के दौरान ढलबामा निवासी प्रफुल्ल रंगहांग (25) को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से चोरी के कई सामान बरामद किए गए हैं। बरामद सामान में छह किलोग्राम वाटरपंप वायर, दो बैटरी, 49 किलोग्राम सिल्वर पाइप, 46 किलोग्राम लोहे का सामान तथा एसी पाइप शामिल हैं।

कोकराझाड़ में ट्रक से 30 हजार बोतल अवैध कोडीन सिरप बरामद, चालक गिरफ्तार

कोकराझाड़ (हिंस)। असम के कोकराझाड़ जिला में पुलिस ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने पशु आहार ले जा रहे एक ट्रक से करीब 30 हजार बोतल अवैध कोडीन युक्त कफ सिरप बरामद किया है। यह कार्रवाई गुवाहाटी सीमा क्षेत्र के गोसाईगांव में लगाए गए नाका चेकिंग अभियान के दौरान की गई। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, पुलिस को ट्रक पर संदेह होने के बाद उसे रोककर तलाशी ली गई। जांच के दौरान ट्रक में छिपाकर रखी गई भारी मात्रा में अवैध कोडीन सिरप की खेप बरामद हुई। मामले में ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है और उससे पूछताछ जारी है। असम पुलिस की इस कार्रवाई को राज्य में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान की बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने ऑपरेशन को सफलतापूर्वक अंजाम देने वाली पुलिस टीम की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई की सराहना की है। पुलिस अब इस अवैध तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान करने और पूरे गिरोह तक पहुंचने के लिए विस्तृत जांच में जुटी हुई है।

पृष्ठ एक का शेष

मुख्यमंत्री शर्मा ने विधायकों ...

ने विधायकों को यह भी साफ निर्देश दिया था कि वे लोगों के बीच वापस जाएं और 2029 के लोकसभा चुनावों के लिए काम करना शुरू कर दें। मंत्रिमंडल का विस्तार जल्द ही होने की संभावना है। मालूम हो कि सीएम शर्मा के दिल्ली में होने के कारण ऐसी अटकलें तेज हैं कि उनके मंत्रिमंडल में शामिल होने वाले लोगों की सूची पर पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के साथ चर्चा हो चुकी होगी।

जनजातीय समाज को ...

लोग अपनी पारंपरिक वेशभूषा और वाद्य यंत्रों के साथ शामिल हुए। गृहमंत्री ने दोनों संगठनों की जनजाति समाज को एकजुट करने और उन्हें समाज के अन्य वर्गों से जोड़ने के कार्य की सराहना की। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में इस आयोजन को जनजातियों के महाकुंभ के रूप में पहचाना जाएगा। गृहमंत्री अमित शाह ने परोक्ष रूप से धर्म परिवर्तन पर निशाना साधा और कहा कि प्रकृति पूजन करने वाला जनजातीय समाज सनातन संस्कृति का हिस्सा है और इसे बचाने का संकल्प लिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भगवान राम ने अपने समय में शबरी के झूठे बेर खाकर और निषाद राज के पैर धोकर हमें एकता का संदेश दिया था। उन्होंने कहा कि यह जनजातीय समागम देश के अंदर भेद पैदा करने वाले लोगों के लिए स्पष्ट संदेश है। यह लोग समान नागरिक संहिता (यूनिफॉर्म सिविल कोड) के नाम पर जनजातीय समाज को डरा रहे हैं कि उन पर पाबंदियां लग जाएगी। शाह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सरकार ने पांच दशक की नक्सल समस्या को आज देश से पूरी तरह से खत्म कर दिया है। अब समय जनजातीय समाज के विकास के कार्यों को आगे बढ़ाने का है। अटल बिहारी वाजपेयी जी की सरकार में ही अलग से मंत्रालय बनाकर यह काम शुरू हो चुका था और वर्तमान सरकार ने पिछली कांग्रेस सरकारों के मुकाबले बजट में करीब 6 गुना की बढ़ोतरी कर जनजातीय समाज के लिए बड़े स्तर पर काम किया है। इस दौरान गृहमंत्री अमित शाह ने मध्य प्रदेश सरकार की ओर से लाए गए आदिवासी ग्राम सभाओं को जल, जंगल, जमीन, खनिज और स्थानीय विवाद सुलझाने से जुड़े *पेसा* कानून कानून की सराहना की और कहा कि यह आइडियल कानून अब भारतीय जनता पार्टी की सरकारों की ओर से आगे बढ़ने का काम किया जाएगा।

सीएम ने नई दिल्ली में ...

से कोई समझौता न किया जाए। उन्होंने निर्माण की उच्च गुणवत्ता बनाए रखने और सभी नियोजित सुविधाओं को ठीक से लागू करने के महत्व पर जोर दिया। आने वाला असम भवन, राष्ट्रीय राजधानी आने वाले असम के लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण सुविधा केंद्र के रूप में काम करेगा और नई दिल्ली में राज्य की उपस्थिति को भी मजबूत करेगा। निरीक्षण के दौरान मौजूद अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को परियोजना की मौजूदा स्थिति और अब तक पूरे हुए काम के बारे में जानकारी दी। उन्होंने मुख्यमंत्री को निर्माण कार्य में तेजी लाने के लिए किए जा रहे प्रयासों के बारे में भी बताया, साथ ही यह भी सुनिश्चित किया कि निर्धारित मानकों का पूरी तरह पालन किया जा रहा है। असम भवन परियोजना को एक महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा पहल माना जाता है, जिसका उद्देश्य राष्ट्रीय राजधानी में बेहतर आवास और प्रशासनिक सहायता सुविधाएं प्रदान करना है। सरदार पटेल मार्ग पर नवनिर्मित असम भवन में तीन बेसमेंट, एक ग्राउंड फ्लोर और छह ऊपरी मंजिलें हैं।

बद्रीनाथ धाम के ...

देते हुए पुष्टि की है कि ग्लेशियर गिरने की वजह से आस-पास के रिहायशी इलाकों या रास्तों पर कोई नुकसान नहीं हुआ है। फिलहाल स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। आप घटना की तस्वीरें देख सकते हैं।

कांगो, युगांडा और ...

अबतक कोई भी मामला सामने नहीं आया है। इबोला रोग एक वायरल हेमोरेजिक बुखार है, जो इबोला वायरस के *बुंडीबुग्यो* स्ट्रेन के संक्रमण के कारण होता है। यह एक गंभीर बीमारी है, जिसमें मृत्यु दर काफी अधिक है। वर्तमान में बुंडीबुग्यो स्ट्रेन के कारण होने वाले इबोला रोग की रोकथाम या उपचार के लिए किसी भी टीके या विशिष्ट उपचार को मंजूरी नहीं दी गई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य विनियम, 2005 के तहत 17 मई को इस स्थिति को *अंतर्राष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल* घोषित किया था। अफ्रीकी रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र ने भी डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ द कांगो और युगांडा को प्रभावित करने वाले बुंडिबुग्यो स्ट्रेन इबोला वायरस रोग के मौजूदा प्रकोप को आधिकारिक तौर पर *महाद्वीपीय सुरक्षा का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल* घोषित किया है।

एबसेंट, शिफ्टेड, डेथ, डुप्लीकेट ...

उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि वे अपने नवीनतम पासपोर्ट आकार के फोटो उपलब्ध कराने के साथ-साथ बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को आवश्यक सहयोग प्रदान करें। रविवार को बीजापुर गेस्ट हाउस देहरादून में आयोजित उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक के दौरान मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने राज्य में चल रही तैयारियों और मतदाता सत्यापन प्रक्रिया की प्रगति का आकलन किया। उन्होंने आगामी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को लोकतांत्रिक व्यवस्था की पारदर्शिता और विश्वसनीयता से जुड़ा महत्वपूर्ण कदम बताया। बैठक में उत्तराखंड के मुख्य निर्वाचन अधिकारी बी.वी.आर.सी. पुरुषोत्तम ने बताया कि राज्य में प्री-एस आईआर चरण के अंतर्गत 89 प्रतिशत मैपिंग कार्य पूरा कर लिया गया है। गणना प्रपत्रों की छपाई की तैयारी पूर्ण हो चुकी है, जबकि जिला निर्वाचन अधिकारियों, डिप्टी डीईओ और ईआरओ/एईआरओ का प्रथम चरण का प्रशिक्षण भी संपन्न हो चुका है। बीएलओ और अन्य फील्ड स्टाफ का प्रशिक्षण वर्तमान में जारी है। निर्वाचन अधिकारियों ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त को बताया कि मतदाता जागरूकता बढ़ाने के लिए व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। राजनीतिक दलों के साथ समन्वय बढ़ाने के उद्देश्य से सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों और ईआरओ को साप्ताहिक बैठकें आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं। इस दौरान मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, एडीजी डॉ. वी मुरुगेशन, अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. विजय कुमार जोगदंडे, जिलाधिकारी देहरादून सविन बंसल, नवनियुक्त जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान, एसएसपी देहरादून प्रमेंद्र डोभाल, सीडीओ देहरादून अभिनव शाह, संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रकाश दुम्का, उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी किशन सिंह नेगी, सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी मस्तू दास, प्रत्यूष सिंह उपस्थित रहे।

नदी में सीप निकालने ...

निकालने के दौरान अचानक नदी का जलस्तर बढ़ गया और पानी के तेज बहाव व भंवर में फंस कर कई लोग बह गए। स्थानीय मछुआरों और ग्रामीणों की मदद से जब तक लोगों को निकाला गया, तब तक नौ लोगों की मौत हो गई। मछुआरों और ग्रामीणों की मदद से चार लोगों को बचा लिया गया। घटना की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन और पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा स्थिति का जायजा लिया। अग्निशमन दल, स्थानीय मछुआरे और राहत टीमें नदी में लगातार खोज अभियान चला रही हैं। पुलिस के अनुसार मृतकों में एक पुरुष और आठ महिलाएं शामिल हैं। इनकी पहचान लक्ष्मी मादेव नायक (38), लक्ष्मी शिवराम नायक (39), मालती जट्टप्पा नायक (38), मास्तम्मा मंजुनाथ नायक (43), लक्ष्मी नायक, लक्ष्मी अण्णप्पा नायक (44), ज्योति नायक (37), उमेश मंजुनाथ नायक (42) और मंजम्मा के रूप में हुई है। अभी दो अन्य लोग लापता हैं जिनकी तलाश के लिए बचाव अभियान जारी है। नदी से निकाले गए नौ शवों को भटकल तालुक सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है। घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह बेहद दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। राज्य सरकार मृतकों के परिजनों को मानवीय आधार पर पांच-पांच लाख रुपए की सहायता राशि देगी। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि अभी कुछ लोगों के लापता होने की सूचना है और उनकी तलाश के लिए व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने लोगों से लापता व्यक्तियों के सुरक्षित मिलने की प्रार्थना करने की अपील की।

ओडिशा में श्रद्धा ...

अन्य लोगों की इलाज के दौरान मौत हो गई, एक अधिकारी ने बताया। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान नुअदिही गांव के मंगल साई नायक और रायबारी प्रधान तथा सुनाखें गांव के उल्लास खाडिया और सुकांति खाडिया के रूप में हुई है। अधिकारियों ने बताया कि मृत्यु का कारण खाद्य विषाक्तता होने का संदेह है, हालांकि चिकित्सा परीक्षण और खाद्य नमूनों की प्रयोगशाला जांच के बाद ही सटीक कारण की पुष्टि हो पाएगी। झारसुगुड़ा के कलेक्टर चव्हाण कुणाल मोतीराम ने बताया कि दो दिन पहले सुंदरगढ़ जिले में एक अंतिम संस्कार भोज में शामिल होने के बाद कुछ लोगों में दस्त जैसे लक्षण दिखाई दिए। हमने गांव में एक चिकित्सा दल भेजा है और भोजन के नमूने प्रयोगशाला परीक्षण के लिए भेजे गए हैं। सुंदरगढ़ के मुख्य जिला चिकित्सा अधिकारी सुरेश चंद्र मोहंती ने बताया कि संदिग्ध खाद्य विषाक्तता से लगभग 28 लोग बीमार पड़ गए। इनमें से छह को सुंदरगढ़ के एक अस्पताल में और एक को बुरला स्थित विमसार अस्पताल में रेफर किया गया। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मुकेश महालिंग ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सुंदरगढ़ जिले के हेमगीर ब्लॉक के नुअदिही गांव में एक श्राद्ध में भोजन करने के बाद हुई मौतों के बारे में जानकर मैं अत्यंत दुखी और व्याकुल हूं। उन्होंने इलाज करा रहे लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

जल्द होगी ट्रेड डील...

की व्यापार नीति का बचाव करते हुए कहा कि अमेरिका का व्यापार संतुलन सुधारने का प्रयास सिर्फ भारत को लेकर नहीं है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का उद्देश्य वैश्विक स्तर पर व्यापार असंतुलन को ठीक करना है। उन्होंने कहा कि यह भारत के खिलाफ नहीं है। दुनिया के कई देशों के साथ अमेरिका के व्यापार में असंतुलन है और उसे ठीक करने की जरूरत है। रूबियो ने उम्मीद जताई कि अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि जल्द भारत आ सकते हैं ताकि समझौते को अंतिम रूप दिया जा सके। रूबियो ने यह भी कहा कि ट्रंप प्रशासन के अंत तक भारत-अमेरिका संबंध पहले से कहीं ज्यादा मजबूत होंगे। उन्होंने कहा कि यही अमेरिका का लक्ष्य है। भारत और अमेरिका के बीच हुई बातचीत में व्यापार, रक्षा, ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिज और तकनीकी सहयोग जैसे मुद्दों पर भी चर्चा हुई। दोनों देशों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता और सेमीकंडक्टर सप्लाई चेन को मजबूत करने से जुड़े अमेरिकी पहल *पैक्स सिलिका* पर भी बात की। भारत फरवरी में इस पहल से आधिकारिक तौर पर जुड़ा था। चीन और पाकिस्तान के साथ अमेरिका के संबंधों को लेकर पूछे गए सवाल पर रूबियो ने कहा कि अमेरिका का अन्य देशों से संबंध रखना भारत के साथ उसकी रणनीतिक साझेदारी के खिलाफ नहीं है। उन्होंने कहा कि हम भारत को अपने सबसे अहम रणनीतिक साझेदारों में मानते हैं। किसी दूसरे देश के साथ हमारे संबंध भारत के साथ साझेदारी की कीमत पर नहीं होंगे।

रूस ने यूक्रेन पर ...

बुझाने और मलबा हटाने में लगा रहा। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि रूस ने कीव के पास बिला त्सेरकवा शहर को भी निशाना बनाया। यह शहर कीव से करीब 64 किमी दूर है। जेलेंस्की ने कहा कि रूस ने वॉटर सप्लाई से जुड़ी जगहों को भी निशाना बनाया। उनका आरोप है कि रूस गर्मियों से पहले पानी की व्यवस्था खराब करना चाहता है। उन्होंने अमेरिका और यूरोपीय देशों से रूस के खिलाफ कड़े कदम उठाने की अपील की। इधर रूस का कहना है कि यह हमला यूक्रेन की तरफ से रूस में हुए हमलों के जवाब में किया गया। रूस का दावा है कि उसने यूक्रेन के सैन्य ठिकानों, एयरबेस और सेना से जुड़े केंद्रों को निशाना बनाया। रूस ने यह भी कहा कि उसने ओरेशनिक, इस्कंदर, किंझाल और जिरकॉन जैसी मिसाइलों का इस्तेमाल किया। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन पहले ही कह चुके हैं कि ओरेशनिक मिसाइल को रोकना बहुत मुश्किल है, क्योंकि इसकी रफ्तार आवाज की गति से 10 गुना ज्यादा है। फरवरी 2022 में रूस- यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद, यह तीसरी बार है जब रूस ने यूक्रेन के खिलाफ ओरेश्निक मिसाइल का इस्तेमाल की है। ओरेश्निक की मारक क्षमता कई हजार किमी है और यह परमाणु हथियार ले जाने में भी सक्षम है। हमले के दौरान कीव में लोग डरकर मेट्रो स्टेशनों में छिप गए। कई घंटे तक लोग वहीं बैठे रहे। एक महिला ने बताया कि ऊपर लगातार धमाकों की आवाज आ रही थी और लोग बहुत डरे हुए थे। सुबह होने पर शहर के कई हिस्सों में धुआं दिखाई दिया। कई इमारतों की खिड़कियां टूट गईं और कुछ मकानों का हिस्सा गिर गया। फायर ब्रिगेड और बचाव दल देर तक राहत कार्य में जुटे रहे।

फलता में भाजपा की ...

का अंतर एक लाख आठ हजार से अधिक पहुंच गया। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि पिछले लोकसभा चुनाव में इसी क्षेत्र से तृणमूल कांग्रेस को करीब 1.70 लाख वोटों की बढ़त मिली थी, लेकिन इस उपचुनाव में पार्टी उम्मीदवार को महज साढ़े पांच हजार के आसपास वोट मिले। मतदान के दौरान कई बूथों पर तृणमूल कांग्रेस का कोई एजेंट मौजूद नहीं था। वहीं, मतगणना केंद्र में भी पार्टी की सक्रियता बेहद कमजोर दिखाई दी। इस उपचुनाव में वाममोर्चा समर्थित उम्मीदवार शंभूनाथ कुर्मी ने लगभग 37 हजार वोट हासिल कर ध्यान खींचा। वहीं कांग्रेस प्रत्याशी अब्दुर रज्जाक मोल्ला को करीब साढ़े नौ हजार वोट मिले। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि तृणमूल कांग्रेस के कमजोर पड़ने से राज्य की विपक्षी राजनीति में नई संभावनाएं बन सकती हैं। फलता उपचुनाव की पृष्ठभूमि काफी विवादित रही। विधानसभा चुनाव के दौरान कई बूथों के ईवीएम में इत्र, स्याही और टेप लगाए जाने जैसी अनियमितताओं के आरोप लगे थे। इसके बाद निर्वाचन आयोग ने चुनाव रद्द कर पुनर्मतदान कराने का फैसला लिया था। इसी दौरान जहांगिर खान और उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी अजयपाल शर्मा के बीच तनाव की चर्चाएं भी राजनीतिक गलियारों में सुर्खियों में रहीं। राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद फलता में तृणमूल कांग्रेस की संगठनात्मक सक्रियता लगभग ठप पड़ गई थी। स्थानीय लोगों के बीच लंबे समय से वोट नहीं डाल पाने और *थ्रेट कल्चर* के आरोपों को भाजपा ने चुनावी मुद्दा बनाया। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कई जनसभाएं और रोड शो किए, जिनमें भारी भीड़ देखने को मिली। उन्होंने फलता के लिए विशेष विकास पैकेज की भी घोषणा की थी, जिसका असर मतदाताओं पर स्पष्ट दिखाई दिया। चुनाव परिणाम के बाद शुभेंदु अधिकारी ने सोशल मीडिया पर लंबा संदेश जारी करते हुए कहा कि फलता की जनता ने लोकतंत्र को फिर से स्थापित किया है। मैं यहां के मतदाताओं को नमन करता हूं, जिन्होंने भाजपा प्रत्याशी को एक लाख से अधिक वोटों के अंतर से जिताया। विकास के माध्यम से हम इस विश्वास का ऋण चुकाएंगे। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस पर सरकारी तंत्र के दुरुपयोग, सिंडिकेट राज और डर की राजनीति चलाने का आरोप लगाया। बिना नाम लिए जहांगिर खान पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि एक तथाकथित सेनापति ने लोकतंत्र का गला घोंटने में कोई कसर नहीं छोड़ी। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि 15 वर्षों बाद लोगों को स्वतंत्र रूप से मतदान करने का अवसर मिला और असली जनमत सामने आया। राजनीतिक हलकों में इस जीत को पश्चिम बंगाल की बदलती राजनीति का संकेत माना जा रहा है। भाजपा इसे बड़े जनादेश के रूप में पेश कर रही है, जबकि तृणमूल कांग्रेस के सामने संगठनात्मक पकड़ बनाए रखने की चुनौती बढ़ गई है। गौरतलब है कि, जिस क्षेत्र में टीएमसी को यह करारी हार मिली है, वह डायमंड हार्बर लोकसभा सीट के अंतर्गत आता है, जहां से पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव व लोकसभा में सांसद हैं।

एससी का फर्जी आदेश ...

की थी। शंकर अरुमुगम नामक यह कैदी 2001 के अपहरण और फिरौती मामले में दोषी ठहराया गया था। उसे भारतीय दंड संहिता की धारा 364ए और 120बी के तहत दो-दो उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। अदालत ने दोनों सजाओं को साथ-साथ चलाने का आदेश दिया था। इसके अलावा उस पर 5-5 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया था। जेल अधिकारियों के मुताबिक नवंबर 2018 में सुप्रीम कोर्ट के कथित आदेश से जुड़े दस्तावेज जमा किए गए, जिनके आधार पर कैदी ने 10 हजार रुपए का जुर्माना भरा और उसे रिहा कर दिया गया। यह मामला तब सामने आया जब हाल ही में जेल महानिदेशक कार्यालय को एक शिकायत मिली, जिसमें कहा गया कि कैदी ने फर्जी दस्तावेजों के जरिए रिहाई हासिल की थी। इसके बाद आंतरिक जांच शुरू की गई और दस्तावेजों की सत्यता जांचने के लिए सुप्रीम कोर्ट के सहायक रजिस्ट्रार कार्यालय से संपर्क किया गया। जांच में पता चला कि 3 नवंबर 2018 का कथित सुप्रीम कोर्ट आदेश पूरी तरह फर्जी था। इसके बाद अधिकारियों ने माना कि इस धोखाधड़ी में कुछ अन्य लोगों की भी भूमिका हो सकती है। अब परप्पना अग्रहारा पुलिस स्टेशन में जालसाजी, धोखाधड़ी और फर्जी दस्तावेज तैयार करने से संबंधित धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस फरार कैदी को दोबारा गिरफ्तार करने की कोशिश कर रही है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि जेल विभाग या अन्य सरकारी तंत्र के किसी व्यक्ति ने इस फर्जीवाड़े में मदद तो नहीं की। इस घटना ने जेल प्रशासन की कार्यप्रणाली और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

अजीत डोभाल से ...

ने बताया कि दोनों राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों ने भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को उच्च प्राथमिकता देने की प्रतिबद्धता दोहराई। बैठक में क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान हुआ। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी विदेश मंत्री भारत यात्रा पर हैं। आज सुबह उन्होंने विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की।

नगांव जिले में 500 रुपए के विवाद में गर्भवती की हत्या, पति फरार

नगांव (हिंस)। असम के नगांव जिले में घरेलू हिंसा की घटना सामने आई है, जहां नौ माह की गर्भवती की उसके पति ने हत्या कर दी गई। रविवार को पुलिस रिपोर्ट में आई यह घटना 22 मई की शाम कठियातली क्षेत्र के समीप हुई। मृतका की पहचान आकाशीगंगा क्षेत्र की निवासी यासमीन बेगम के रूप में हुई है। आरोप है कि यासमीन अपने पति अजीम उद्दीन के साथ एक ई-रिक्शा में यात्रा कर रही थीं, तभी दोनों के बीच 500 रुपए को लेकर विवाद शुरू हुआ। देखते ही देखते विवाद हिंसक रूप ले लिया। स्थानीय लोगों और परिजनों के अनुसार, आरोपी पति ने कथित रूप से यासमीन को ई-रिक्शा से धक्का देकर नीचे गिरा दिया और उसके साथ मारपीट की। गंभीर रूप से घायल अवस्था में उसे निकटवर्ती अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उसके पेट में पल रहे 9 माह के बच्चे की भी इस दौरान मौत हो गई। आरोपित ने इस घटना को सड़क दुर्घटना दिखाने की कोशिश की। हालांकि, घटना के बाद आरोपी अजीम उद्दीन मौके से फरार हो गया। नगांव पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी है और मामले की विस्तृत जांच जारी है। पुलिस परिजनों के आरोपों सहित सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

नवनिर्वाचित 82 विधायकों का सम्मान करेगी असम भाजपा

गुवाहाटी (हिंस)। हाल ही में संपन्न हुए 2026 असम विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ऐतिहासिक जीत के बाद पार्टी ने 82 नवनिर्वाचित विधायकों के सम्मान में एक भव्य अभिनंदन समारोह आयोजित करने का निर्णय लिया है। यह कार्यक्रम आगामी 26 मई को शाम 6 बजे गुवाहाटी स्थित श्रीमंत शंकरदेव अंतर्राष्ट्रीय प्रेक्षागृह में आयोजित किया जाएगा। इसी दिन सुबह 10 बजे श्रीश्री दामोदरदेव आडिटोरियम में राज्यभर के जिला एवं मंडल अध्यक्षों की उपस्थिति में एक विशेष संगठनात्मक बैठक भी आयोजित की जाएगी। पार्टी मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन से जारी बयान के अनुसार भाजपा असम प्रदेश कार्यक्रम के दौरान 39 संगठनात्मक जिलों और 433 मंडलों के अध्यक्षों को भी

विशेष रूप से सम्मानित करेगा। यह जानकारी पार्टी प्रवक्ता प्रांजल कलिता ने साझा की। प्रवक्ता ने कहा कि असम में लगातार तीसरी बार भाजपा की सरकार बनाने का श्रेय पार्टी के जमीनी कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत और समर्पण को जाता है। उन्होंने बताया कि राज्यभर के 31, 486 बूथों पर कार्यरत लगभग 65 लाख सदस्यों और करीब 72 हजार सक्रिय कार्यकर्ताओं ने पार्टी को यह ऐतिहासिक जनादेश दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने यह भी कहा कि 2021 विधानसभा चुनाव की तुलना में भाजपा ने इस बार लगभग पांच प्रतिशत अधिक मत प्राप्त किए। 2026 चुनाव में कुल 38 प्रतिशत वोट हासिल कर जनता की सेवा का एक और अवसर प्राप्त किया। पार्टी के अनुसार, जिला एवं मंडल अध्यक्षों के नेतृत्व, संगठनात्मक क्षमता और त्याग को सम्मान देने तथा संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से यह विशेष पहल की गई है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद दिलीप सैकिया, केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री पवित्र मार्घेरिटा सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी, सांसद, पूर्व सांसद, विधायक, मोर्चा प्रतिनिधि, जिला अध्यक्ष तथा कई विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहेंगे।

यूसीसी से मुसलमानों का कोई नुकसान नहीं : वाजेद अली चौधरी

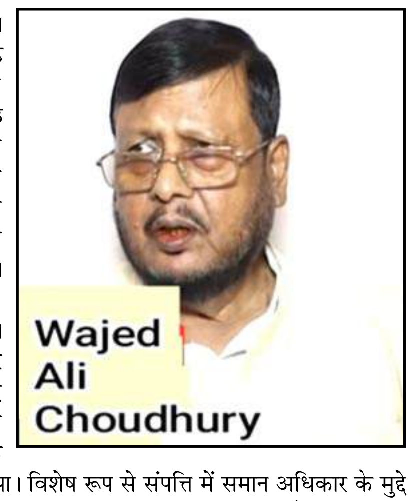

गुवाहाटी (हिंस)। यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) को लेकर जारी बहस के बीच वरिष्ठ कांग्रेस नेता वाजेद अली चौधरी ने बड़ा बयान देते हुए कहा है कि यूसीसी से मुस्लिम समुदाय का कोई नुकसान नहीं होगा। चौधरी पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। दलीय रुख से अलग नजर आने वाले बयान में वाजेद अली चौधरी ने यूसीसी के कुछ प्रावधानों को एक प्रकार से समर्थन भी दिया। विशेष रूप से संपत्ति में समान अधिकार के मुद्दे पर उन्होंने खुलकर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि बेटे और बेटियों को संपत्ति में समान अधिकार दिया जाना समर्थन योग्य कदम है। उनके अनुसार समाज में समानता और न्याय सुनिश्चित करने के लिए इस प्रकार की व्यवस्था आवश्यक मानी जा सकती है। हालांकि, यूसीसी के व्यापक मुद्दे पर उन्होंने संतुलित और रणनीतिक टिप्पणी करते हुए कहा कि उनका न तो इस कानून का विरोध है और न ही खुला समर्थन। उनके इस बयान को वर्तमान राजनीतिक और सामाजिक परिस्थितियों के बीच महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

गड़चुक में भीषण सड़क हादसा, ट्रक चालक की मौत

गुवाहाटी (हिंस)। महानगर के गड़चुक इलाके में शनिवार देर रात एक भीषण सड़क दुर्घटना में ट्रक चालक की मौत हो गई। दुर्घटना उस समय हुई जब तेज रफ्तार ट्रक सड़क किनारे खड़े एक वाहन से जा टकराया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रक का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों तथा पुलिस की मदद से चालक को बाहर निकालने का प्रयास किया गया, लेकिन मौके पर ही उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मृत चालक की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है तथा मामले की जांच जारी है। दुर्घटना के बाद कुछ समय तक इलाके में यातायात प्रभावित रहा, जिसे बाद में सामान्य कर दिया गया।

त्रिपुरा : भाजपा की मुख्य सचेतक कल्याणी रॉय ने सरकारी कर्मचारियों के लिए चार दिन के कार्य समय का प्रस्ताव रखा

अगरतला। त्रिपुरा विधानसभा में भाजपा की मुख्य सचेतक कल्याणी रॉय ने प्रस्ताव दिया है कि राज्य सरकार सरकारी कर्मचारियों के लिए चार दिवसीय कार्य सप्ताह लागू करने पर विचार करे, साथ ही दैनिक कार्य घंटों में वृद्धि भी करे। उन्होंने कहा कि वर्तमान में, ग्रुप सी और डी के 50 प्रतिशत सरकारी कर्मचारी कार्यालयों में आ रहे हैं जबकि शेष कर्मचारी घर से काम कर रहे हैं। यह कदम पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच ईंधन बचाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील के बाद शुरू किए गए मितव्ययिता उपायों का हिस्सा है। गौरतलब है कि राज्य सरकार ने 13 मई को एक आधिकारिक ज्ञापन जारी कर निर्देश दिया कि ग्रुप सी और डी के 50 प्रतिशत कर्मचारी तत्काल प्रभाव से घर से काम करेंगे। रॉय ने कहा कि यह व्यवस्था, जो 14 मई से प्रभावी हुई है, में कर्मचारियों को कार्यालय में काम करने और घर से काम करने के बीच बारी-बारी से काम करने की व्यवस्था शामिल है, और इसका उद्देश्य मौजूदा स्थिति के दौरान ईंधन की खपत को कम करना है। उन्होंने ईंधन संरक्षण के लिए प्रधानमंत्री की अपील का पालन करने के महत्व पर जोर दिया, यह देखते हुए कि पश्चिम एशिया संघर्ष की अवधि अनिश्चित बनी हुई है। उन्होंने यह भी बताया कि मुख्यमंत्री माणिक साहा ने मंत्रिमंडल के मंत्रियों और विधायकों के साथ मिलकर अपील के अनुरूप एस्कॉर्ट वाहनों की संख्या पहले ही कम

कर दी है और नागरिकों से आग्रह किया है कि वे कम दूरी की यात्रा के लिए सार्वजनिक परिवहन, ई-रिक्शा या साइकिल का उपयोग करके इसी तरह के मितव्ययिता उपायों को अपनाएं। रॉय ने आगे कहा कि हालांकि सिविल सचिवालय से लेकर ग्राम पंचायत स्तर तक ई-ऑफिस प्रणाली पहले ही लागू की जा चुकी है, लेकिन इसके सुचारू संचालन के लिए ग्रुप सी और डी कर्मचारियों की निरंतर भागीदारी आवश्यक है। इसलिए, उन्होंने राज्य सरकार से कर्मचारियों के लिए चार दिवसीय कार्य सप्ताह शुरू करने की अपील की और समग्र उत्पादकता बनाए रखने के लिए दैनिक कार्य घंटों को मौजूदा आठ घंटे से बढ़ाकर लगभग नौ घंटे करने का सुझाव दिया।

कछार में 50 लाख रुपए से अधिक की हेरोइन बरामद एक तस्कर गिरफ्तार

कछार (हिंस)। कछार पुलिस ने विश्वसनीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए सिलचर बाइपास के निकट एक वाहन से भारी मात्रा में संदिग्ध हेरोइन बरामद कर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी की पहचान साहारुल इस्लाम लस्कर (23) के रूप में हुई है। वह नुरुल इस्लाम लस्कर का पुत्र तथा ढोलाई थाना क्षेत्र के बिधारातनपुर का निवासी है। आरोपी को सिलचर की ओर आ रही एक बोलेरो वाहन (एमजेड 01 एफ 9812) से पकड़ा गया। वाहन की तलाशी के दौरान पुलिस ने आठ साबुनदानी में छिपाकर रखी गई लगभग 90 ग्राम संदिग्ध हेरोइन बरामद की। जब्त मादक पदार्थ की अनुमानित बाजार कीमत 50 लाख रुपए से अधिक बताई गई है। पुलिस ने बताया कि मामले में आगे की जांच जारी है तथा इस तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश की जा रही है।

बकरीद से पहले धुबड़ी में जिला आयुक्त कार्यालय में बैठक आयोजित

धुबड़ी (विभास)। आगामी 28 मई 2026 को आयोजित होने वाली ईद उल जुहा पर चर्चा करने के लिए गत दिन धुबड़ी जिला आयुक्त कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता धुबड़ी के जिला आयुक्त मेघ निधि दहाल (भाप्रसे) ने की उन्होंने सभी संबंधित विभागों को अत्यंत ईमानदारी और निष्ठा के साथ अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह करने और जिले में शांतिपूर्ण ढंग से उत्सव संपन्न करने का आह्वान किया जिला आयुक्त ने स्वास्थ्य विभाग को विभिन्न ईदगाहों में किसी भी चिकित्सक आपात स्थिति में निपटने के लिए एंबुलेंस तैनात करने का निर्देश दिया और सभी को हर समय सरकारी स्वास्थ्य सेवा केंद्र में ड्यूटी पर रहने का निर्देश दिया इसके अलावा जिला पशु चिकित्सा अधिकारी को आवश्यकता अनुसार निरीक्षण और

प्रमाणन की जिम्मेदारी निभाने के लिए कहा गया है जिला आयुक्त ने सभी उपस्थित लोगों को असम मवेशी संरक्षण अधिनियम 2021 के प्रावधानों से अवगत कराया उन्होंने स्पष्ट किया कि यह कानून उचित परमिट के बिना मवेशियों के कत्ल, बिक्री और परिवहन को सख्त से प्रतिबंधित करता है उन्होंने उल्लेख किया कि हिंदू, जैन या सिख समुदाय की प्रधानता वाले क्षेत्र मे तथा किसी भी मंदिर या सत्र के 5 किलोमीटर के दायरे में गोमंगस की बिक्री अवैध है इस कानून के तहत मवेशियों में गाय, सांड, बैल, या भैंस शामिल है जिला आयुक्त में स्पष्ट किया कि इस कानून में किसी भी प्रकार की छुट्टियां दिलाए की कोई गुंजाइश नहीं है

पलाशबाड़ी में भीषण सड़क हादसा, चार बाइक सवारों की मौत

कामरूप (हिंस)। पलाशबाड़ी के बाजारापाड़ा इलाके में शनिवार रात हुए एक भीषण सड़क हादसे में चार बाइक सवारों की मौत हो गई। दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने की टक्कर इतनी जोरदार थी कि घटनास्थल पर ही तीन युवकों ने दम तोड़ दिया। हादसे में गंभीर रूप से घायल एक अन्य युवक को उपचार के लिए गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (जीएमसीएच) ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई। दुर्घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर जुट गए। मृतकों की पहचान ज्योति कलिता, निखिल दास और चंदन जाना के रूप में हुई है। चौथे मृतक की पहचान समाचार लिखे जाने तक आधिकारिक रूप से नहीं हो सकी थी।

होजाई साहित्य सभा में आयोजित *परमाणु* लघु-कथा पाठ में स्थानीय एवं नामवर लेखकों ने लिया भाग

होजाई (निसं)। होजाई साहित्य सभा ने 24 मई को अपनी नियमित साहित्यिक शृंखला के तहत एक विशेष लघु-कथा (अणु/परमाणु कथा) पाठ का आयोजन किया। विख्यात गीतकार और परमाणु-कथाओं के प्रवर्तक सरत बरकाकति के संचालन में हुए इस आयोजन में कई वरिष्ठ कथाकारों ने संक्षिप्त परंतु प्रभावशाली कथाएं प्रस्तुत कीं। कार्यक्रम में कथाकार कलपना देवी गोस्वामी, पद्मकांत बोरा, अनुप कुमार बरठाकुर, दयाल चंद्र को, कल्याण कुमार रायचौधुरी, तरुण चंद्र देवचौधुरी, कुशेश्वर मुदोई, निबा देवी, श्रुति कुमार सिंह, कमल चंद्र सेकिया, अच्युत ठाकुरिया, पुष्प बोरा, अनीमा बरुआ, रेखा लस्कर बोरा, अमल कलिता, डॉ. शम्सुल हक, आराधना शर्मा, हिमू कुमार नाथ और प्रीतिरेखा दास शामिल रहे। असम की प्रमुख कथाकार त्रिशणा बरकाकति ने भी दर्शकों के लिए दो कहानियां पढ़ीं। संचालक सरत बरकाकति ने कहा कि असमिया साहित्य में संक्षिप्त रूप की कहानियों की परंपरा रही है, पर *परमाणु* या माइक्रो-कथा का चलन यहां अपेक्षाकृत नया है। उन्होंने बताया कि अंग्रेज़ी साहित्य में प्रसिद्ध छह-शब्द की

छोटी कहानी से उन्हें यह विचार मिला था, और परमाणु-कथा की परिभाषा इस तरह पेश की कि वह ऐसी रचना है जिसका अस्तित्व स्पष्ट है पर विस्तार न्यूनतम; कई बार एक ही वाक्य पूरी कहानी कह देता है। होजाई में इस प्रकार के लघु-रूप की चर्चाएं और पठन-सत्र साहित्य की नवप्रवर्तनशीलता के लिए शुभ संकेत हैं। होजाई साहित्य सभा की अध्यक्ष कलपना देवी गोस्वामी व सचिव सर्वेश्वर पाठक ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम के आयोजकों, पढ़ने वाले लेखकों और उपस्थित श्रोताओं का धन्यवाद व्यक्त किया।

कोकराझाड़ : ढोलमारा में मिले दो छात्राओं के शव, पानी में डूबकर हुई मौत : पुलिस

कोकराझाड़ (विभास)। असम के कोकराझाड़ जिले के ढोलमारा इलाके में दो छात्राओं के शव बरामद होने के मामले में पुलिस ने स्थिति स्पष्ट कर दी है। कोकराझाड़ के जिला पुलिस अधीक्षक अक्षत गर्ग ने एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए मामले की जांच और प्राथमिक रिपोर्ट के बारे में जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक अक्षत गर्ग ने बताया कि छात्राओं के शवों का प्राथमिक पोस्टमार्टम पूरा हो चुका है। रिपोर्ट के अनुसार, दोनों छात्राओं के शरीर पर चोट का कोई निशान नहीं मिला है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनके निजी अंगों (प्राइवेट पार्ट्स) पर भी किसी तरह की चोट या हिंसा के प्रमाण नहीं मिले हैं, जो कि प्राथमिक जांच में एक महत्वपूर्ण तथ्य है। प्रेस

वार्ता के दौरान एसपी ने मौत के कारण के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि पोस्टमार्टम के दौरान फेफड़ों की स्थिति का विश्लेषण किया गया। गर्ग ने कहा कि छात्राओं के फेफड़ों का वजन बड़ा हुआ था और वे काफी बड़े हो गए थे। चिकित्सा विज्ञान के अनुसार, यह संकेत देता है कि मौत पानी में डूबने के कारण हुई है। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि मामले की गहनता से जांच की जा रही है ताकि घटना से जुड़ी अन्य कड़ियों को जोड़ा जा सके। प्रशासन ने लोगों से किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है।

होजाई : जिला स्तरीय एथलेटिक प्रतियोगिता के चयनित 54 खिलाड़ी लंका प्रशिक्षण शिविर में शामिल हुए

होजाई (निसं)। 9 और 10 मई को होजाई के स्वामी विवेकानंद क्रीड़ांगन में आयोजित इंट्रा-डिस्ट्रिक्ट एथलेटिक प्रतियोगिता में कुल 54 लड़के और लड़कियां चुनी गईं, जिन्हें आगामी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए आगे भेजा जाएगा। इन चयनित खिलाड़ियों का दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर 23 और 24 मई, 2026 को लंका के खेल पथार में आयोजित किया गया। शिविर का आयोजन होजाई जिला खेल संस्था द्वारा किया गया था। शिविर के दौरान खिलाड़ियों को तकनीकी प्रशिक्षण, फिटरनेस सेशन्स और प्रदर्शन सुधारात्मक अभ्यास कराए गए, ताकि वे आगामी असम एथलेटिक राज्य मीट में मजबूत और तैयार रूप में भाग ले सकें। आयोजकों ने कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण शिविर चयनित खिलाड़ियों की क्षमता बढ़ाने और उन्हें राज्य स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में होजाई जिला खेल संस्था के सचिव असीम मजूमदर, सेसचिव सुदीप दास और लंका सब-एसोसिएशन के सचिव मोहन छेतरी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं और कहा कि खेल संस्था खिलाड़ियों के समुचित प्रशिक्षण और आवश्यक सहयोग के लिए आगे भी प्रयास जारी रखेगा। यह प्रशिक्षण शिविर और चयनित प्रतिनिधिमंडल अब असम एथलेटिक राज्य प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करेगा, जहां इन युवा एथलीटों से अच्छा प्रदर्शन की उम्मीद है।

बीएसई, आईसीएसआई और एआईबीआई ने एसएमई फंड रेजिंग कॉन्क्लेव की मेजबानी की

गुवाहाटी। बीएसई ने इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया (आईसीएसआई) और एसोसिएशन ऑफ इन्वेस्टमेंट बैंकर ऑफ इंडिया (एआईबीआई) के सहयोग से गुवाहाटी में एसएमई फंड रेजिंग कॉन्क्लेव- *मुख्य विकास अवसर* का सफल आयोजन किया। इस कॉन्क्लेव की शुरुआत भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा की गई थी और इसका उद्देश्य एसएमईज में पूंजी बाजार का उपयोग कर विकास के लिए जागरूकता बढ़ाना है, साथ ही सफल फंड रेजिंग के लिए अवसरों, चुनौतियों और मार्गों को संबोधित करना है। दीप मणि शाह, चीफ जनरल मैनेजर, सेबी, ने कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थिति दर्ज की। अपने मुख्य भाषण में उन्होंने बदलते हुए एसएमई इकोसिस्टम को रेखांकित किया और नियामकीय समर्थन तथा निवेशकों के विश्वास के माध्यम से विश्वसनीय पूंजी निर्माण को सक्षम बनाने के लिए सेबी की प्रतिबद्धता को दोहराया। कार्यक्रम में बीएसई, आईसीएसआई, एआईबीआई और अन्य प्रमुख हितधारकों के वरिष्ठ प्रतिनिधियों के साथ संवाद और पैनल चर्चा भी शामिल थी। उन्होंने एसएमई आईपीओ यात्रा के महत्वपूर्ण पहलुओं पर अपने विचार साझा किए, जिनमें बाजार की तैयारी और नियामक अनुपालन से लेकर ड्यू डिलिजेंस तक के विषय शामिल थे। साथ ही, पारदर्शी और भरोसेमंद लिस्टिंग प्रक्रिया को बढ़ावा देने में मध्यस्थों की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी प्रकाश डाला गया। भारत का एमएसएमई क्षेत्र देश की आर्थिक वृद्धि और रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है। 7 करोड़ से अधिक पंजीकृत एमएसएमईज के साथ, पूंजी बाजार में एस एम इज की भागीदारी को और गहरा बनाना भारत की दीर्घकालिक आर्थिक आकांक्षाओं तथा *विकसित भारत* के दृष्टिकोण को समर्थन देने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस पहल पर बोलते हुए, श्रीमती राधा कीर्तिवासन, हेड-लिस्टिंग एवं एसएमई, बीएसई ने कहा कि गुवाहाटी में इस एसएमई कॉन्क्लेव को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया से हम बेहद प्रसन्न हैं। उत्तर-पूर्व क्षेत्र अपार उद्यमशील ऊर्जा का केंद्र है और हमारा उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि उद्यम एसएमई प्लेटफॉर्म के माध्यम से उपलब्ध फंड रेजिंग अवसरों के प्रति जागरूक हों। बीएसई उद्यमों को उनकी लिस्टिंग यात्रा में सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है और हमें विश्वास है कि इस क्षेत्र के कई एस एम इज जल्द ही हमारे एसएमई प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध होंगे तथा विकास पूंजी जुटाएंगे। सीएस पवन जी चांडक, प्रेसिडेंट, आईसीएसआई, ने कहा कि

यह कॉन्क्लेव सेबी, बीएसई, एआईबीआई और आईसीएसआई द्वारा सुशासन और निवेशकों के विश्वास के माध्यम से एसएमई फंड रेजिंग इकोसिस्टम को मजबूत करने की सामूहिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह संयुक्त पहल उभरते उद्यमियों को अनुपालन और पारदर्शिता संबंधी उचित मार्गदर्शन के साथ अवसरों को समझने और उनका लाभ उठाने में मदद करेगी। डॉ. मिलिंद दालवी, सीईओ, एआईबीआई ने कहा कि गुवाहाटी में आयोजित एसएमई फंड रेजिंग कॉन्क्लेव उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में उद्यमिता और पूंजी बाजार भागीदारी की बढ़ती गति को दर्शाता है। एआईबीआई को सेबी, बीएसई और अन्य मध्यस्थों के साथ साझेदारी कर एस एम इज को वित्तपोषण के अवसरों, बाजार जागरूकता और निवेशकों के सहभागिता तक बेहतर पहुंच प्रदान करने में प्रसन्नता है, जो समावेशी आर्थिक विकास और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक हैं।

संपादकीय

उन्नत तकनीक से सुरक्षा

उन्नत तकनीक से सुरक्षा सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की ओर से आयोजित वार्षिक रुस्तम जी व्याख्यानमाला के दौरान केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि सरकार तकनीक, ड्रोन, राडार और स्मार्ट वैमरों का इस्तेमाल करके पाकिस्तान और बांग्लादेश की सीमाओं पर एक मजबूत सुरक्षा जाल तैयार करेगी। दरअसल भारत की पाकिस्तान और बांग्लादेश से 6000 किमी से ज्यादा लम्बी सीमा है जहां से घुसपैठ की संभावना हमेशा बनी रहती है। पाकिस्तान से लगी सीमा पर तो ज्यादातर क्षेत्रों की बाड़बन्दी हो चुकी है लेकिन पाक आतंकी तार के नीचे से लम्बी सुरंग बनाकर भारत की सीमा में घुस जाते हैं। इसी तरह बांग्लादेश से लगी 4096 किमी की सीमा में जंगलों के रास्ते घुसपैठिए घुसपैठ कर असम, पश्चिम बंगाल, मिजोरम, त्रिपुरा, मेघालय में घुस आते हैं। इस तरह के घुसपैठ को रोकने के लिए, केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने 'स्मार्ट बार्डर ग्रिड' परियोजना का प्रस्ताव किया जो वर्तमान में चल रही 'व्यापक एकीवृत बार्डर प्रबंधन प्रणाली' यानि सीआईबीएमएस प्रणाली पर आधारित हो सकता है। सच तो यह है कि पाकिस्तान और बांग्लादेश के जो भी नागरिक भारत में अवैध रूप से प्रवेश करते हैं उनकी पहले से ही भारत के अन्दर किसी निजी एजेंसी या अवैध गिरोह से संपर्क होता है। ऐसे गिरोह भारत के अन्दर प्रवेश कराने फर्जी राशन कार्ड, आधार कार्ड और वोटर आईडी कार्ड बनवाने की जिम्मेदारी निभाते हैं। फिर उन्हें सरकारी जमीन पर कब्जा करके अपना ठिकाना बनाने की भी सुविधा मिल जाया करती थी। असम में सीमा की निगरानी में बीएसएफ लगी है। इसके द्वारा निगरानी की सीआईबीएमएस योजना को लागू करने में राज्य सरकार ने पूरा सहयोग किया किन्तु पश्चिम बंगाल सरकार ने इस परियोजना को लागू होने नहीं दिया। अब नई सरकार इस परियोजना को पूरी तरह लागू करने के लिए वृतसंकल्प है। पाकिस्तान से लगी 3323 किमी सीमा पर यह प्रणाली गुजरात, राजस्थान, पंजाब और जम्मू-कश्मीर से लगती सीमा पर पूरी तरह लागू है। इन सभी राज्यों में सरकार किसी भी पाटी की हो राज्य सरकारों से बीएसएफ को पूरा सहयोग मिलता है। बांग्लादेश में घुसपैठ कराने के लिए, बहुत सारे निजी कारोबारी सक्रिय हैं और ये अपनी फीस वसूल कर घुसपैठियों को भारत में भेजते रहे हैं। किन्तु जबसे उन्हें पता चला है कि बाड़ लगे तारों में बिजली का सिस्टम लगाने की तैयारी चल रही है, ये घुसपैठ गैंग परेशान हैं। उन्हें अपना व्यवसाय डूबता हुआ नजर आ रहा है। मजे की बात तो यह है कि पाक के घुसपैठिए भारत में हिंसा फैलाने के लिए आते हैं जिन्हें सैन्य खुफिया एजेंसी आईएसआई के निर्देश पर वहां के आतंकी संगठन भेजते हैं और इसके लिए पूरा खर्च वे आईएसआई और केन्द्र सरकार से वसूलते हैं। जब कि बांग्लादेश के घुसपैठिए रोजी-रोटी कमाने के लिए भारत के सीमा में घुसते हैं। भारत के अन्दर तमाम संगठन ऐसा मानते हैं कि बांग्लादेश से आने वाले जरूरतमंद लोग यदि भारतीय क्षेत्र में आते हैं तो उन्हें रोकना नहीं चाहिए। ऐसे लोगों के दृष्टिकोण भारत के नागरिकों के हितों के सर्वथा प्रतिवूल हैं। बांग्लादेशियों के भारत में घुसपैठ का दबाव हमारी अर्थव्यवस्था पर बहुत ही घातक साबित हुआ है। यही नहीं ये बांग्लादेशी घुसपैठिए भारत के शहरों में लूटपाट, डकैती, हिंसा जैसे अपराधों में वृद्धि करते हैं। यह भी सच है कि बांग्लादेशी घुसपैठिए जनसंख्या विस्फोट के लिए भी वुख्यात हैं। बहरहाल अब यदि सरकार नवीनतम टेक्नोलॉजी के माध्यम से घुसपैठ को रोकने की तरकीब विकसित कर रही है तो निश्चित रूप से राष्ट्र विरोधी इस गतिविधि पर रोक लगाई जा सकती है। गृहमंत्री अमित शाह ने जरूरत के मुताबिक नक्सलियों के संहार के लिए जो भी सिस्टम विकसित किया उसका लाभ सीआरपीएफ के जवानों को मिला और उन्होंने नक्सल को समाप्त या बहुत हद तक नियंत्रित कर दिया है। इसी तरह यदि घुसपैठ नियंत्रण के लिए गृहमंत्री की परियोजनाएं सफलतापूर्वक लागू कर दी गईं तो निश्चित रूप से घुसपैठ करने वाले चाहे पाकिस्तानी हों या फिर बांग्लादेश के, हजार बार सोचेंगे।

> केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि सरकार तकनीक, ड्रोन, राडार और स्मार्ट वैमरों का इस्तेमाल करके पाकिस्तान और बांग्लादेश की सीमाओं पर एक मजबूत सुरक्षा जाल तैयार करेगी। दरअसल भारत की पाकिस्तान और बांग्लादेश से 6000 किमी से ज्यादा लम्बी सीमा है जहां से घुसपैठ की संभावना हमेशा बनी रहती है। पाकिस्तान से लगी सीमा पर तो ज्यादातर क्षेत्रों की बाड़बन्दी हो चुकी है लेकिन पाक आतंकी तार के नीचे से लम्बी सुरंग बनाकर भारत की सीमा में घुस जाते हैं। इसी तरह बांग्लादेश से लगी 4096 किमी की सीमा में जंगलों के रास्ते घुसपैठिए घुसपैठ कर असम, पश्चिम बंगाल, मिजोरम, त्रिपुरा, मेघालय में घुस आते हैं। इस तरह के घुसपैठ को रोकने के लिए केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने 'स्मार्ट बार्डर ग्रिड' परियोजना का प्रस्ताव किया जो वर्तमान में चल रही 'व्यापक एकीवृत बार्डर प्रबंधन प्रणाली' यानि सीआईबीएमएस प्रणाली पर आधारित हो सकता है। सच तो यह है कि पाकिस्तान और बांग्लादेश के जो भी नागरिक भारत में अवैध रूप से प्रवेश करते हैं उनकी पहले से ही भारत के अन्दर किसी निजी एजेंसी या अवैध गिरोह से संपर्क होता है।

नक्सली हिंसा लंबे समय से देश के अनेक प्रांतों में आंतरिक मुसीबत बनी हुईं है

नक्सली माओवाद पर निर्णायक प्रहार

प्रमोद भार्गव

देश में तथाकथित शहरी बुद्धिजीवियों का एक तबका ऐसा भी रहा है, जो माओवादी हिंसा को सही ठहराकर संवैधानिक लोकतंत्र को मुखर चुनौती देकर नक्सलियों का हिमायती बना हुआ था। यह न केवल उनको वैचारिक खुराक देकर उन्हें उकसाने का काम करता था, बल्कि उनके लिए धन और हथियार जुटाने के माध्यम भी खोलता था। नक्सली माओवाद पर निर्णायक प्रहार छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ के जंगल में सुरक्षा बलों के नक्सल विरोधी अभियान में बड़ी सफलता मिली है। डेढ़ करोड़ के इनामी बसव राजू समेत 27 माओवादियों को सुरक्षा बलों ने मार गिराया है। यह वुख्यात दरिंदा होने के साथ गुरिल्ला लड़ाका था। माओवादी पाटा का इसे पर्याय माना जाता था। इसका नक्सली सफर 1985 से शुरू हुआ था। इसने वारंगल के क्षेत्रीय इंजीनियरिंग कॉलेज में पढ़ाई की थी। इसने रेडिकल स्टूडेंट यूनियन के बैनर तले चुनाव लड़ा और छात्रसंघ का अध्यक्ष बन गया।यह माओवादी संगठन का महासचिव स्तर का नेता था। यह सैन्य बलों की आंतरिक सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा था। इस ऑपरेशन में एक जवान का बलिदान भी हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे सुरक्षा बलों की असाधारण सफलता माना है। नक्सली हिंसा लंबे समय से देश के अनेक प्रांतों में आंतरिक मुसीबत बनी हुईं है। वामपंथी माओवादी उग्रवाद कभी देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा माना जाता रहा है। लेकिन चाहे जहां रक्तपात की नदियां बहाने वाले इस उग्रवाद पर लगभग नियंत्रण किया जा चुका है। नई रणनीति के अंतर्गत अब सरकार की कोषिष है कि सीआरपीएफ की तैनाती उन सब अज्ञात क्षेत्रों में कर दी जाए, जहां नक्सली अभी भी ठिकाना बनाए हुए हैं। इस नाते वेंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में सबसे अधिक नक्सल हिसा प्रभावित क्षेत्रों में 4000 से अधिक सैन्यबल तैनात करने जा रहा है। वेंद्र सरकार की कोषिष है कि 31 मार्च 2026 तक इस क्षेत्र को पूरी तरह नक्सलवाद से मुक्त कर दिया जाए। इतनी बड़ी संख्या में सैन्यबलों की अज्ञात क्षेत्र में पहुंच का मतलब है कि अब इस उग्रवाद से अंतिम लड़ाई होने वाली है। मजबूत और कठोर कार्य योजना को अमल में लाने का ही नतीजा है कि इस साल सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में 2024 में 153 नक्सली मारे जा चुके हैं। शाह का कहना है कि 2004-14 की तुलना में 2014-24 के दौरान देश में नक्सली हिसा की घटनाओं में 53 प्रतिशत की कमी आई है। 2004-14 में नक्सली हिसा की 16,274 वारदातें दर्ज की गईं थीं, जबकि नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद 10 सालों में इन घटनाओं की संख्या घटकर 7,696 रह गई। इसी अनुपात में देश में माओवादी हिसा के कारण होने वाली मौतों की संख्या 2004-14 में 6,568 थीं, जो पिछले दस साल में घटकर 1990 रह गई है और अब सरकार ने जो नया संकल्प लिया है, उससे तय है कि जल्द ही इस समस्या को निर्मूल कर दिया जाएगा। जिस तरह से नरेंद्र मोदी सरकार ने जम्मूकष्मीर से आतंक और अलगाववाद खत्म करने की निर्णायक लड़ाई लड़ी थी, वैसी ही स्थिति अब छत्तीसगढ़ में अनुभव होने लगी है। इसमें कोई दो राय नहीं कि छत्तीसगढ़ में नक्सली तंत्र कमजोर हुआ है, लेकिन उसकी शक्ति अभी शेष है। अब तक पुलिस व गुप्तचर एजेंसियां इनका सुराग लगाने में नाकाम होती रही थीं, लेकिन नक्सलियों पर शिवंजा कसने के बाद से इनको भी सूचनाएं मिलने लगी हैं। इसी का नतीजा है कि सैन्यबल इन्हें निशाना बनाने में लगातार कामयाब हो रहे हैं। छत्तीसगढ़ के ज्यादातर नक्सली आदिवासी हैं। इनका कार्यक्षेत्र वह आदिवासी बहुल इलाका है, जिससे ये खुद आकर नक्सली बने हैं। इसलिए इनका सुराग सुरक्षाबलों को लगा पाना मुश्किल होता है। लेकिन ये इसी आदिवासी तंत्र से बने मुखबिरों से सूचनाएं आसानी से हासिल कर लेते हैं। दुर्गम जंगली क्षेत्रों के मार्गो, छिपने के स्थलों और जल स्त्रोतों से भी ये खूब परिचित हैं। इसलिए ये और इनकी शक्ति लंबे समय से यहीं के खाद-पानी से पोषित होती रही है। हालांकि अब इनके हमलों में कमी आई है। दरअसल इन वनवासियों में अर्बन माओवादी नक्सलियों ने यह भ्रम पैला दिया था कि सरकार उनके जंगल, जमीन और जल-स्त्रोत उद्योगपतियों को सौंपकर उन्हें बेदखल करने में लगी है, इसलिए यह सिलसिला जब तक थमता नहीं है, विरोध की मुहिम जारी रहनी चाहिए। सरकारें इस समस्या के निदान के लिए बातचीत के लिए भी आगे आईं, लेकिन कामयाबी नहीं मिली। इन्हें बंदूक के जरिए भी काबू में लेने की कोशिशें हुईं हैं। लेकिन नतीजे पूरी तरह अनुवूल नहीं रहे। एक उपाय यह भी हुआ है कि जो नक्सली आदिवासी समर्पण कर मुख्यधारा में आ गए उन्हें बंदूवें देकर नक्सलियों के विरुद्ध खड़ा करने की रणनीति भी अपनाई गई। इस उपाय में खून-खराबा तो बहुत हुआ, लेकिन समस्या बनी रही। गोया, आदिवासियों को मुख्यधारा में लाने से लेकर विकास योजनाएं भी इस क्षेत्र को नक्सल मुक्त करने में अब तक सफल नहीं हो पाई हैं। बस्तर के इस जंगली क्षेत्र में नक्सली नेता हिडमा का बोलबाला रहा है। वह सरकार और सुरक्षाबलों को लगातार चुनौती दे रहा है, जबकि राज्य एवं वेंद्र सरकार के पास मोदी सरकार से पहले रणनीति और दृढ़ इच्छा शक्ति की हमेशा कमी रही थी। तथाकथित शहरी माओवादी बौद्धिकों के दबाव में भी मनमोहन सिह सरकार रही। इस कारण भी इस समस्या का हल दूर की कौड़ी बना रहा। यही वजह थी कि नक्सली क्षेत्र में जब भी कोई विकास कार्य या चुनाव प्रव्रिया संपन्न होती थी तो नक्सली उसमें रोड़ा अटका देते थे। नक्सली समस्या से निपटने के लिए राज्य व वेंद्र सरकार दावा कर रही हैं कि विकास इस समस्या का निदान है। यदि छत्तीसगढ़ सरकार के विकास संबंधी विज्ञापनों में दिए जा रहे आंकड़ों पर भरोसा करें तो छत्तीसगढ़ की तस्वीर विकास के मानदण्डों को छूती दिख रही है, लेकिन इस अनुपात में यह दावा बेमानी है कि समस्या पर अंवुश विकास की धारा से लग रहा है ? क्योंकि इसी दौरान बड़ी संख्या में महिलाओं को नक्सली बनाए जाने के प्रमाण भी मिले हैं। बावजूद कांग्रेस के इन्हीं नक्सली क्षेत्रों से ज्यादा विधायक जीतकर आते रहे हैं। हालांकि नक्सलियों ने कांग्रेस पर 2013 में बड़ा हमला बोलकर लगभग उसका सफाया कर दिया था। कांग्रेस नेता महेन्द्र कर्मा ने नक्सलियों के विरुद्ध सलवा जुडूम को 2005 में खड़ा किया था। सबसे पहले बीजापुर जिले के ही वुर्तु विकासखण्ड के आदिवासी ग्राम अंबेली के लोग नक्सलियों के खिलाफ खड़े होने लगे थे। नतीजतन नक्सलियों की महेन्द्र कर्मा से दुषमनी ठन गई। इस हमले में महेंद्र कर्मा के साथ पूर्व वेंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ल, कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष नंदवुमार पटेल और हरिप्रसाद समेत एक दर्जन नेता मारे गए थे। लेकिन कांग्रेस ने 2018 के विधानसभा चुनाव में अपनी खोई षक्ति फिर से हासिल कर ली थी, बावजूद नक्सलियों पर पूरी तरह लगाम नहीं लग पाई। 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को अपदस्थ कर भाजपा अब फिर सत्ता में है। उसके बाद से ही नक्सलियों के सफाए का सिलसिला चल रहा है। व्यवस्था बदलने के बहाने 1967 में पश्चिम बंगाल के उत्तरी छोर पर नक्सलवाड़ी ग्राम से यह खूनी आंदोलन शुरू हुआ था। तब इसे नए विचार और राजनीति का वाहक वुछ साम्यवादी नेता, समाजशास्त्री, अर्थषास्त्री और मानवाधिकारवादियों ने माना था। लेकिन अंततः माओवादी नक्सलवाद में बदला यह तथाकथित आंदोलन खून से इबारत लिखने का ही पर्याय बना हुआ है। जबकि इसके मूल उद्दश्यों में नौजवानों की बेकारी, बिहार में जाति तथा भूमि के सवाल पर कमजोर व निर्बलों का उत्थान, आंध्रप्रदेश और अविभाजित मध्य-प्रदेश के आदिवासियों का कल्याण तथा राजस्थान के श्रीनाथ मंदिर में आदिवासियों के प्रवेश शामिल थे। कितु विषमता और शोषण से जुड़ी भूमण्डलीय आर्थिक उदारवादी नीतियों को जबरन अमल में लाने की प्रव्रिया ने देश में एक बड़े लाल गलियारे का निर्माण कर दिया था, जो पशुपति, नेपाल से तिरुपति आंध्रप्रदेश तक जाता है। इस पूरे क्षेत्र में माओवादी वाम चरमपंथ पसरा हुआ था। जब किसी भी किस्म का चरमपंथ राष्ट्र-राज्य की परिकल्पना को चुनौती बन जाए तो जरूरी हो जाता है, कि उसे नेस्तनाबूद करने के लिए जो भी कारगर उपाय उचित हों, उनका उपयोग किया जाए? दरसअल माओवादी नक्सलियों का जिस जहरीली विचारधारा से पोषण हुआ है ,वह बंदूक की नोक पर सत्ता पर काबिज होने की व्रूर भावना से संचालित है।

> माओवादी हिसा को सही ठहराकर संवैधानिक लोकतंत्र को मुखर चुनौती देकर नक्सलियों का हिमायती बना हुआ था। यह न केवल उनको वैचारिक खुराक देकर उन्हें उकसाने का काम करता था, बल्कि उनके लिए धन और हथियार जुटाने के माध्यम भी खोलता था। नक्सली माओवाद पर निर्णायक प्रहार छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ के जंगल में सुरक्षा बलों के नक्सल विरोधी अभियान में बड़ी सफलता मिली है। डेढ़ करोड़ के इनामी बसव राजू समेत 27 माओवादियों को सुरक्षा बलों ने मार गिराया है। यह वुख्यात दरिंदा होने के साथ गुरिल्ला लड़ाका था। माओवादी पाटा का इसे पर्याय माना जाता था। इसका नक्सली सफर 1985 से शुरू हुआ था। इसने वारंगल के क्षेत्रीय इंजीनियरिंग कॉलेज में पढ़ाई की थी। इसने रेडिकल स्टूडेंट यूनियन के बैनर तले चुनाव लड़ा और छात्रसंघ का अध्यक्ष बन गया।यह माओवादी संगठन का महासचिव स्तर का नेता था। यह सैन्य बलों की आंतरिक सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा था।

देश | दुनीया से

महिलाओं के सपनों को कैद नहीं किया जा सकता

भारत के सर्वोच्च न्यायालय की हालिया टिप्पणी केवल एक कानूनी अवलोकन नहीं है, बल्कि भारतीय समाज की उस गहरी मानसिकता को चुनौती देने वाला ऐतिहासिक संदेश है जिसमें विवाह के बाद महिला की पहचान को अक्सर उसके पति, परिवार और घरेलू जिम्मेदारियों तक सीमित कर दिया जाता है। अदालत ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि किसी महिला से यह अपेक्षा नहीं की जा सकती कि वह अपने करियर, महत्वाकांक्षाओं और सपनों का त्याग कर केवल "आज्ञाकारी पत्नी" बनकर रहे। यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब भारत की महिलाएं शिक्षा, विज्ञान, राजनीति, प्रशासन, न्यायपालिका, सेना, खेल और व्यापार जैसे हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रही हैं, लेकिन इसके बावजूद समाज का एक बड़ा वर्ग अब भी यह मानता है कि विवाह के बाद महिला की प्राथमिक जिम्मेदारी केवल घर और परिवार तक सीमित हो जानी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह केवल महिलाओं के संवैधानिक अधिकारों की पुनर्पुष्टि नहीं करती, बल्कि आधुनिक भारत में समानता, गरिमा और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की अवधारणा को भी मजबूत करती है। भारतीय समाज लंबे समय तक पितृसत्तात्मक संरचना से संचालित रहा है। इस व्यवस्था में पुरुष को परिवार का निर्णयकर्ता और आर्थिक केंद्र माना गया, जबकि महिला को त्याग, सहनशीलता और समर्पण का प्रतीक बनाकर प्रस्तुत किया गया। बचपन से ही लड़कियों को यह सिखाया जाता रहा कि विवाह ही उनके जीवन का अंतिम लक्ष्य है और विवाह के बाद उन्हें पति तथा परिवार की इच्छाओं के अनुसार स्वयं को ढाल लेना चाहिए। यही कारण है कि आज भी अनेक परिवारों में लड़कियों की शिक्षा को उतनी गंभीरता से नहीं लिया जाता जितनी लड़कों की। यदि कोई महिला अत्यधिक महत्वाकांक्षी हो, करियर को प्राथमिकता दे या अपने जीवन के फैसले स्वयं लेना चाहे, तो उसे कई बार "परिवार विरोधी" या "अत्यधिक आधुनिक" कहकर आलोचना का सामना करना पड़ता है। यह मानसिकता केवल

महिलाओं के अधिकारों का हनन नहीं करती, बल्कि समाज की प्रगति को भी सीमित करती है। विवाह के बाद महिलाओं से करियर छोड़ने या समझौता करने की अपेक्षा भारतीय समाज में सामान्य मानी जाती रही है। यदि पति की नौकरी के कारण शहर बदलना पड़े, तो पत्नी से उम्मीद की जाती है कि वह बिना प्रश्न किए अपना करियर छोड़ दे। यदि परिवार और नौकरी के बीच संतुलन कठिन हो, तो त्याग की जिम्मेदारी अक्सर महिला पर ही डाली जाती है। मातृत्व के बाद महिलाओं पर घरेलू जिम्मेदारियों का इतना अधिक बोझ डाल दिया जाता है कि लाखों महिलाएं अपनी योग्यता और प्रतिभा के बावजूद नौकरी छोड़ने को मजबूर हो जाती हैं। यह स्थिति केवल व्यक्तिगत स्तर पर अन्याय नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय विकास के लिए भी नुकसानदायक है। एक ऐसा देश जो अपनी आधी आबादी की प्रतिभा का पूर्ण उपयोग नहीं कर पाता, वह कभी भी अपनी संपूर्ण क्षमता तक नहीं पहुंच सकता। सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणी भारतीय संविधान की मूल भावना को भी मजबूत करती है। संविधान का अनुच्छेद 14 सभी नागरिकों को समानता का अधिकार देता है। अनुच्छेद 15 लिंग के आधार पर भेदभाव को प्रतिबंधित करता है और अनुच्छेद 21 प्रत्येक व्यक्ति को गरिमा के साथ जीवन जीने का अधिकार प्रदान करता है। किसी महिला से यह अपेक्षा करना कि वह केवल इसलिए अपने सपनों और करियर का त्याग कर दे क्योंकि वह विवाहित है, इन संवैधानिक मूल्यों के विपरीत है। अदालत ने स्पष्ट कर दिया है कि विवाह किसी महिला की स्वतंत्र पहचान समाप्त करने का माध्यम नहीं हो सकता। पत्नी कोई अधीनस्थ व्यक्ति नहीं, बल्कि समान अधिकारों वाली स्वतंत्र नागरिक है। आज भारत की महिलाएं हर क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर रही हैं। अंतरिक्ष से लेकर युद्धक विमान तक, न्यायपालिका से लेकर स्टार्टअप जगत तक, महिलाएं अपनी क्षमता का परिचय दे रही हैं। पीवी सिंधु, मीराबाई चानू, साइना नेहवाल, फाल्गुनी नायर, निर्मला सीतारमण, गीता गोपीनाथ और अनेक अन्य महिलाओं ने यह सिद्ध किया है कि अवसर मिलने पर महिलाएं किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकती हैं। लेकिन विडंबना यह है कि इन उपलब्धियों के बावजूद समाज में महिलाओं की भूमिका को लेकर पारंपरिक सोच पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है। आज भी अनेक शिक्षित परिवारों में यह माना जाता है कि पत्नी की सफलता पति से "अधिक" नहीं होनी चाहिए। कई बार महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता को पुरुष अहंकार के लिए चुनौती के रूप में देखा जाता है। यही कारण है कि कार्यस्थलों पर लैंगिक भेदभाव, वेतन असमानता और मानसिक दबाव जैसी समस्याएं अब भी मौजूद हैं। महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता किसी भी समाज की वास्तविक प्रगति का महत्वपूर्ण आधार है। जब महिलाएं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होती हैं, तब वे अपने निर्णय अधिक स्वतंत्रता और आत्मविश्वास के साथ ले पाती हैं। आर्थिक स्वतंत्रता उन्हें घरेलू हिंसा, मानसिक उत्पीड़न और असमान व्यवहार के खिलाफ आवाज उठाने की शक्ति भी देती है। इसलिए करियर केवल आय अर्जित करने का माध्यम नहीं, बल्कि सम्मान और आत्मनिर्भरता का प्रतीक भी है।

आप का | नजरीया

समग्राता पर विचार की जरूरत

समग्राता पर विचार की जरूरत सुप्रीम कोर्ट ने शराब की दुकानों के लाइसेंस देने में कथित भ्रष्टाचार को तमिलनाडु की शराब खुदरा वंपनी तमिलनाडु राज्य विपणन निगम यानि टीएएसएमएसी के खिलाफ धनशोधन की जांच पर बृहस्पतिवार को रोक लगाते हुए कहा कि प्रावर्तन निदेशालय (ईडी) सारी सीमाएं पार कर रहा है और शासन की संघीय अवधारणा का उल्लंघन कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी सुनने में बहुत सुखद लग रही है कि उसने कम से कम एक एजेंसी के खिलाफ खुलकर बोलने का साहस तो किया। ईडी के बारे में सुप्रीम कोर्ट ने जो भी टिप्पणी की उसका आधार है राज्य सरकार की संस्थाओं के मामले में जांच का आदेश ईडी को नहीं मिल सकता। कारण बताया गया कि यह संघीय ढांचे के खिलाफ है। सच तो यह है कि सुप्रीम कोर्ट यदि चाह ले तो ईडी की मनमानी चल ही नहीं सकती। ईडी के शक्तियों में विस्तार करके जब वेंद्र सरकार ने इसे सर्व शक्तिशाली बनाया तब भी मामला सुप्रीम कोर्ट में गया था किन्तु उस वक्त यदि वुछ प्रावधानों में संशोधन करने का आदेश पारित हो जाता तो शायद यह एजेंसी इतनी अनियंत्रित न होती। सबसे बड़ा सवाल तो यह है कि जिस कार्रवाई को सुप्रीम कोर्ट संघीय शासन के विरुद्ध बता रहा है, वह तमिलनाडु हाईकोर्ट की नजर में क्यों नहीं आया जिसने गत माह 23 अप्रैल को ही ईडी को अपनी कार्रवाई आगे बढ़ाने की अनुमति दी। हाईकोर्ट में तमिलनाडु सरकार और टीएएसएमएसी दोनों ने ही ईडी की कार्रवाई को गलत बताते हुए अपील की थी कि एजेंसी को कार्रवाई करने से रोका जाए। लेकिन हाईकोर्ट ने एक हजार करोड़ के भ्रष्टाचार से जुड़े मामले की गंभीरता का हवाला देते हुए ईडी की कार्रवाई के खिलाफ आपत्तियों को खारिज कर दिया था। इसके बाद ही यह मामला सुप्रीम कोर्ट के सामने आया और उसने ईडी की कार्रवाई को संविधान की भावनाओं के विरुद्ध बताते हुए स्थगत आदेश दे दिया। सवाल यह नहीं है कि सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी क्या की या आदेश क्या दिया? सवाल यह है कि वेंद्र-राज्यों के संबंधों के बारे में जस्टिस सरकारिया कमीशन की रिपोर्ट को सुप्रीम कोर्ट के जज अलग-अलग संदर्भो में क्यों लेते हैं? सवाल यह भी है कि वेंद्र-राज्यों के संबंधों के बारे में जस्टिस सरकारिया ने अपनी रिपोर्ट में जो लिखा है क्या वह भारतीय संविधान के उस अनुच्छेद से भिन्न है जिसमें लिखा गया है कि भारतीय गणराज्य संघीय प्रावृति का है? यदि संवैधानिक उपबंधों और सरकारिया कमीशन की रिपोर्ट में विरोधाभास नहीं है तो माननीय चाहे सुप्रीम कोर्ट के हों या फिर हाईकोर्ट के वे एक ही मामले में एक दृष्टिकोण से सहमत क्यों नहीं होते! ईडी के खिलाफ देश के विपक्षी नेताओं ने जब सुप्रीम कोर्ट में शिकायत की थी कि उसकी आव्रामक कार्रवाई लोकतंत्र के विरुद्ध है, उस वक्त सुप्रीम कोर्ट ने टकासा जवाब देते हुए याचिकाकर्ताओं से कहा था कि वह तो प्रात्येक केस से संबंधित आपत्तियों को सुनेगा। मतलब व्यक्तिगत रूप से आपके खिलाफ यदि कोई मामला हो तो आइए, सुनेंगे किन्तु ईडी की कार्रवाई की प्रावृत्ति के समग्राता पर विचार नहीं करेंगे। वह एक अवसर था जिसे सुप्रीम कोर्ट ने खो दिया। शीर्षस्थ कोर्ट में राजनेता इसलिए अपनी अर्जा लेकर गए थे ताकि वह ईडी की कार्यशैली में लचीलापन, तार्विकता, मानवीय आयाम जोड़कर इसको प्राभावी एवं न्याय संगत जांच एजेंसी का आकार दे दें। किन्तु सुप्रीम कोर्ट ने विपक्ष की अर्जा को रद्दी की टोकरी में पेंक दिया।

> सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी सुनने में बहुत सुखद लग रही है कि उसने कम से कम एक एजेंसी के खिलाफ खुलकर बोलने का साहस तो किया। ईडी के बारे में सुप्रीम कोर्ट ने जो भी टिप्पणी की उसका आधार है राज्य सरकार की संस्थाओं के मामले में जांच का आदेश ईडी को नहीं मिल सकता। कारण बताया गया कि यह संघीय ढांचे के खिलाफ है। सच तो यह है कि सुप्रीम कोर्ट यदि चाह ले तो ईडी की मनमानी चल ही नहीं सकती। ईडी के शक्तियों में विस्तार करके जब वेंद्र सरकार ने इसे सर्व शक्तिशाली बनाया तब भी मामला सुप्रीम कोर्ट में गया था किन्तु उस वक्त यदि वुछ प्रावधानों में संशोधन करने का आदेश पारित हो जाता तो शायद यह एजेंसी इतनी अनियंत्रित न होती। सबसे बड़ा सवाल तो यह है कि जिस कार्रवाई को सुप्रीम कोर्ट संघीय शासन के विरुद्ध बता रहा है, वह तमिलनाडु हाईकोर्ट की नजर में क्यों नहीं आया जिसने गत माह 23 अप्रैल को ही ईडी को अपनी कार्रवाई आगे बढ़ाने की अनुमति दी। हाईकोर्ट में तमिलनाडु सरकार और टीएएसएमएसी दोनों ने ही ईडी की कार्रवाई को गलत बताते हुए अपील की थी कि एजेंसी को कार्रवाई करने से रोका जाए। लेकिन हाईकोर्ट ने एक हजार करोड़ के भ्रष्टाचार से जुड़े मामले की गंभीरता का हवाला देते हुए ईडी की कार्रवाई के खिलाफ आपत्तियों को खारिज कर दिया था। इसके बाद ही यह मामला सुप्रीम कोर्ट के सामने आया और उसने ईडी की कार्रवाई को संविधान की भावनाओं के विरुद्ध बताते हुए स्थगत आदेश दे दिया। सवाल यह नहीं है कि सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी क्या की या आदेश क्या दिया? सवाल यह है कि वेंद्र-राज्यों के संबंधों के बारे में जस्टिस सरकारिया कमीशन की रिपोर्ट को सुप्रीम कोर्ट के जज अलग-अलग संदर्भो में क्यों लेते हैं? सवाल यह भी है कि वेंद्र-राज्यों के संबंधों के बारे में जस्टिस सरकारिया ने अपनी रिपोर्ट में जो लिखा है क्या वह भारतीय संविधान के उस अनुच्छेद से भिन्न है जिसमें लिखा गया है।

कुछ | अलग

गुस्से की आवाज़ और जूते का लॉजिक

हरियाणवी पूछता है—मन्नै आंख दिखावै? हिंदी भाषी कहेंगे आप मुझे क्यों घूर रहे हो? इतनी लंबी लाइन बोलते-बोलते तो हमारा गुस्सा ही ठंडा हो जाए! हरियाणवी का गुस्से में जवाब होगा—मेरा जूता दिखै है ना। और सामने वाला समझ जाता है कि अब इतिहास लिखा जाएगा। हमारी बोली का गुस्सा क्यों खास है क्योंकि हमारे यहां गुस्सा भी देसी है। वो मिट्टी से जुड़ा है। वो जूते से शुरू होकर चप्पल तक जाता है और फिर मां के 'एक झापड़ पड़ैगा' पर आकर स्थिर हो जाता है। ब्रांडेड जूते इतने महंगे हो गये हैं कि दादाजी को पूछना पड़ता है- छोरे! प्लॉट ले रह्या है अक जूते? दार्शनिकों को तो यह भी कहना है कि चप्पल से बड़ा कोई कप्पल नहीं, एक खो जाये तो दूसरे का अस्तित्व ही खो जाता है। बड़े-बूढ़ों का कहना है कि जूता भी बादाम की तरह होता है, जितना खाओगे उतना ही दिमाग तेज होगा। एक बात माननी पड़ेगी कि इंटरव्यू वाले दिन लड़के जूते ऐसे चमकाते हैं माने जूता ही इंटरव्यू देने जा रहा हो। ताऊ नया जूती पहन कर चौपाल में गया तो एक ने कह दिया- वाह ताऊ आज तो नयी जूती गाड़ के आ रह्या है। ताऊ बोल्या- के होग्या फेर, पैर तो पुराने हैं। हमारे यहां जूता सिर्फ फुटवियर नहीं बल्कि एक विचारधारा है। भारतीय संस्कृति में जूता सिर्फ पहना नहीं जाता, जरूरत पड़ने पर दिखाया भी जाता है। तभी तो हमारे गुस्से की आवाज पहले आती है और लॉजिक बाद में। जूता छिपाई की रस्म शादियों में तो सालियां करती हैं पर मंदिरों में जूता-चुराई की रस्म कौन साले करते हैं, आज तक नहीं पता चला। जूता चप्पल, झाड़ू, बेलन ये सब गुस्से के हथियार हैं।

दृष्टि | कोण

मूक जीवों के लिए करुणा का संकल्पः यह हमारी सनातन भारतीय संस्कृति का अहम हिस्सा

पूरी दुनिया में ग्लोबल वार्मिंग लगातार बढ़ती चली जा रही है और यह चिंताजनक बात है कि अप्रैल-मई 2026 में दुनिया के सबसे गर्म 100 शहरों में 90 से अधिक भारतीय शहर शामिल रहे। वास्तव में, इस समय भारत के कई शहर अपने अत्यधिक तापमान और हीटवेव के कारण चर्चा में हैं। खासकर उत्तर भारत, राजस्थान, विदर्भ (महाराष्ट्र), दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश और ओडिशा के शहरों में तापमान 44° सेल्सियस से 47° सेल्सियसतक पहुंच चुका है। देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली लगातार हीटवेव और रिकॉर्ड गर्म रातों के कारण चर्चा में है। ब्रहमपुरी हाल में 47.2° सेल्सियस के साथ देश का सबसे गर्म शहर दर्ज हुआ। विदर्भ क्षेत्र शहर क्रमशः वर्धा, अमरावती और नागपुर 45-47° सेल्सियस तापमान के कारण सुर्खियों में रहे। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज, वाराणसी और बंदा, राजस्थान का श्रीगंगानगर, पूर्वी भारत में झारसुगुड़ा और तालचेर तथा पहाड़ी क्षेत्र होने के बावजूद देहरादून 40° सेल्सियस पार तापमान दर्ज होने से चर्चा में रहा। ऐसे समय में हमें यह चाहिए कि हम पशु-पक्षियों का भी समुचित ध्यान रखें। कहना ग़लत नहीं होगा कि भीषण गर्मी केवल मनुष्यों के लिए ही नहीं, बल्कि पशु-पक्षियों के लिए भी अत्यंत कष्टदायक होती है। तेज धूप, सूखते जलस्रोत और बढ़ता तापमान उनके जीवन के लिए बड़ा संकट बन जाते हैं। ऐसे समय में यदि घरों की छतों, आंगनों, पेड़ों के नीचे या सार्वजनिक स्थानों पर पानी से भरे पात्र और दाना रखा जाए, तो यह जीवों के लिए जीवनदान साबित हो सकता है। छोटी-सी पहल से अनेक पक्षियों की प्यास बुझ सकती है और बेसहारा पशुओं को राहत मिल सकती है।भारत संबंधित उत्पाद पाठक जानते हैं कि हमारी सनातन भारतीय संस्कृति में भी जीवों पर दया और सेवा को पुण्य माना गया है। गौ, कुत्ते, कबूतर, गौरैया और अन्य पक्षियों को भोजन-पानी देना केवल संवेदनशीलता नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारा दायित्व भी है। गर्मियों में मिट्टी के बर्तन में(सकोरों में) स्वच्छ पानी रखना, नियमित रूप से

उसे बदलना और अनाज के कुछ दाने डालना पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक सुंदर प्रयास है। आज शहरीकरण और पेड़ों की कमी के कारण पक्षियों के प्राकृतिक आश्रय और जलस्रोत लगातार घट रहे हैं। ऐसे में समाज के प्रत्येक व्यक्ति को आगे आकर 'परिंडा अभियान' जैसे प्रयासों से जुड़ना चाहिए। यदि हर घर एक पात्र पानी का रख दे, तो अनगिनत पशु-पक्षियों का जीवन बचाया जा सकता है। मानवता का सच्चा अर्थ केवल मनुष्यों की सेवा नहीं, बल्कि हर जीव के प्रति करुणा रखना है। प्राचीन भारतीय संस्कृति में पशु-पक्षियों के प्रति दया, करुणा और संरक्षण की भावना जीवन का अभिन्न अंग थी। उस समय लोग केवल मनुष्यों के लिए ही नहीं, बल्कि गाय, कुत्ते, पक्षियों, चींटियों और अन्य जीवों के लिए भी भोजन और पानी की व्यवस्था करते थे। गांवों में घरों के बाहर मिट्टी या पत्थर के बड़े पात्रों में पानी भरा जाता था, जिन्हें 'परिंडा' या 'चरखी' कहा जाता था। पेड़ों पर मिट्टी के सकोरे लटकाए जाते थे ताकि चिड़ियां और अन्य पक्षी अपनी प्यास बुझा सकें इतना ही नहीं, प्राचीन काल में राजाओं और धनाढ्य लोगों द्वारा मार्गों के किनारे कुएं, बावड़ियां, तालाब और प्याऊ बनवाए जाते थे, जिनसे मनुष्यों के साथ-साथ पशुओं को भी पानी मिल सके। कई स्थानों पर गौशालाओं और मंदिरों में प्रतिदिन पशुओं के लिए चारा तथा पक्षियों के लिए दाना डाला जाता था। भारतीय धर्मग्रंथों में भी जीवों को अन्न-जल देना महान पुण्य माना गया है। सनातन परंपरा में 'जीव दया' को धर्म का महत्वपूर्ण भाग माना गया। लोग सुबह भोजन बनाने के बाद पहली रोटी गाय के लिए, अंतिम रोटी कुत्ते के लिए और कुछ अन्न पक्षियों के लिए निकालते थे। जैन और बौद्ध परंपराओं में भी जीवों की रक्षा और उन्हें भोजन-पानी देने पर विशेष बल दिया गया है। यही कारण था कि उस समय प्रकृति और जीव-जंतुओं के साथ मनुष्य का गहरा सामंजस्य दिखाई देता था। आज आधुनिकता और शहरीकरण के कारण ये परंपराएं धीरे-धीरे कम होती जा रही हैं, जबकि बढ़ती गर्मी और घटते जलस्रोतों के बीच पशु-पक्षियों को पहले से अधिक सहारे की आवश्यकता है। ऐसे में प्राचीन भारतीय परंपराओं से प्रेरणा लेकर हमें फिर से जल-पात्र, दाना-पानी और जीवों के संरक्षण की संस्कृति को अपनाना चाहिए। हमारे थोड़े से और छोटे छोटे प्रयासों से जीव-जंतुओं की रक्षा हो सकती है।

राजस्थान की धरती में छिपा *स्ट्रेटेजिक खजाना*, बालोतरा का सिवाना रिंग कांप्लेक्स बनेगा देश की ताकत

जयपुर (हिंस)। पश्चिमी राजस्थान का बालोतरा जिला अब केवल रिफाइनरी परियोजना के लिए ही नहीं, बल्कि देश की सामरिक और तकनीकी शक्ति के नए केंद्र के रूप में भी उभरने जा रहा है। जिले के सिवाना रिंग कॉम्प्लेक्स में दुर्लभ खनिजों का विशाल भंडार मिलने से भारत को रक्षा, परमाणु ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन और हाईटेक इंडस्ट्री में आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ी मजबूती मिलने की उम्मीद जगी है। हाल ही में केंद्रीय खान मंत्रालय की टेक्निकल कम कॉस्ट कमेटी की संयुक्त बैठक में सिवाना रिंग कांप्लेक्स में मौजूद रेयर अर्थ एलिमेंट्स (आरईई), हैवी रेयर अर्थ एलिमेंट्स (एचआरईई) और क्रिटिकल रेयर मेटल्स के बड़े भंडार को चिन्हित किया गया। इन खनिजों के तकनीकी मूल्यांकन के लिए, कॉम्प्लेक्स के तीन ब्लॉक्स का कार्य अलग-अलग कंपनियों को आवंटित कर दिया गया है। बालोतरा जिले का सिवाना रिंग कॉम्प्लेक्स एक विशाल ज्वालामुखीय संरचना है, जो करीब 750 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है। भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण में यहां नियोबियम, जिरकोनियम और हाफनियम जैसे बहुमूल्य रेयर अर्थ एलिमेंट्स मिलने की पुष्टि हुई है। ये खनिज दुनिया की सबसे आधुनिक और संवेदनशील तकनीकों में उपयोग किए जाते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार इन तत्वों का उपयोग एयरोस्पेस इंजनों के लिए सुपरअलॉय मटेरियल बनाने, चिकित्सा उपकरणों तथा वैज्ञानिक अनुसंधान में काम आने वाले सुपरकंडक्टिंग मैग्नेट तैयार करने में किया जाता है। सिवाना में मिले दुर्लभ खनिजों का उपयोग परमाणु रिएक्टर, मिसाइल तकनीक, रोबोटिक्स, इलेक्ट्रिक कार, माइक्रो-इलेक्ट्रॉनिक्स और रासायनिक प्रसंस्करण जैसे क्षेत्रों में होगा। ये खनिज आधुनिक बैटरियों, चिप निर्माण और उन्नत रक्षा प्रणालियों के लिए बेहद महत्वपूर्ण माने जाते हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि इन खनिजों की उपलब्धता भारत को वैश्विक सप्लाई चेन में मजबूत स्थिति दिला सकती है। अभी दुनिया में रेयर अर्थ एलिमेंट्स का बड़ा हिस्सा सीमित देशों के नियंत्रण में है। ऐसे में राजस्थान में इन खनिजों की खोज भारत की रणनीतिक ताकत को नई ऊंचाई दे सकती है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सिवाना रिंग कांप्लेक्स को राज्य और देश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण परियोजना बताते हुए अधिकारियों को इसके प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में रेयर अर्थ एलिमेंट्स और हेवी रेयर अर्थ एलिमेंट्स की उपलब्धता राजस्थान को नई औद्योगिक पहचान दिला सकती है। मुख्यमंत्री ने परियोजना के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त करने तथा खान विभाग एवं संबंधित जिला प्रशासन को केंद्र सरकार के अधिकारियों के साथ समन्वय बढ़ाने के निर्देश भी दिए हैं, ताकि सर्वेक्षण और विकास कार्यों में तेजी लाई जा सके। राज्य सरकार दुर्लभ खनिजों के अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए *रेयर अर्थ एक्सीलेंस सेंटर* की स्थापना भी करने जा रही है। यह केंद्र रणनीतिक खनिजों पर रिसर्च, नई तकनीकों के विकास और औद्योगिक उपयोग की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसके लिए राजस्थान सरकार भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, एटॉमिक मिनरल्स डायरेक्टरेट फॉर एक्सप्लोरेशन एंड रिसर्च, आईआईटी हैदराबाद और आईआईटी आईएसएम धनबाद जैसी संस्थाओं के साथ मिलकर कार्य कर रही है। केंद्र सरकार ने स्वच्छ ऊर्जा और उन्नत तकनीकों को बढ़ावा देने के लिए नेशनल क्रिटिकल मिनरल मिशन (एनसीएमएम) शुरू किया है। इस मिशन का उद्देश्य ऊर्जा सुरक्षा, औद्योगिक विकास और तकनीकी आत्मनिर्भरता को मजबूत करना है। इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए जरूरी लिथियम और रक्षा क्षेत्र के लिए आवश्यक दुर्लभ खनिजों की खोज इस मिशन का प्रमुख हिस्सा है। विशेषज्ञों का मानना है कि बालोतरा का सिवाना रिंग कॉम्प्लेक्स आने वाले समय में भारत को हरित ऊर्जा, हाईटेक मैन्युफैक्चरिंग और रक्षा तकनीक के क्षेत्र में वैश्विक शक्ति बनाने में अहम भूमिका निभा सकता है।

हरा गमछा हो या नीला गमछा, इस तरह की बातें मुख्यमंत्री के पद पर बैठे व्यक्ति को शोभा नहीं देतीं : तेजस्वी यादव

पटना (हिंस)। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने रविवार को यहां पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री के हालिया बयान पर तंज कसते हुए कहा कि *हरा गमछा हो या नीला गमछा*, इस तरह की बातें मुख्यमंत्री के पद पर बैठे व्यक्ति को शोभा नहीं देतीं। तेजस्वी यादव ने कहा कि इस तरह के बयान सरकार की मानसिकता को दर्शाते हैं और यह दिखाता है कि सत्ता में बैठे लोगों के अंदर कितनी नफरत भरी हुई है। तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में लोगों को जाति, रंग और पहचान के आधार पर बांटने की कोशिश की जा रही है। लेकिन बिहार की जनता अब सब समझ चुकी है और आने वाले समय में इसका जवाब देगी। राज्य की जनता विकास, रोजगार और महंगाई जैसे मुद्दों पर जवाब चाहती है, लेकिन सरकार असली मुद्दों से ध्यान भटकाने में लगी हुई है। तेजस्वी यादव ने दावा किया कि बिहार में बेरोजगारी और महंगाई लगातार बढ़ रही है। युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा है और गरीब परिवार आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। इसके बावजूद सरकार केवल बयानबाजी और राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप में व्यस्त है। महिलाओं को आर्थिक सहायता, वृद्धों को पेंशन और युवाओं को नौकरी देने जैसे वादे अब अधूरे दिखाई दे रहे हैं। बिहार सरकार के पास पैसा नहीं बचा है। जनता से किए गए वादों को पूरा करने में सरकार पूरी तरह विफल साबित हो रही है। तेजस्वी यादव ने कहा कि उन्होंने पहले भी सरकार से सवाल पूछा था कि महिलाओं को दूसरी किस्त कब दी जाएगी, पेंशन की राशि कब मिलेगी और आम जनता को राहत देने के लिए क्या कदम उठाए जाएंगे। लेकिन सरकार इन मुद्दों पर जवाब देने के बजाय जनता को गुमराह करने में लगी हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार लगातार बिजली दरों में बढ़ोतरी कर रही है, जिससे आम लोगों पर आर्थिक बोझ बढ़ता जा रहा है। चुनाव के दौरान जनता से बड़े-बड़े वादे किए गए थे, लेकिन अब सरकार उन वादों से पीछे हटती नजर आ रही है।

अमृतसर में गुरुद्वारा के निर्माणाधीन लंगर हॉल की लोहे की प्लेटें गिरीं, 2 महिलाओं की मौत

अमृतसर (हिंस)। गुरुद्वारा शहीद गंज बाबा दीप सिंह जी में रविवार को बड़ा हादसा हो गया। निर्माणाधीन लंगर हॉल की छत की लोहे की प्लेटें अचानक टूटकर नीचे गिर गईं, जिसकी चपेट में लंगर सेवा कर रही कई महिलाएं आ गईं। हादसे में 2 महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 5 महिलाएं गंभीर रूप से घायल बताई जा रही हैं। घायलों को इलाज के लिए श्री गुरु रामदास अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गुरु रामदास चेरिटेबल अस्पताल में जायजा लेने पहुंचीं अमृतसर की एसपी अमनदीप कौर ने बताया कि सबका ट्रीटमेंट चल रहा है। जितनी भी लेडीज जख्मी हुई हैं, उनका इलाज किया जा रहा है। अंदर सभी डॉक्टर मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि बहुत से लोग घायल महिलाओं के साथ अस्पताल के अंदर चले गए थे। इससे ट्रीटमेंट करने में दिक्कत आ रही थी। सब लोगों को बाहर निकाल दिया गया है। मैं खुद देखकर आई हूं। डॉक्टर चोटिलों की मरहम-पट्टी कर रहे हैं। डिविजन नंबर 1 के सिविल डिफेंस इंचार्ज ने बताया कि बाबा भूरी वालों के यहां लंगर चल रहा था। इसी दौरान छत गिर गई। इसके मलबे के नीचे दबने से 2 महिलाओं की मौत हो गई और बाकी घायलों को संगत के सहयोग से सिविल अस्पताल पहुंचाया गया है।

रोमानिया में भारत का दमदार प्रदर्शन, सोनीपत के सागर बने बेस्ट फाइटर

सोनीपत (हिंस)। यूरोप के देश रोमानिया में 22 से 24 मई 2026 तक आयोजित आठवीं वर्ल्ड क्वानकीडो इंटरनेशनल प्रतियोगिता में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए देश का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में भारत की 10 सदस्यीय टीम ने भाग लिया, जिसमें हरियाणा के समालखा स्थित यामिन इंटरनेशनल स्पोर्ट्स अकादमी के खिलाड़ी सागर ने कांस्य पदक जीतकर विशेष उपलब्धि हासिल की। इनको बेस्ट फाइटर चुना गया। टीम इवेंट मुकाबलों में भारत का पहला मुकाबला इटली से हुआ, जिसमें भारतीय टीम ने शानदार जीत दर्ज की। इसके बाद फ्रांस के खिलाफ हुए मुकाबले में सागर ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए फ्रांस के खिलाड़ी को नॉकआउट कर दिया। पूरे टूर्नामेंट में यह एकमात्र नॉकआउट रहा, जिसके चलते सागर को प्रतियोगिता का बेस्ट फाइटर चुना गया। ग्रुप अंक प्रणाली के आधार पर भारत को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ।

बिहार में निवेशकों को मिलेगा भरोसा और सुरक्षा, उद्योग नीति में जरूरत पड़ने पर होगा और सुधार : सम्राट चौधरी

पटना (हिंस)। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने रविवार को बिहार चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के शताब्दी वर्ष पर आयोजित *व्यवसायिक समागम* कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए राज्य में निवेश और औद्योगिक विकास को लेकर सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि बिहार में उद्योग स्थापित करने के लिए निवेशकों को भरोसा और सुरक्षा देना सरकार की प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन पैकेज-2025 में आवश्यक संशोधन किए गए हैं और जरूरत पड़ने पर आगे भी बदलाव किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार चाहती है कि बिहार में अधिक से अधिक निवेश हो और नए उद्योग स्थापित हों। इसमें बिहार चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि निवेशकों को किसी प्रकार की कठिनाई नहीं होने दी जाएगी और सरकार हर संभव सुविधा उपलब्ध कराएगी। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में निवेशक बिहार की ओर आकर्षित हो रहे हैं और राज्य में निवेश की संभावनाएं लगातार बढ़ रही हैं। सम्राट चौधरी ने कहा कि हाल ही में आयोजित बिहार एआई समिट में भी उद्योगों के विस्तार को लेकर कई सुझाव मिले थे। उन्होंने बताया कि बिहार ने देश की शीर्ष 10 उद्योग नीतियों में जगह बनाई है, लेकिन अपेक्षित स्तर पर निवेश और उद्योग स्थापना अब तक नहीं हो सकी है। सरकार अब निवेशकों का भरोसा मजबूत करने और सुरक्षा व्यवस्था को और प्रभावी बनाने पर विशेष ध्यान दे रही है। कानून-व्यवस्था पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में अपराध करने वालों के खिलाफ 24 घंटे के भीतर कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि अपराध का कोई जाति या धर्म नहीं होता और अपराधी सबसे पहले अपने ही समाज के लोगों को नुकसान पहुंचाता है। मुख्यमंत्री ने उद्योग जगत से जुड़े लोगों को आश्वस्त किया कि उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी सरकार की है। इसके लिए प्रत्येक तीन महीने पर जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक के साथ बैठक कर समस्याओं और सुरक्षा संबंधी मुद्दों की समीक्षा की जाएगी। उन्होंने कहा कि औद्योगिक नीति (इंडस्ट्री पॉलिसी) में जरूरत के अनुसार सुधार किए जाएंगे। पाटलिपुत्र औद्योगिक क्षेत्र समेत पुराने शहरों में उपलब्ध जमीन का उपयोग सर्विस सेक्टर, आईटी सेक्टर और होटल उद्योग जैसे नए व्यवसायों के लिए भी किया जा सकेगा। मुख्यमंत्री ने बिहार के ऐतिहासिक महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि यही धरती देश को स्वर्णिम काल देने वाली रही है और पाटलिपुत्र से करीब 200 वर्षों तक शासन किया गया था। एमएसएमई सेक्टर को राज्य की समृद्धि का आधार बताते हुए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार को विकसित बनाने के लिए छोटे और मध्यम उद्योगों को बढ़ावा देना जरूरी है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने वर्ष 2024 से भूमि अधिग्रहण और नई टाउनशिप नीति पर काम शुरू किया है। अब तक 14 हजार एकड़ जमीन अधिग्रहित की जा चुकी है, जबकि साढ़े छह लाख एकड़ क्षेत्र में नई ग्रीनफील्ड सैटेलाइट टाउनशिप विकसित करने की योजना है, जिस पर लगभग छह लाख करोड़ रुपए का निवेश प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भूमि अधिग्रहण में प्रभावित लोगों के हितों का पूरा ध्यान रखा जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में जमीन के बदले चार गुना और शहरी क्षेत्रों में दोगुना मुआवजा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिन परिवारों को विशेष परिस्थितियों, जैसे बेटी की शादी या अन्य संकटों का सामना करना पड़ रहा हो, वे जिलाधिकारी को आवेदन देकर सहायता प्राप्त कर सकते हैं। सम्राट चौधरी ने बंद पड़ी चीनी मिलों को फिर से शुरू करने की दिशा में भी सरकार के प्रयासों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इन मिलों को को-ऑपरेटिव सेक्टर से जोड़ने की योजना बनाई जा रही है। मुख्यमंत्री ने बिहार को 14 करोड़ लोगों का बड़ा बाजार बताते हुए कहा कि राज्य में सुशासन और बेहतर प्रशासन के जरिए ही समृद्धि लाई जा सकती है। उन्होंने बताया कि आम लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रखंड, थाना और अंचल स्तर पर सहयोग शिविर शुरू किए गए हैं। इसके साथ ही *सहयोग पोर्टल* और हेल्पलाइन नंबर 1100 भी जारी किया गया है, जिसकी निगरानी सीधे मुख्यमंत्री कार्यालय से की जाएगी। यदि किसी आवेदन का निपटारा 30 दिनों के भीतर नहीं होता है तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ स्वतः निलंबन की कार्रवाई की जाएगी।

विदेशी नागरिकों की सूचना छिपाई तो होगी कानूनी कार्रवाई : डीएम-एसपी

सीवान (हिंस)। जिले में विदेशी नागरिकों के ठहराव और गतिविधियों पर निगरानी को लेकर प्रशासन ने अब सख्त तेवर अपना लिया है। रविवार को समाहरणालय सभागार में जिलाधिकारी विवेक रंजन मैत्रेय एवं पुलिस अधीक्षक पुरन कुमार झा ने होटल, धर्मशाला और गेस्ट हाउस संचालकों के साथ बैठक कर साफ शब्दों में चेतावनी दी कि विदेशी नागरिकों की सूचना छिपाने या ऑनलाइन पंजीकरण में लापरवाही करने वालों पर सीधे कानूनी कार्रवाई होगी। बैठक में अधिकारियों ने कहा कि जिले में आने वाले हर विदेशी नागरिक की सूचना समेकित वीजा एवं विदेशी पंजीकरण ट्रैकिंग प्रणाली के तहत अनिवार्य रूप से ऑनलाइन देनी होगी। होटल एवं गेस्ट हाउस संचालकों को निर्देश दिया गया कि विदेशी मेहमानों के आगमन की जानकारी तत्काल सी-फॉर्म के माध्यम से अपलोड करें। वहीं शिक्षण संस्थानों को विदेशी छात्रों से संबंधित एस-फॉर्म ऑनलाइन जमा करना होगा।

कपूरथला जेल में भिड़े कैदी, पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़कर स्थिति संभाली

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के कपूरथला की केंद्रीय जेल में बैरक बदलने को लेकर शुरू हुआ विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। शनिवार की देर रात यहां कैदियों के दो गुटों में शुरू हुई झड़प रातभर चलती रही। कुछ घंटे तक कैदियों ने पूरी जेल को अपने कब्जे में रखा और भीतर से वीडियो जारी कर रहे। झगड़े के दौरान जेल में दहशत फैलाने के लिए कई स्थानों पर आग भी लगाई गई। रविवार अल सुबह तक सभी कैदियों को बैरकों में बंद करके स्थिति को नियंत्रित किया गया। जालंधर रेंज के डीआईजी नवीन सिंगला ने कहा कि कपूरथला जेल की बैरक नंबर चार में बीती रात कैदियों के बीच झगड़ा शुरू हुआ। करीब 100 से 150 कैदी अपनी बैरकों से बाहर आ गए। उन्होंने हंगामा किया और बैरक नंबर 4 में आग लगा दी। यह झगड़ा इतना बढ़ा कि कैदियों ने वहां तैनात सुरक्षा कर्मियों को खदेड़ दिया और एक-दूसरे पर पथराव शुरू कर दिया। कुछ कैदियों ने जेल में पड़े कचरे के ढेरों को आग लगानी शुरू कर दी। कुछ कैदी मशाल लेकर जेल की छत पर चढ़ गए और वीडियो बनाकर वायरल करने लगे। यहां की बैरक नंबर चार को भी आग के हवाले कर दिया गया। डीआईजी सिंगला ने कहा कि जेल प्रबंधन से सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने कैदियों को तितर-बितर करने के लिए हवाई फायरिंग भी की। काफी मशक्कत के बाद स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया। फिलहाल जेल परिसर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। कैदियों को वापस उनकी बैरकों में भेजने के लिए, पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े गए। अब स्थिति काबू में है। इस घटना के बाद कपूरथला की एसडीएम इरविन कौर तथा एसएसपी भी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। एक कैदी को आंसू गैस का गोला लगने से चोट आई है और उसे सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने कहा कि जेल का कोई भी कैदी भाग नहीं पाया है और वे सभी जेल के अंदर ही हैं।

भीलवाड़ा को मिलेगी एयर-रेल कनेक्टिविटी और मेगा टेक्सटाइल पार्क की सौगात

भीलवाड़ा (हिंस)। राजस्थान की वस्त्र नगरी के रूप में पहचान रखने वाले भीलवाड़ा को एयर एवं रेल कनेक्टिविटी के क्षेत्र में नई सौगात मिलने की उम्मीद जगी है। केंद्रीय कानून एवं न्याय तथा संसदीय कार्य मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने कहा कि भीलवाड़ा देश की अग्रणी टेक्सटाइल नगरी है और यहां के उद्योगपतियों की मेहनत तथा उद्यमशीलता ने इसे राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट पहचान दिलाई है। केंद्रीय मंत्री रविवार को भीलवाड़ा टेक्सटाइल ट्रेड फेडरेशन द्वारा रीको ग्रोथ सेंटर स्थित फेडरेशन भवन में आयोजित अभिनंदन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भीलवाड़ा के विकास में एयर एवं रेल कनेक्टिविटी की कमी एक बड़ी बाधा रही है। केंद्र सरकार इन दोनों क्षेत्रों में आवश्यक सुविधाओं के विकास के लिए हरसंभव प्रयास करेगी। मेघवाल ने कहा कि उद्योग, व्यापार और निर्यात को गति देने के लिए आधुनिक आधारभूत सुविधाओं का विकास आवश्यक है। उन्होंने बताया कि सांसद दामोदर अग्रवाल उन्हें हमीरगढ़ हवाई पट्टी लेकर गए, जहां वर्तमान व्यवस्थाओं का अवलोकन किया गया। उन्होंने भरोसा दिलाया कि भीलवाड़ा को बेहतर एयर कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने और रेल नेटवर्क को मजबूत करने के लिए जरूरी कदम उठाए जाएंगे। केंद्रीय मंत्री ने टेक्सटाइल उद्योग से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा करते हुए कहा कि उद्योग जगत को वित्त मंत्रालय, निर्यात, प्रोसेसिंग अथवा अन्य मंत्रालयों से जुड़े मामलों में केंद्र सरकार तक अपनी बात पहुंचाने के लिए हरसंभव सहयोग दिया जाएगा। उन्होंने पूर्व में आयोजित टीयूएफएस शिविर का उल्लेख करते हुए कहा कि आवश्यकता पड़ने पर ऐसे शिविर पुनः लगाए जाएंगे। मेघवाल ने कहा कि राजस्थान में यदि मेगा टेक्सटाइल पार्क स्थापित किया जाता है तो भीलवाड़ा का उस पर पहला अधिकार बनता है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार इस दिशा में सकारात्मक पहल करेगी। उनके अनुसार मेगा टेक्सटाइल पार्क की स्थापना से भीलवाड़ा में औद्योगिक विकास, रोजगार और निवेश को नई गति मिलेगी। भीलवाड़ा सांसद दामोदर अग्रवाल ने कहा कि भीलवाड़ा देश की वस्त्र नगरी के रूप में विख्यात है और यहां का करीब 35 हजार करोड़ रुपए का टर्नओवर तथा हजारों करोड़ रुपए का निर्यात इसकी औद्योगिक क्षमता का प्रमाण है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री से एयर एवं रेल कनेक्टिविटी को प्राथमिकता देने तथा हमीरगढ़ हवाई पट्टी के विकास के लिए सहयोग का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि नियमित एयर सेवा शुरू होने से जिले के उद्योग, व्यापार और निर्यात क्षेत्र को नई दिशा मिलेगी। साथ ही टेक्निकल टेक्सटाइल एवं चैलेंजिंग मोड आधारित मेगा टेक्सटाइल पार्क के लिए भीलवाड़ा को सबसे उपयुक्त बताते हुए केंद्र सरकार से सहयोग मांगा। कार्यक्रम में विधायक अशोक कोठारी फेडरेशन के पदाधिकारी, उद्योगपति एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। अभिनंदन समारोह से पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने हमीरगढ़ हवाई पट्टी का दौरा कर वहां की व्यवस्थाओं एवं एयर कनेक्टिविटी की संभावनाओं का जायजा लिया। इस दौरान जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधु ने हवाई पट्टी की वर्तमान व्यवस्थाओं और संभावित विकास कार्यों की जानकारी दी। वहीं ड्यून्स एविएशन अकादमी के अकाउंटेबल मैनेजर मुकेश माथुर, सीएफआई जितेंद्र चौधरी तथा फ्लाइट इंस्ट्रक्टर कैप्टन पुगा ने प्रशिक्षण गतिविधियों की जानकारी साझा की।

मजीठा में ड्यूटी पर जा रहे एएसआई जोगा सिंह की गोली मारकर हत्या

अमृतसर (हिंस)। अमृतसर के मजीठा इलाके में रविवार सुबह पंजाब पुलिस के एक एएसआई की अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। ट्रैफिक पुलिस में तैनात एएसआई जोगा सिंह की हत्या के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार एएसआई जोगा सिंह सुबह मोटरसाइकिल पर सवार होकर ड्यूटी के लिए अमृतसर जा रहे थे। इसी दौरान गांव हमजा के पास बाइक सवार अज्ञात हमलावरों ने एएसआई को दो गोलियां मारीं, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। थोड़ी ही देर में उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही अमृतसर ग्रामीण पुलिस के एसएसपी सोहेल मीर, डीएसपी कमलमीत सिंह और थाना मजीठा के एसएचओ करमपाल सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे।

गो संरक्षण विशेष : यूके, यूएसए, ऑस्ट्रेलिया समेत 10 से अधिक देशों में बजा यूपी का डंका

लखनऊ (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का *गो संरक्षण से समृद्धि* मॉडल अब जमीन से उठकर ग्लोबल मंच पर अपनी ताकत दिखा रहा है। उत्तर प्रदेश में देशी गायों के सहारे न सिर्फ 10 करोड़ रुपए का सालाना कारोबार खड़ा हुआ है, बल्कि यूके, यूएसए, ऑस्ट्रेलिया समेत 10 से अधिक देशों में *मेड इन यूपी* गो उत्पादों की धूम मच गई है। यह मॉडल सिर्फ गोसेवा तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे एक सशक्त आर्थिक ताकत में बदल दिया गया है। *हेता* के जरिए, 1000 से ज्यादा देशी गायों पर आधारित एथिकल डेयरी सिस्टम खड़ा किया गया है, जिसने देशी नस्लों को बाजार से जोड़कर आत्मनिर्भरता की नई परिभाषा लिख दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इस मॉडल से संरक्षित साहीवाल गाय की आरती और गोपूजन कर चुके हैं। सीएम योगी की प्रेरणा से सिकंदरपुर, गाजियाबाद के असीम रावत ने इस अभियान की शुरुआत की। असीम 14 साल तक लगातार अमेरिका समेत दुनिया के तमाम देशों की दिग्गज सॉफ्टवेयर कंपनियों में इंजीनियर रहे। फिर इन्होंने गो संरक्षण की राह चुनी। आज 100 लोगों की एक स्पेशल टीम के साथ वे इस मिशन को न सिर्फ चला रहे हैं, बल्कि इसे ग्लोबल ब्रांड बना दिया है। हेता का मॉडल देशी गायों के समग्र उपयोग पर आधारित है। यहां दूध से लेकर पंचगव्य, आयुर्वेदिक उत्पाद, ऑर्गेनिक फूड और वेलनेस प्रोडक्ट्स तक करीब 150 प्रकार के प्रोडक्ट तैयार किए जा रहे हैं। ए2 दूध, बिलौना घी, ब्राह्मी घृत, शतधौत घृत, कुकीज, लड्डू, हर्बल चाय, स्किन-हेयर केयर और गोमूत्र अर्क जैसे उत्पाद अंतर्राष्ट्रीय बाजार में तेजी से अपनी जगह बना रहे हैं। पशुपालन विभाग के अपर मुख्य सचिव मुकेश मेश्राम के अनुसार योगी सरकार इस मॉडल को व्यापक बनाने के लिए, बड़े स्तर पर नीतिगत समर्थन भी दे रही है। *ऑपरेशन-4* के तहत स्वदेशी गायों के पालन पर 50 प्रतिशत तक सब्सिडी दी जा रही है। डेयरी मास्टर प्लान के तहत 2 से 25 गायों तक पशु पालकों को लाखों रुपए का अनुदान मिल रहा है। योजना में 15 प्रतिशत स्वयं निवेश, 35 प्रतिशत बैंक ऋण और 50 प्रतिशत सब्सिडी का स्पष्ट फार्मूला लागू किया गया है।

नंद महोत्सव पर नाथद्वारा में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

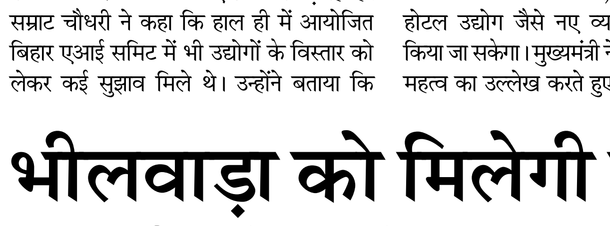

राजसमंद (हिंस)। राजसमंद जिले के नाथद्वारा स्थित वल्लभ संप्रदाय की प्रधान पीठ एवं विश्व प्रसिद्ध श्रीनाथजी मंदिर में रविवार को नंद महोत्सव के अवसर पर श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। अधिक मास यानी पुरुषोत्तम मास के तहत चल रहे विशेष मनोरथ दर्शन के अंतर्गत नंद महोत्सव के विशेष दर्शन आयोजित किए गए, जिनका लाभ लेने के लिए हजारों श्रद्धालु नाथद्वारा पहुंचे। रविवार और ग्रीष्मकालीन अवकाश के चलते मंदिर परिसर एवं नगर में दिनभर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। राजभोग झांकी के बाद सायंकाल सांझी मनोरथ के दर्शन में भी श्रद्धालुओं का रैला उमड़ा। इसके चलते बाजारों में भी जबरदस्त रौनक देखने को मिली। मंदिर में दर्शन व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए जमादार विट्ठल सनाढ्य के नेतृत्व में सेवाकर्मियों ने व्यवस्थाएं संभालीं। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए दोनों दर्शन निर्धारित समय से काफी देर तक खुले रखे गए। दर्शन के लिए पहुंचे कई श्रद्धालु अपने घर के ठाकुरजी को विशेष श्रृंगार कर साथ में लेकर पहुंचे। वहीं एक महिला अपने नन्हे कान्हा को आकर्षक वेशभूषा में सजाकर मंदिर दर्शन कराने पहुंची, जिसने श्रद्धालुओं का ध्यान आकर्षित किया।

फिट इंडिया मूवमेंट के तहत आयोजित किया *संडे ऑन साइकिल* कार्यक्रम

एसएसबी 70वीं वाहिनी कमांडेंट ने दिया फिटनेस का मंत्र

लखीमपुर खीरी (हिंस)। भारत-नेपाल सीमा पर तैनात सशस्त्र सीमा बल की 70वीं बटालियन द्वारा रविवार को *फिट इंडिया मूवमेंट* के अंतर्गत वाहिनी मुख्यालय सहित सभी सीमा चौकियों पर *संडे ऑन साइकिल* और *फिट इंडिया रन* का भव्य आयोजन किया गया। यह विशेष अभियान बटालियन के कमांडेंट राजन कुमार श्रीवास्तव के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ, जिसमें बल के अधिकारियों और जवानों ने पूरे जोश के साथ हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरुआत तड़के कमांडेंट के नेतृत्व में साइकिल रैली और दौड़ के साथ हुई। इस अवसर पर जवानों व स्थानीय नागरिकों को संबोधित करते हुए कमांडेंट राजन कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि एक सशक्त और अनुशासित बल की रीढ़ उसकी शारीरिक और मानसिक दृढ़ता होती है। उन्होंने जोर दिया कि *फिट इंडिया* केवल एक अभियान नहीं, बल्कि हमारी जीवनशैली का हिस्सा होना चाहिए। सीमा पर तैनात जवान पूरी तरह फिट और तनावमुक्त रहकर ही देश की सुरक्षा मुस्तैदी से कर सकता है। इस अभियान के माध्यम से एसएसबी के जवानों ने सीमावर्ती क्षेत्र के स्थानीय युवाओं और ग्रामीणों को भी स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया तथा उन्हें दैनिक जीवन में आधा घंटा व्यायाम करने की शपथ दिलाई।

नई हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक कारें लॉन्च करेगी मारुति सुजुकी और टोयोटा

नई दिल्ली

भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में मारुति सुजुकी और टोयोटा की साझेदारी लगातार मजबूत होती जा रही है। अब साझा प्लेटफॉर्म पर दोनों कंपनियां नई हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक कारें लॉन्च करने की तैयारी में हैं। दोनों कंपनियों का उद्देश्य ग्राहकों को बेहतर माइलेज, आधुनिक तकनीक और प्रीमियम फीचर्स प्रदान करना है। मारुति सुजुकी अपनी लोकप्रिय फ्रॉन्क्स को हाइब्रिड पावरट्रेन के साथ बाजार में उतार सकती है। माना जा रहा है कि यह मॉडल त्योहारी सीजन में लॉन्च होगा और इसका माइलेज लगभग 35 किलोमीटर प्रति लीटर तक हो सकता है, जो इसे अत्यधिक ईंधन कुशल बनाएगा।

इसमें लेवल-2 एडास जैसी आधुनिक सुरक्षा सुविधाएं भी दी जा सकती हैं, जो ड्राइविंग को और सुरक्षित बनाएंगी। टोयोटा भी इसी तकनीक पर आधारित अर्बन क्रूजर टाइजर सीरीज हाइब्रिड लॉन्च करने की तैयारी में है, जिसमें 1.2 लीटर जेड12ई इंजन मिलने की उम्मीद है, जिससे यह भी शानदार माइलेज देगी। दोनों कंपनियां इलेक्ट्रिक वाहन सेगमेंट में भी विस्तार कर रही हैं।

टोयोटा जल्द ही अर्बन क्रूजर ईबेला ईवी लॉन्च कर सकती है, जिसकी रेंज करीब 543 किलोमीटर तक बताई जा रही है, जिससे यह लंबी दूरी की यात्रा के लिए एक व्यवहार्य विकल्प बनेगी।

मारुति सुजुकी अपनी ग्रैंड विटारा का सात सीटर संस्करण भी तैयार कर रही है।

यह एसयूवी 2026 के अंत तक लॉन्च हो सकती है और इसमें 1.5 लीटर पेट्रोल और मजबूत हाइब्रिड इंजन विकल्प मिलने की संभावना है, जिससे यह एक बहुमुखी विकल्प बनेगी। टोयोटा भी अर्बन क्रूजर हाइराइडर का सात सीटर संस्करण विकसित कर रही है, जिसके परीक्षण मॉडल सड़कों पर देखे जा चुके हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

रेलवे को मिलेगी रफ्तार! आईआरएफसी जुटाएगी 2 अरब डालर का विदेशी कर्ज

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी भारतीय रेल वित्त निगम (आईआरएफसी) ने चालू वित्त वर्ष में रेलवे परियोजनाओं के विस्तार के लिए बाह्य वाणिज्यिक उधारी (ईसीबी) के जरिये 2 अरब डालर जुटाने की योजना बनाई है। यह धनराशि मुख्य रूप से जापानी येन में जुटाई जाएगी और कंपनी के 70,000 करोड़ रुपये के संसाधन जुटाने के कार्यक्रम का एक अहम हिस्सा है। आईआरएफसी के एक प्रमुख अधिकारी ने बताया कि कंपनी ने पहले ही बैंकों के एक समूह के साथ 1.1 अरब डालर के बराबर जापानी येन में ईसीबी ऋण जुटाने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर कर दिए है। परियोजनाओं की मजबूत पाइपलाइन को देखते हुए जून तिमाही के भीतर ही धनराशि का वितरण शुरू होने की उम्मीद है। यह ऋण पांच वर्ष की अवधि के लिए लिया गया है और इसका उपयोग रेलवे क्षेत्र से जुड़ी ईसीबी दिशानिर्देशों के तहत अनुपालन वाली अन्य परियोजनाओं के वित्तपोषण में किया जाएगा। रेल मंत्रालय के तहत आने वाली नवरत्न कंपनी आईआरएफसी ने चालू वित्त वर्ष में एक लाख करोड़ रुपये की ऋण स्वीकृति और लगभग 40,000 करोड़ रुपये के ऋण वितरण का लक्ष्य रखा है। दुबे ने उच्च गुणवत्ता वाली अवसंरचना परियोजनाओं की मजबूत पाइपलाइन पर जोर दिया। कंपनी की कुल संपत्ति प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियां (एयूएम) बढ़कर रिकार्ड 4.85 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई है, जबकि इसका नेटवर्थ 56,748 करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर पर है, जो इसकी मजबूत वित्तीय स्थिति को दर्शाता है।

अप्रैल में टाटा पंच का दबदबा, हुंडई वेन्यू ने मारी लंबी छलांग

नई दिल्ली। अप्रैल 2026 में देश के सब-कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में असाधारण बिक्री दर्ज की गई, जिसमें टाटा मोटर्स की पंच ने एक बार फिर सबसे ज्यादा बिक्री के साथ अपनी बादशाहत कायम रखी। वहीं, हुंडई वेन्यू ने पिछले साल की तुलना में सबसे तेज सालाना वृद्धि दर्ज कर सबको चौंका दिया। इस दौरान कई प्रमुख एसयूवी माडल्स ने 30 से 50 प्रतिशत तक की मजबूत वृद्धि हासिल की, जो भारतीय बाजार में एसयूवी की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है। टाटा पंच ने अप्रैल 2026 में कुल 19,107 यूनिट्स की बिक्री के साथ पहला स्थान प्राप्त किया। पिछले साल के मुकाबले इसकी बिक्री में लगभग 53 प्रतिशत की शानदार बढ़ोतरी हुई, जिसका श्रेय इसके इलेक्ट्रिक वेरिएंट की बढ़ती मांग और आकर्षक फीचर्स को दिया जा रहा है। दूसरे पायदान पर मारुति सुजुकी फ्रान्क्स रही, जिसकी 18,829 यूनिट्स बिकीं और इसने 31 प्रतिशत की सालाना वृद्धि हासिल की। इसका आकर्षक डिजाइन, बेहतर माइलेज और कम रखरखाव लागत ग्राहकों को खूब पसंद आ रहा है। तीसरे नंबर पर टाटा नेक्सन रही, जिसने 18,126 यूनिट्स की बिक्री की। इसकी पांच-स्टार सेफ्टी रेटिंग और इलेक्ट्रिक वेरिएंट की लोकप्रियता ने इसे बाजार में एक मजबूत स्थिति प्रदान की है। वहीं, मारुति ब्रेजा 14,124 यूनिट्स की बिक्री के साथ चौथे स्थान पर रही, हालांकि इसकी बिक्री में गिरावट दर्ज की गई।

कपास आयात शुल्क हटाने पर सरकार गंभीर, कपड़ा उद्योग को मिल सकती है राहत

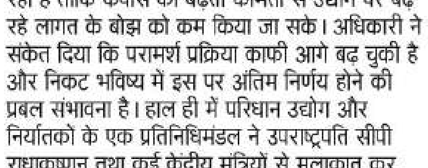

नई दिल्ली। कच्चे कपास के आयात पर लगने वाले 11 प्रतिशत सीमा शुल्क को हटाने की मांग पर सरकार गंभीरता से विचार कर रही है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस संबंध में विभिन्न मंत्रालयों के बीच परामर्श अंतिम चरण में है, जिससे घरेलू कपड़ा उद्योग को बढ़ती लागत के बोझ से राहत मिलने की उम्मीद है। अधिकारी ने बताया कि वित्त मंत्रालय, कपड़ा मंत्रालय और कृषि मंत्रालय इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर गहन चर्चा कर रहे हैं। घरेलू कपड़ा उद्योग लंबे समय से आयात शुल्क हटाने की मांग कर रहा है ताकि कपास की बढ़ती कीमतों से उद्योग पर बढ़ रहे लागत के बोझ को कम किया जा सके। अधिकारी ने संकेत दिया कि परामर्श प्रक्रिया काफी आगे बढ़ चुकी है और निकट भविष्य में इस पर अंतिम निर्णय होने की प्रबल संभावना है। हाल ही में परिधान उद्योग और निर्यातकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन तथा कई केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात कर इस शुल्क को हटाने की जोरदार मांग उठाई थी।

आरबीआई की रिपोर्ट ने कच्चे तेल की चुनौती के बीच थोक कीमतों में तेज उछाल पर चेताया

कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें बाहरी क्षेत्र के लिए बन सकती हैं खतरा, महंगाई पर कड़ी नजर की जरूरत

नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने अर्थव्यवस्था की स्थिति पर अपनी नवीनतम मासिक रिपोर्ट में पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बाद कच्चे तेल की कीमतों में आई भारी बढ़ोतरी को भारतीय अर्थव्यवस्था के बाहरी क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती के रूप में रेखांकित किया है। रिपोर्ट चेतावनी देती है कि हेडलाइन मुद्रास्फीति दर भले ही अभी निर्धारित दायरे में हो, लेकिन तेल की बढ़ती कीमतों के घरेलू प्रभाव पर लगातार नजर रखना आवश्यक है। हालांकि भारत ने इस चरण में वृहद आर्थिक मजबूती के साथ प्रवेश किया है और घरेलू मांग वृद्धि का मुख्य चालक बनी हुई है, लेकिन आपूर्ति-पक्ष के दबाव के कारण निकट-अवधि का परिदृश्य कुछ हद तक धुंधला नजर आ रहा है।

यह चुनौती बाहरी मोर्चे पर विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, जहां वित्तीय हालात, कच्चे तेल की कीमतें और पूंजी का प्रवाह देश के लिए चिंता का विषय बने हुए हैं। रिपोर्ट बताती है कि भारत ने इस चरण में वृहद आर्थिक मजबूती के साथ प्रवेश किया है, जिसमें घरेलू मांग वृद्धि का मुख्य चालक बनी हुई है। हालांकि, आपूर्ति-पक्ष के दबाव के कारण निकट-अवधि का आर्थिक परिदृश्य कुछ हद तक धुंधला नजर आ रहा है। अप्रैल में कुछ आर्थिक संकेतकों में गिरावट के बावजूद, कुल मिलाकर आर्थिक गतिविधियों में मजबूती बनी रही। यह संकेत देता है कि घरेलू अर्थव्यवस्था बाहरी झटकों का सामना करने में सक्षम है, लेकिन सतर्कता जरूरी है। कच्चे तेल का बढ़ता बोझ: ब्रेंट क्रूड की कीमतें घटकर 100.71 डालर प्रति बैरल पर आ गई हैं, लेकिन यह अभी भी फरवरी के अंत में पश्चिम एशिया में युद्ध शुरू होने से पहले के स्तर से करीब 36.3 प्रतिशत ज्यादा है। रिपोर्ट में स्पष्ट कहा गया है कि वित्तीय हालात, कच्चे तेल की कीमतें और पूंजी का प्रवाह बाहरी क्षेत्र के लिए लगातार चुनौतियां बने हुए हैं। वैश्विक तेल और गैस की कीमतों में हुई बढ़ोतरी के परिणामस्वरूप भारतीय क्रूड बास्केट की कीमतें ऊंची बनी रहीं, जिससे तेल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसी) को भारी घाटा उठाना पड़ा। इसी घाटे के कारण ओएमसी ने पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में मई में दो चरणों में बढ़ोतरी की, पहली बार 15 मई को और दूसरी बार 19 मई को। इसके अतिरिक्त, मई में ट्रेजरी बिल और दिनांकित सरकारी प्रतिभूतियों पर यील्ड में भी मामूली बढ़ोतरी देखी गई है। महंगाई का 42 माह का उच्चतम स्तर: पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण कीमतों पर पड़ रहे दबाव के चलते अप्रैल में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति दर बढ़कर 8.3 प्रतिशत हो गई, जो मार्च में 3.9 प्रतिशत थी। यह थोक मुद्रास्फीति का 42 महीनों का उच्चतम स्तर है। अप्रैल में थोक महंगाई में आई इस तेज बढ़ोतरी का मुख्य कारण ईंधन और बिजली समूह रहा, हालांकि अन्य समूहों में भी कीमतों में तेज उछाल देखा गया। वहीं, खुदरा मुद्रास्फीति (सीपीआई) अप्रैल में मामूली बढ़कर 3.5 प्रतिशत रही, जो मार्च में 3.4 प्रतिशत थी। इसकी मुख्य वजह खाद्य पदार्थों की कीमतों में हुई बढ़ोतरी थी। रिपोर्ट में बताया गया है कि देश के कुछ हिस्सों में सामान्य से ज्यादा न्यूनतम तापमान और बेमौसम बारिश की संभावना से बची हुई रबी फसलों को नुकसान हो सकता है। हालांकि, खाद्यान्न भंडार बफर मानक से काफी ज्यादा है, जिससे देश की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित होती है। आरबीआई के कार्मिकों द्वारा तैयार की गई और डिप्टी गवर्नर पूनम गुप्ता के मार्गदर्शन में बनी इस रिपोर्ट में व्यक्त विचार लेखकों के हैं और जरूरी नहीं कि यह भारतीय रिजर्व बैंक के आधिकारिक दृष्टिकोण को परिलक्षित करता हो।

नई बुलेट 650 लान्च करने की तैयारी में रायल एनफील्ड

नई दिल्ली

भारतीय मोटरसाइकिल बाजार में रायल एनफील्ड अपनी पकड़ को और मजबूत करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। जल्द ही रायल एनफील्ड नई बुलेट 650 लान्च करने की तैयारी में है। बाइक बढ़ती मांग को देखते हुए आंध्र प्रदेश में नया विनिर्माण कारखाना स्थापित करने की योजना पर भी काम जारी है। नई बुलेट 650 को अगले कुछ महीनों में भारतीय बाजार में उतारा जा सकता है।

कंपनी ने इसकी पहली झलक पिछले वर्ष मोटरवर्स कार्यक्रम में दिखाई थी, जिसने मोटरसाइकिल प्रेमियों के बीच काफी उत्साह पैदा किया था। यह मोटरसाइकिल पारंपरिक बुलेट डिजाइन के साथ आधुनिक तकनीक का मेल होगी, जिससे इसे क्लासिक अपील और समकालीन प्रदर्शन दोनों मिलेंगे। इसमें बूंद आकार का ईंधन टैंक, गोल हेडलाइट और मजबूत धातु बाडी जैसी क्लासिक खूबियां बरकरार रखी जाएंगी, जो बुलेट की पहचान हैं। मोटरसाइकिल में 647.95 सीसी क्षमता का दो सिलेंडर इंजन मिलेगा, जो लगभग 47 ब्रेक हार्स पावर और 52.3 न्यूटन मीटर टार्क उत्पन्न करेगा। इसके साथ छह स्पीड गियरबाक्स दिया जाएगा, जो राइडिंग अनुभव को बेहतर बनाएगा। कंपनी ने लंबी दूरी की यात्रा को ध्यान में रखते हुए आरामदायक सीट और ऊंचे हैंडलबार भी दिए हैं, जिससे राइडर को थकान कम महसूस होगी।

नई बुलेट 650 में एलईडी हेडलाइट, अर्ध डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और मोबाइल चार्जिंग जैसी आधुनिक सुविधाएं भी मिल सकती हैं, जो इसे अधिक सुविधाजनक बनाएंगी। सुरक्षा के लिए इसमें दोनों पहियों में डिस्क ब्रेक और ड्यूल चैनल एबीएस मिलने की संभावना है।

वहीं, कंपनी आंध्र प्रदेश के ताडा क्षेत्र में लगभग 2500 करोड़ रुपये के निवेश से नया ग्रीनफील्ड कारखाना स्थापित करने की तैयारी कर रही है। इसका उद्देश्य घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में बढ़ती मांग को पूरा करना है, जिससे उत्पादन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

पेट्रोल-डीजल के नए दाम जारी, कुछ शहरों में गिरावट

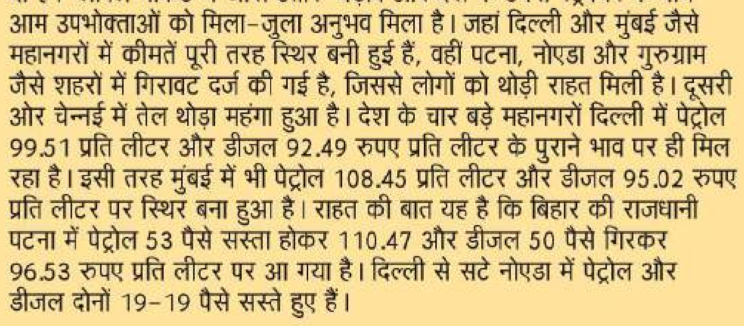

नई दिल्ली। सरकारी तेल कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की नई कीमतें जारी कर दी हैं। ग्लोबल मार्केट में जारी उतार-चढ़ाव और देश के टैक्स स्ट्रक्चर के बीच आम उपभोक्ताओं को मिला-जुला अनुभव मिला है। जहां दिल्ली और मुंबई जैसे महानगरों में कीमतें पूरी तरह स्थिर बनी हुई हैं, वहीं पटना, नोएडा और गुरुग्राम जैसे शहरों में गिरावट दर्ज की गई है, जिससे लोगों को थोड़ी राहत मिली है। दूसरी ओर चेन्नई में तेल थोड़ा महंगा हुआ है। देश के चार बड़े महानगरों दिल्ली में पेट्रोल 99.51 प्रति लीटर और डीजल 92.49 रुपए प्रति लीटर के पुराने भाव पर ही मिल रहा है। इसी तरह मुंबई में भी पेट्रोल 108.45 प्रति लीटर और डीजल 95.02 रुपए प्रति लीटर पर स्थिर बना हुआ है। राहत की बात यह है कि बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 53 पैसे सस्ता होकर 110.47 और डीजल 50 पैसे गिरकर 96.53 रुपए प्रति लीटर पर आ गया है। दिल्ली से सटे नोएडा में पेट्रोल और डीजल दोनों 19-19 पैसे सस्ते हुए हैं।

एलआईसी का मार्च तिमाही में वित्तीय क्षेत्र में सबसे अधिक मुनाफा, बैंकों को पछाड़ा

मार्च तिमाही में 23,420 करोड़ का शुद्ध लाभ, 23 फीसदी की शानदार वृद्धि

नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र की दिग्गज बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) में वित्तीय क्षेत्र की सबसे अधिक मुनाफा कमाने वाली कंपनी बनकर उभरी है। इस दौरान कंपनी का मुनाफा 23,420 करोड़ रुपये से अधिक रहा, जिसने भारतीय स्टेट बैंक और एचडीएफसी बैंक जैसे दिग्गजों को भी पीछे छोड़ दिया। एलआईसी ने मार्च 2024 को समाप्त तिमाही में 23,420 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया, जो एक साल पहले की समान अवधि में 19,013 करोड़ रुपये की तुलना में 23 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि है। केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में भी एलआईसी ने इस तिमाही में लाभ के मामले में पहला स्थान बरकरार रखा। तुलनात्मक रूप से, देश के सबसे बड़े बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का लाभ 19,684 करोड़ रुपये और निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक का लाभ 19,221 करोड़ रुपये रहा। हालांकि, पूरे वित्त वर्ष 2023-24 के वार्षिक लाभ के मामले में भारतीय स्टेट बैंक (80,032 करोड़ रुपये) ने एलआईसी (57,419 करोड़ रुपये) को पीछे छोड़ दिया। अन्य

प्रमुख केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में इंडियन आयल कार्पोरेशन (11,378 करोड़ रुपये) और कोल इंडिया (10,839 करोड़ रुपये) ने भी चौथी तिमाही में शानदार लाभ दर्ज किया। कंपनी के प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियां 31 मार्च, 2024 तक पांच प्रतिशत बढ़कर 57,29,396 करोड़ रुपये हो गई, जबकि कुल प्रीमियम आय में 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इन मजबूत नतीजों के बाद एलआईसी के शेयर में भी उछाल देखा गया, जो 23 मई को लगभग पांच प्रतिशत बढ़कर 839 रुपये पर पहुंच गया। व्यापक कार्पोरेट परिदृश्य में, जनवरी-मार्च तिमाही में वोडाफोन आइडिया वैधानिक देनदारियों में राहत के कारण 51,970 करोड़ रुपये के रिकार्ड लाभ के साथ सबसे आगे रहा, जिसके बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज (16,971 करोड़ रुपये) का स्थान रहा।

अदाणी समूह का बुरा दौर खत्मः बर्नस्टीन ने कहा, बुनियादी ढांचे में दबदबा और मजबूत

बर्नस्टीन को उम्मीद : अमेरिकी कानूनी बाधाएं हटने से बढ़ेगा निवेशकों का भरोसा

नई दिल्ली

वैश्विक ब्रोकरेज कंपनी बर्नस्टीन का मानना है कि अदाणी समूह के लिए अब सबसे बुरा दौर शायद खत्म हो गया है। हाल ही में अमेरिका से जुड़े कानूनी मामलों के सुलझने के बाद समूह के सामने कर्ज, शेयरों को गिरवी रखने और विदेश से वित्त तक पहुंच संबंधी चिंताएं काफी हद तक कम हो गई हैं। इंडिया इन्फ्रा : अदाणी समूह - द हार्ड-बैंक शीर्षक वाली अपनी रिपोर्ट में बर्नस्टीन ने कहा है कि इन बाधाओं के दूर होने से वैश्विक निवेशकों का समूह के प्रति भरोसा बहाल होने की उम्मीद है। बर्नस्टीन के अनुसार पिछले चार वर्षों में अदाणी समूह को दो बड़े झटकों का सामना करना पड़ा, जनवरी 2023 में हिंडनबर्ग शार्ट-सेलर रिपोर्ट और नवंबर 2024 से अमेरिका के प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग (सेक) तथा अमेरिकी न्याय विभाग से संबंधित घटनाएं। इन दोनों वजहों से अदाणी के शेयरों और बान्ड में भारी गिरावट आई थी। हालांकि, अमेरिकी अभियोजकों द्वारा आरोपों को वापस लेने और सेक मामले के निपटने से अब एक अहम चिंता दूर हो गई है। ब्रोकरेज ने बताया कि अमेरिकी कार्यवाही के संबंध में स्पष्टता का इंतजार करते हुए कई वैश्विक फंड समूह से दूर रहे, जिसके परिणामस्वरूप अदाणी समूह के ज्यादातर शेयर कम मांग वाले बने रहे। अब इन कानूनी मामलों में स्पष्टता आने से वैश्विक फंडों की वापसी की

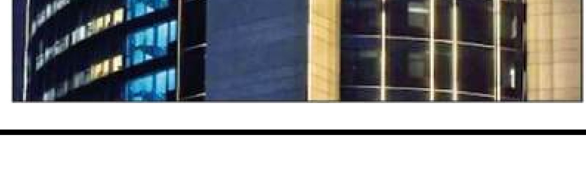

संभावना बढ़ गई है, जिससे समूह के शेयरों की मांग में सुधार हो सकता है। बर्नस्टीन ने जोर दिया कि कई संकटों के बावजूद समूह की क्रियान्वयन क्षमता और बुनियादी ढांचे के कारोबारों में उसकी दबदबा मुख्य ताकत बनी हुई है, जिस पर कभी गंभीर रूप से सवाल नहीं उठाया गया।

रिपोर्ट में समूह के तीन संरचनात्मक फायदों का उल्लेख किया गया है-

- 1. सही स्थान पर बड़े भूखंडों तक पहुंच (उदाहरण के तौर पर अदाणी ग्रीन का 2,50,000 एकड़ का नवीकरणीय भूमि बैंक)।
- 2. सरकारी कारोबारों से बाजार हिस्सेदारी हासिल करने की क्षमता (उदाहरण के तौर पर अदाणी पोर्ट्स का कंटेनर यातायात में दबदबा)।
- 3. बड़े स्तर की परियोजनाओं को पूरा करने की दक्षता।

ऋण प्रबंधन और वित्तीय स्थिति: कर्ज के संबंध में बर्नस्टीन ने स्वीकार किया कि अदाणी ग्रीन और अदाणी एंटरप्राइजेज जैसे कारोबारों में जोरदार पूंजीगत व्यय के कारण सितंबर 2024 तक समूह का शुद्ध ऋण लगभग 1 लाख करोड़ रुपये तक बढ़ गया है। हालांकि, इस बढ़ोतरी के साथ ही जोरदार आय वृद्धि भी हुई है, जिससे समूह का एबिटा वित्त वर्ष 23 और वित्त वर्ष 26 के बीच 22 प्रतिशत की सालाना चक्रवृद्धि दर से बढ़ा है। ब्रोकरेज ने कहा कि हिंडनबर्ग प्रकरण के दौरान समूह का शुद्ध ऋण से एबिटा अनुपात 4.4 गुना की तुलना में तेजी से गिरकर सितंबर 2024 तक 2.7 गुना हो गया था, जो समूह की बेहतर वित्तीय सेहत को दर्शाता है। यह वित्तीय स्थिरता और कानूनी बाधाओं के हटने से अदाणी समूह के लिए एक नए और अधिक स्थिर चरण की शुरुआत हो सकती है।

लगातार दूसरे साल प्लेआफ से बाहर हुई चेन्नई सुपर किंग्स, हार के 5 बड़े कारण

नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स का अभियान निराशाजनक रहा। पांच बार की चैंपियन टीम इस बार भी प्लेआफ में जगह बनाने में असफल रही। चेन्नई ने 14 मुकाबलों में केवल 6 मैच जीते और लगातार दूसरे सीजन में अंतिम चार से बाहर हो गई। पूरे टूर्नामेंट के दौरान टीम कई समस्याओं से जूझती नजर आई, जिसका असर उसके प्रदर्शन पर साफ दिखाई दिया। खिलाड़ियों की चोट, अनुभवी खिलाड़ियों की कमी और युवा सितारों का खराब प्रदर्शन टीम के लिए सबसे बड़ी परेशानी बनकर सामने आया।

इस सीजन चेन्नई सुपर किंग्स के लिए सबसे बड़ा झटका खिलाड़ियों की लगातार चोटें रहीं। तेज गेंदबाज नाथन एलिस चोट के चलते पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए। वहीं शानदार फार्म में चल रहे युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे का चोटिल होना भी टीम के लिए बड़ा नुकसान साबित हुआ। खलील अहमद ने शुरुआती पांच मैचों में अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन वह भी चोटिल होकर बाहर हो गए। आलराउंडर जेमी ओवरटन बल्ले और गेंद दोनों से टीम के लिए अहम भूमिका निभा रहे थे, लेकिन सीजन के महत्वपूर्ण चरण में उनकी चोट ने टीम की मुश्किलें और बढ़ा दीं।

महेंद्र सिंह धोनी की गैरमौजूदगी भी चेन्नई के लिए भारी पड़ी। चोट के कारण धोनी इस पूरे सीजन में एक भी मुकाबला नहीं खेल सके। विकेट के पीछे से उनकी रणनीति और अनुभव की कमी साफ महसूस की गई। कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ दबाव की परिस्थितियों में कई बार असहाय नजर आए और टीम मुश्किल समय में वापसी नहीं कर सकी। धोनी की मौजूदगी हमेशा चेन्नई की सबसे बड़ी ताकत मानी जाती रही है, लेकिन इस बार टीम उस नेतृत्व से वंचित रही। चेन्नई ने आईपीएल 2026 के लिए कई युवा खिलाड़ियों पर बड़ा दांव लगाया था, लेकिन वे उम्मीदों पर खरे नहीं उतर सके। फ्रेंचाइजी ने प्रशांत वीर और कार्तिक शर्मा पर लगभग 14.2 करोड़ रुपये खर्च किए थे, लेकिन दोनों खिलाड़ी प्रभावित करने में नाकाम रहे। उर्विल पटेल भी पूरे सीजन में सिर्फ एक अर्धशतक ही लगा सके और निरंतर प्रदर्शन नहीं कर पाए। कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ और युवा बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस से टीम को काफी उम्मीदें थीं, लेकिन दोनों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा।

न्यूज़ ब्रीफ

प्लेआफ से ठीक पहले आरसीबी के बेथेल आईपीएल से बाहर हुए

मुम्बई। रजत पाटीदार की कप्तानी में आईपीएल 2026 के सत्र में शानदार प्रदर्शन कर प्लेआफ में पहुंचने वाली

रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरबीबी) टीम के सलामी बल्लेबाज जैकब बेथेल फिट नहीं होने के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। बेथेल की अंगुली में चोट लगी है, जिसके कारण ही वह आरसीबी की ओर से अब आगे नहीं खेल पाएंगे। बेथेल के बाहर होने से देखना होगा कि आरसीबी प्लेआफ मुकाबलों में विराट कोहली के साथ पारी की शुरुआत के लिए किसे उतारती है। । टीम के लिए राहत की बात ये है कि अनुभवी फिल साल्ट पूरी तरह से फिट होकर खेलने के लिए तैयार हैं, और उम्मीद की जा रही थी कि वह बेथेल की जगह लेंगे। हालांकि, टीम ने अपने अंतिम लीग मैच में विराट के साथ वेंकटेश अय्यर से पारी की शुरुआत कराई थी, और वेंकटेश ने अच्छी बल्लेबाजी की थी। ऐसे में टीम प्रबंधन को यह तय करना होगा कि वे अनुभवी फिल साल्ट को उतारें या वेंकटेश अय्यर को बनाये रखें। आरसीबी से भी कर सकती है कि साल्ट को मध्य क्रम में उतारा जाये। यदि आरसीबी वेंकटेश को पारी में बरकरार रखती है, तो फिल साल्ट को विकेटकीपर जितेश शर्मा की जगह मध्य क्रमें में उतारा जा सकता है। इसका कारण ये रहा है कि जितेश का प्रदर्शन इस सत्र में अच्छा नहीं रहा है। अब देखना होगा कि आरसीबी कौन सा विकल्प अपनाती है।

टी20 विश्व कप की तैयारी में न्यूजीलैंड को मिली मजबूती, इंग्लैंड के खिलाफ डिवाइन ने दिखाया दम

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम ने कैंटरबरी में खेले गए दूसरे टी20 मैच में इंग्लैंड को 14 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज में बराबर कर ली। न्यूजीलैंड की इस जीत में दिग्गज खिलाड़ी सोफी डिवाइन ने निर्णायक भूमिका निभाई। ×6 वर्षीय स्टार खिलाड़ी ने 57 गेंदों में 87 रन बनाए, जो इंग्लैंड के खिलाफ उनका अब तक का सर्वोच स्कोर था। आईसीसी के अनुसार पहले टी20 मैच में सात विकेट से हार के बाद मिली यह जीत महिला टी20 विश्व कप 2026 के लिए न्यूजीलैंड की तैयारियों को बढ़ावा देगी। यह टूर्नामेंट इंग्लैंड में खेला जा रहा है। ऐसे में यह जीत टीम को अतिरिक्त आत्मविश्वास प्रदान करेगी। वहीं, डिवाइन का फार्म में होना महत्वपूर्ण रहेगा, क्योंकि न्यूजीलैंड की इस दिग्गज खिलाड़ी ने विश्व कप खत्म होने के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया है। वह अपने करियर के अंत में दूसरा टी20 विश्व कप खिताब जीतना चाहेंगी। दूसरे टी20 मुकाबले में डिवाइन ने मैडी ग्रीन (56 रन नाबाद) के साथ 159 रनों की साझेदारी करके न्यूजीलैंड को पांच विकेट पर 170 रन तक पहुंचाया। इसके जवाब में इंग्लैंड महिला टीम निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 156 रन ही बना सकी और मुकाबला 14 रनों से हार गई। दोनों टीमों के बीच तीसरा टी20 मैच 25 मई को खेला जाएगा। वहीं महिला टी20 विश्व कप की बात करें तो इसकी शुरुआत 12 जून से हो रही है। न्यूजीलैंड 1 जून को साउथेम्प्टन में अपने पहले मुकाबले में वेस्टइंडीज से भिड़ेगी।

टेस्ट क्रिकेट के पांचों दिन बल्लेबाजी करने का अनोखा रिकार्ड, दुनिया के 13 महान बल्लेबाज जिसमें तीन भारतीय भी शामिल

नई दिल्ली। टेस्ट क्रिकेट को खेल का सबसे कठिन और चुनौतीपूर्ण प्रारूप माना जाता है। पांच दिनों तक

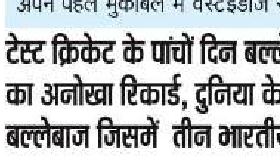

चलने वाले इस मुकाबले में खिलाड़ी की तकनीक, धैर्य, फिटनेस और मानसिक मजबूती की असली परीक्षा होती है। क्रिकेट इतिहास में कई महान बल्लेबाज हुए, लेकिन टेस्ट मैच के सभी पांचों दिन बल्लेबाजी के लिए मैदान पर उतरना बेहद दुर्लभ उपलब्धि मानी जाती है। अब तक दुनिया के सिर्फ 13 बल्लेबाज ही यह अनोखा कारनामा कर पाए हैं, जिनमें भारत के तीन खिलाड़ी भी शामिल हैं। इस ऐतिहासिक सूची में सबसे पहला नाम भारत के मोटगनहल्ली जयसिम्हा का दर्ज है। उन्होंने 1960 में कोलकाता के ईडन गार्डन्स मैदान पर आस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैच के पांचों दिन बल्लेबाजी की थी। पहली पारी में वह नौवें नंबर पर उतरे और नाबाद लौटे, जबकि दूसरी पारी में उन्होंने शानदार 74 रन बनाए थे। इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज जियोफ बायकाट ने 1977 की एशेज सीरीज में आस्ट्रेलिया के खिलाफ नाटिंघम टेस्ट में यह उपलब्धि हासिल की। उन्होंने पहली पारी में 107 रन और दूसरी पारी में नाबाद 80 रन बनाए। इसके बाद आस्ट्रेलिया के किम ह्यूज ने 1980 के लार्ड्स टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ पांचों दिन बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 117 और दूसरी में 84 रन बनाए।

2003 विश्व कप में दुनिया को चौंकाने वाली केन्या टीम कैसे हुई गुमनाम, पतन की कहानी

नई दिल्ली

क्रिकेट इतिहास में कुछ टीमें अपनी उपलब्धियों से दुनिया को हैरान कर देती हैं, लेकिन समय के साथ उनकी पहचान धीरे-धीरे खत्म हो जाती है। ऐसी ही कहानी है केन्या राष्ट्रीय क्रिकेट टीम की, जिसने 2003 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन कर पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा था। उस समय ऐसा लग रहा था कि केन्या जल्द ही क्रिकेट की बड़ी ताकत बनकर उभरेगा, लेकिन आज यह टीम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लगभग गुमनाम हो चुकी है। साल 2003 के विश्व कप में स्टीव टिकोलो की कप्तानी वाली केन्या टीम ने ऐतिहासिक प्रदर्शन किया था। टीम ने ग्रुप चरण में श्रीलंका राष्ट्रीय क्रिकेट टीम को हराकर बड़ा उलटफेर किया और बाद में सुपर सिक्स चरण में जिम्बाब्वे राष्ट्रीय क्रिकेट टीम को मात देकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। सेमीफाइनल में उसे भारत राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के हाथों हार का सामना करना पड़ा, जहां सौरव गांगुली ने शानदार शतक लगाया था। हालांकि हार के बावजूद केन्या टीम ने दुनिया भर के क्रिकेट प्रेमियों का दिल जीत लिया था।

उस दौर में कालिन्स ओबुया, थामस ओडोयो, आसिफ करीम और मौरिस ओडुम्बे जैसे खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में आ गए थे। लेकिन इस सफलता के बाद केन्या क्रिकेट सही दिशा में आगे नहीं बढ़ सका। टीम के पतन की सबसे बड़ी वजह खराब प्रशासन, भ्रष्टाचार और बोर्ड के भीतर लगातार चलने वाले विवाद रहे। खिलाड़ियों और क्रिकेट बोर्ड के बीच अनुबंध और भुगतान को लेकर विवाद बढ़ गया, जिससे कई खिलाड़ियों ने हड़ताल तक कर दी। स्थिति तब और खराब हो गई जब मौरिस ओडुम्बे पर मैच फिक्सिंग के आरोप लगे और उन पर प्रतिबंध लगाया गया। इसके बाद प्रायोजकों ने भी टीम से दूरी बना ली और घरेलू क्रिकेट ढांचा कमजोर होता चला गया। सबसे बड़ी समस्या यह रही कि केन्या अपनी सफल पीढ़ी के बाद नए खिलाड़ियों को तैयार नहीं कर सका। न तो मजबूत घरेलू ढांचा विकसित हुआ और न ही युवा खिलाड़ियों के लिए बेहतर प्रशिक्षण व्यवस्था बनाई गई।

दूसरी ओर नामीबिया राष्ट्रीय क्रिकेट टीम, ओमान राष्ट्रीय क्रिकेट टीम और पापुआ न्यू गिनी राष्ट्रीय क्रिकेट टीम जैसी टीमों ने आईसीसी से मिले संसाधनों का बेहतर उपयोग किया। इन देशों ने आधुनिक सुविधाएं विकसित कीं, विदेशी कोच नियुक्त किए और खिलाड़ियों को पेशेवर माहौल दिया। यही कारण है कि आज ये टीमें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लगातार आगे बढ़ रही हैं, जबकि कभी दुनिया को चौंकाने वाली केन्या टीम गुमनामी में खो चुकी है।

एरिक सिमंस बोले वापसी का फैसला खुद माही ही करेंगे

नई दिल्ली

चेन्नई सुपर किंग्स के गेंदबाजी कोच एरिक सिमंस ने टीम के अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी के अगले आईपीएल सत्र में खेलने को लेकर बड़ा बयान दिया है। सिमंस ने साफ कहा कि धोनी खुद तय करेंगे कि वह कब और कैसे मैदान पर वापसी करेंगे। उन्होंने बताया कि पैर की चोट के कारण 44 वर्षीय धोनी इस सत्र में एक भी मुकाबला नहीं खेल पाए, लेकिन नेट अभ्यास के दौरान उनकी बल्लेबाजी ने सभी को प्रभावित किया।

जब सिमंस से पूछा गया कि क्या धोनी अगले सीजन में उपलब्ध रहेंगे, तो उन्होंने हैरानी जताते हुए कहा कि यह फैसला पूरी तरह धोनी पर निर्भर करेगा। उन्होंने कहा कि चोट की वजह से धोनी को दौड़ने में काफी परेशानी हो रही थी, जिसके कारण वह मैच नहीं खेल सके। हालांकि, नेट्स में उनकी बल्लेबाजी पहले जैसी ही नजर आ रही थी। सिमंस ने दोहराया कि धोनी हमेशा अपनी फिटनेस और टीम की जरूरत को ध्यान में रखकर ही कोई फैसला लेते हैं।

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व आलराउंडर सिमंस ने कहा कि धोनी कभी व्यक्तिगत उपलब्धियों को प्राथमिकता नहीं देते। उनके अनुसार, अगर धोनी को लगता है कि वह पूरी तरह फिट नहीं हैं तो वह नहीं खेलेंगे, लेकिन यदि वह खुद को तैयार महसूस करेंगे तो निश्चित रूप से मैदान पर उतरेंगे। उन्होंने कहा कि धोनी हमेशा टीम के हित को सबसे ऊपर रखते हैं और उनका खेलना टीम के लिए फायदेमंद साबित होता है। सिमंस ने इस सीजन में टीम की फील्डिंग को लेकर भी खुलकर बात की। उन्होंने स्वीकार किया कि चेन्नई सुपर किंग्स की फील्डिंग उम्मीद के मुताबिक नहीं रही, जबकि टीम ने इस विभाग में काफी मेहनत की थी। उन्होंने कहा कि पूरे टूर्नामेंट में टीम ने कई शानदार कैच लिए, लेकिन कुछ आसान मौके भी गंवाए, जिसने उन्हें निराश किया। सिमंस के मुताबिक फील्डिंग कोच अब इस बात का विश्लेषण करेंगे कि टीम को आगे कैसे बेहतर किया जाए।

फ्रैंच ओपन टेनिस

फ्रांस की राजधानी रोला गैरा में फ्रैंच ओपन टेनिस में खेलते हुए सर्बिया के नोवाक जोकोविच।

आईपीएल 2026 : पंजाब ने लखनऊ को हराकर प्लेआफ की उम्मीदें रखीं जिंदा, अय्यर ने जड़ा पहला आईपीएल शतक

लखनऊ

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में पंजाब किंग्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लखनऊ सुपर जायंट्स को सात विकेट से हराकर प्लेआफ की दौड़ में खुद को मजबूती से बनाए रखा है। इकाना स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में पंजाब ने दमदार बल्लेबाजी के दम पर 197 रन के लक्ष्य को आसानी से हासिल कर महत्वपूर्ण जीत दर्ज की।

पहले बल्लेबाजी करते हुए लखनऊ सुपर जायंट्स ने निर्धारित 20 ओवर में छह विकेट खोकर 196 रन बनाए। टीम के लिए जोश इंग्लिस ने सबसे बड़ी पारी खेलते हुए 72 रन बनाए और मध्यक्रम में आयुष बडोनी ने तेज बल्लेबाजी करते हुए महत्वपूर्ण योगदान दिया। अंतिम ओवरों में अब्दुल समद ने तेज रन जुटाकर टीम को प्रतिस्पर्धी स्कोर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई।

हालांकि लखनऊ की शुरुआत उम्मीद के मुताबिक नहीं रही और नियमित अंतराल पर विकेट गिरते रहे। पंजाब के गेंदबाजों ने बीच के ओवरों में रन गति पर नियंत्रण बनाए रखा। युजवेंद्र चहल और मार्को यानसन ने दो-दो विकेट लेकर विपक्षी टीम को बड़े स्कोर की ओर बढ़ने से रोका। 197 रन के लक्ष्य का पीछा करने

उतरी पंजाब की टीम ने आत्मविश्वास के साथ बल्लेबाजी की। प्रभसिमरन सिंह ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए टीम को तेज शुरुआत दिलाई और अर्धशतकीय पारी खेली। इसके बाद कप्तान श्रेयस अय्यर ने मोर्चा संभालते हुए जिम्मेदारी के साथ खेल को आगे बढ़ाया। अय्यर ने अपनी पारी के दौरान बेहतरीन शाट्स लगाए और अंत तक नाबाद रहते हुए टीम को जीत दिलाई। उन्होंने छक्का लगाकर अपना पहला आईपीएल शतक पूरा किया, जो उनकी टी-20 करियर की सबसे यादगार पारियों में शामिल हो गया। उनकी यह कप्तानी पारी पंजाब के लिए बेहद अहम साबित हुई। इस जीत के साथ पंजाब किंग्स के अंक बढ़ गए हैं और टीम की प्लेआफ में पहुंचने की संभावनाएं मजबूत हुई हैं। वहीं लखनऊ सुपर जायंट्स को इस हार से बड़ा झटका लगा है और उसकी राह अब पहले से अधिक कठिन हो गई है।

राहुल द्रविड़ ने क्रिकेट के साथ परिवार को भी दी मजबूत पहचान, बेटे आगे बढ़ा रहे विरासत

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट के महान बल्लेबाज राहुल द्रविड़ को क्रिकेट जगत में दीवार के नाम से जाना जाता है। उनका अंतरराष्ट्रीय करियर जितना शानदार रहा, उतना ही प्रेरणादायक उनका कोचिंग सफर भी रहा है। संन्यास के बाद द्रविड़ ने भारतीय क्रिकेट की नई पीढ़ी को तैयार करने का जिम्मा संभाला और अंडर-19 टीम के कोच के रूप में कई प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को तराशा।

उनकी कोचिंग में पृथ्वी शा की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने अंडर-19 विश्व कप जीता, जिसमें शुभमन गिल जैसे खिलाड़ी भी शामिल

थे। बाद में उन्होंने सीनियर टीम के मुख्य कोच के रूप में रोहित शर्मा के साथ मिलकर भारतीय टीम को नई सफलताएं दिलाईं। वर्ष 2024 में टी-20 विश्व कप जीत के साथ उनका कार्यकाल यादगार अंदाज में समाप्त हुआ। 11 जनवरी 1973 को इंदौर में जन्मे राहुल द्रविड़ मराठी ब्राह्मण परिवार से आते हैं। उनके पिता शरद द्रविड़ एक खाद्य कंपनी में वरिष्ठ पद पर कार्यरत थे, जबकि उनकी मां पुष्पा द्रविड़ इंजीनियरिंग कालेज में आर्किटेक्चर की प्रोफेसर थीं। परिवार में शिक्षा और अनुशासन का माहौल रहा, जिसका असर राहुल के व्यक्तित्व में भी साफ दिखाई देता है। उनके छोटे भाई विजय द्रविड़ ने भी शुरुआती दिनों में उनका पूरा साथ दिया। साल 2003 में राहुल द्रविड़ ने नागपुर की सर्जन डा. विजेता पेंढारकर से विवाह किया। दोनों की मुलाकात पारिवारिक संबंधों के जरिए हुई थी। शादी के बाद विजेता ने मेडिकल पेशे के साथ परिवार की जिम्मेदारियां भी संभालीं। राहुल कई बार कह चुके हैं कि उनकी सफलता में पत्नी का बड़ा योगदान रहा है। दंपति के दो बेटे हैं, समित द्रविड़ और अन्वय द्रविड़। राहुल हमेशा अपने बच्चों को मीडिया की चकाचौंध से दूर रखते आए हैं और उन्हें सामान्य जीवन देने की कोशिश करते हैं।

अब द्रविड़ परिवार की क्रिकेट विरासत उनके बेटे आगे बढ़ाते नजर आ रहे हैं। समित द्रविड़ एक आलराउंडर खिलाड़ी हैं और कर्नाटक की आयु वर्ग टीमों के लिए शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं। उन्होंने कूच बेहार ट्राफी में बल्ले और गेंद दोनों से प्रभाव छोड़ा। वहीं छोटे बेटे अन्वय द्रविड़ विकेटकीपर-बल्लेबाज के रूप में पहचान बना रहे हैं। उन्होंने विजय मर्चेंट ट्राफी में बेहतरीन बल्लेबाजी की और कर्नाटक टीम की कप्तानी भी संभाली। इस तरह राहुल द्रविड़ की क्रिकेट यात्रा अब नई पीढ़ी के जरिए आगे बढ़ती दिखाई दे रही है।

साफ घर स्वस्थ घर

घर की उचित साफ-सफाई न होना भी तनाव का कारण बन सकता है। यह जानकर शायद आपको हैरत होगी कि कुछ लोगों में खासतौर पर महिलाओं में अपने घर और परिवार के सदस्यों द्वारा साफ-सफाई के संबंध में की जाने वाली लापरवाही तनाव और उच्चरक्तचाप का कारण भी बन जाती है।

हालांकि यह बात स्वभावगत है पर स्वास्थ्य की दृष्टि से भी देखें तो पर्सनल हाइजिन के साथ-साथ घर और अपने आस-पास की सफाई बेहद जरूरी है। यह न सिर्फ स्वास्थ्यवर्धक है, बल्कि अच्छा रहन-सहन बनाए रखने के लिए भी जरूरी है।

घर को स्वस्थ बनाए रखने के लिए जरूरी है कि आप यह जानें कि आपके घर में कौन-कौन सी ऐसी जगह हैं, जिनका कीटाणुओं और छोटे-छोटे जीवों को निमंत्रण करने में प्रमुख योगदान है। किचन में बनी नाली और वॉशबेसिन के आसपास पानी एकत्रित होना और सफाई न रहना, कुकिंग गैस, सिंक, रसोई में साफ-सफाई के लिए इस्तेमाल में आने वाले कपड़ों को नियमित साफ नहीं करना कीटाणुओं को बुलावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

साथ ही फर्श के अलावा घर का फर्नीचर, कारपेट, फूलदान, पंखे, ट्यूबलाइट आदि चीजों की नियमित साफ-सफाई बेहद जरूरी है। ध्यान रखें कि यहां पानी एकत्रित न हो साथ ही गंदगी न फैले। इसके उचित उपायों को अपनाते हुए घर को स्वच्छ और कीट, मच्छर से रहित रखने का प्रयास करें। यदि समय और ऊर्जा की बचत करना चाहते हैं तो एक अच्छे क्लीनर की मदद लें। यदि आपके नियमित इस्तेमाल की वस्तुएं धूल और मिट्टी से मुक्त हैं तो आपका घर कीट और गंदगी में पनपने वाले जीवों से भी मुक्त होगा। जाहिर है कि आप इसके साथ आने वाली कई बीमारियों को अपने घर में प्रवेश करने से रोक पाएंगे। साफ-सुथरी जगह मानसिक शांति देती है और अपने घर में सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव करते हैं।

दिमाग को सक्रिय करता मोबाइल

अक्सर आपने युवाओं को फोन से चिपके देखा होगा। उन्हें देखते ही आपके मन में एक ही ख्याल आता है कि बहुत ज्यादा मोबाइल फोन पर चिपके रहने से स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है लेकिन आपको बता दें कि आपकी ये धारणा गलत है। हाल ही में अमेरिका के नेशनल हेल्थ इंस्टीट्यूट ने कुछ दिलचस्प तथ्यों को खोज निकाला है।

दिमाग की सक्रियता बढ़ाता फोन

शरीर को नुकसान पहुंचाने वाला मोबाइल फोन दरअसल दिमाग को अलग-अलग रूपों में प्रभावित करता है। अध्ययन के अनुसार, जो लोग मोबाइल से लंबे समय तक बात करते रहते हैं उनके दिमाग अधिक सक्रिय हो जाता है। इस बात को पुख्ता करने के लिए 47 वर्ष तक के लोगों पर लगभग एक साल तक परीक्षण किया गया। मोबाइल को प्रतिभागियों के दोनों कानों पर कुछ-कुछ समय के लिए प्रयोग करवाया गया। बारी-बारी से दोनों साइड्स पर 50-50 मिनट मोबाइल का प्रयोग करवाया गया। इनमें से कुछ ऐसे प्रतिभागी भी थे जो मोबाइल फोन का प्रयोग करना नहीं जानते थे।

क्या कहता है शोध

ये शोध के परिणाम पीईटी (पोजीट्रान एमिशन टोमोग्राफी) के द्वारा जांचे गए। जिसमें पाया गया कि मनुष्य के दाईं तरफ टेम्पोनरल पोल के मोबाइल के एंटीना के संपर्क में आते ही ओरबिटोफ्रंटल कॉरटैक्स में 7 फीसदी ग्लूकोज की मात्रा बढ़ जाती है। हालांकि ये अभी तक साबित नहीं हुआ है कि ग्लूकोज का बढ़ना खतरनाक है या नहीं। प्रमाणित सबूतों में ये बात साफ जाहिर है कि ग्लूकोज मोबाइल एंटीना का टेम्पोपरल पोल के संपर्क में आते ही बढ़ता है। मनोचिकित्सक का कहना है कि मनुष्य में बढ़ने वाले इस ग्लूकोज से फायदा पहुंचता है या नहीं लेकिन इसका नुकसान कुछ नहीं होता।

पूजन से पहले क्यों बजाते हैं घंटी?

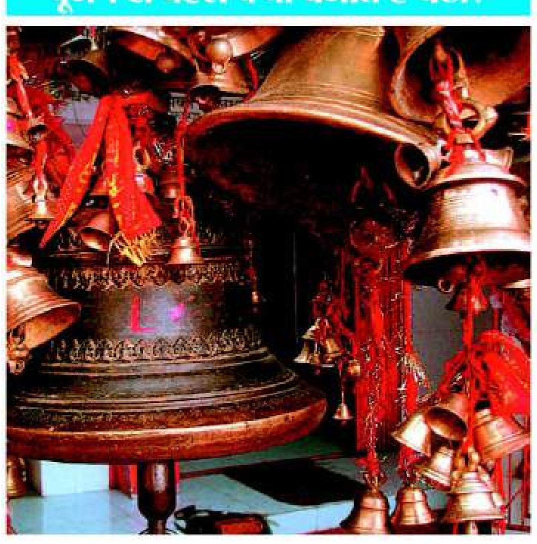

क्या आप जानते हैं कि मंदिरों में घंटियां क्यों होती हैं? यह परंपरा बहुत प्राचीन है। इसके पीछे मात्र परंपराएं ही नहीं बल्कि वैज्ञानिक रहस्य भी हैं। जापान के बौद्ध मंदिरों में भी विशेष प्रकार की घंटियां होती हैं। श्रद्धालु इन्हें बजाकर अपने इष्ट देव के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हैं। इनसे बहुत मधुर ध्वनि निकलती है। मंदिर की घंटी बजाने से विशेष प्रकार की ध्वनि तरंगें उत्पन्न होती हैं। जब वातावरण में इनका प्रसार होता है तो ये नकारात्मकता को दूर करती हैं और सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ावा देती हैं। इससे मंदिर के आसपास का माहौल शांत और सुखद बनता है। लोगों को एक खास किस्म की आध्यात्मिक शांति मिलती है। अध्यात्म में माना जाता है कि नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह मन के अलावा वातावरण को भी प्रभावित करती है। जिस देश या घर में अशांति का माहौल होता है, वहां नकारात्मकता तेजी से पनपती है। घंटी का एक फायदा यह होता है कि इससे किसी अजनबी को भी यह ज्ञात हो जाता है यहां देवमंदिर है। इससे उसका शीश भगवान के सम्मान में झुक जाता है। शास्त्रों के अनुसार, घंटी बजाना दैवीय शक्ति को नमन करना है।

दूसरों की गलती पर उन्हें माफी देना भले ही आसान हो लेकिन बात जब खुद को माफ करने की आती है तो शायद यह हमारे लिए आसान नहीं होता, क्योंकि इस बार गलती हमने की और इसके लिए हम खुद जिम्मेदार हैं। अपराध बोध की भावना थोड़े समय के लिए ठीक है, इसे हावी न होने दें, नहीं तो परेशानी बढ़ेगी। इंसान से गलतियां हो सकती हैं, इससे सीख लीजिए, खुद को माफ कीजिए, खुशी बनी रहेगी।

खुद को माफ करें...

श्रीमद भागवत में एक कहानी है राजा अजामिल की। उस राजा में अनेकों दुर्गुण थे। जब वह अपनी मृत्यु शैया पर पहुंचा तो उसने अपने पुत्र को बुलवाया जिसका नाम नारायण था और जब राजा ने ईश्वर के नाम का उच्चारण किया तो उसे मुक्ति प्राप्त हुई। यह कहानी लोगों में विश्वास जगाती है कि उनका अतीत कैसा भी क्यों न हो,पछतावा करने या अपराधी महसूस कर समय बर्बाद करने की आवश्यकता नहीं। यदि तुम अंतिम क्षण में भी ईश्वर की ओर मुड़ते हो, तो तुम्हारे मुक्त होने की संभावना है। यह कहानी सिखाती है कि अतीत में की गई भूलों के प्रति अपराधबोध से ग्रसित नहीं होना है। जब हम मासूम होते हैं और वर्तमान क्षण में टिके रहते हैं तब अपनी भूल का अहसास हो जाता है। ऐसे में हम पहले से ही उस भूल से बाहर निकल जाते है। अतीत के बारे में सोचते रहने के बजाय बस जाग जाओ और उसे स्वीकार करो।आगे बढ़ जाओ और दूसरों पर या स्वयं पर दोषारोपण में मत फंसों।

सामाजिक भावना

हमारा अपराधबोध एक तरह से वह सामाजिक भावना भी है, जिसमें हम सबके साथ जुड़े रहना चाहते हैं। संबंधों को बचाए रखना चाहते हैं। पर परेशानी यह है कि हम अपने घावों को भरने की जगह उन्हें कुरेदते रहते हैं। जिंदगी में हार, इनकार, उपेक्षा, निराशा और शर्मिंदगी का सामना भी करना पड़ता है, पर जब ऐसा कई बार होता है तो हम खुद को ही समस्या मानने लगते हैं। खुद को सजा देने के सिलसिले में ऐसे कदम उठाते हैं, जिनका असल समस्या से ताल्लुक ही नहीं होता। जैसे, वजन कम नहीं हो रहा या मानते हैं कि सुंदर नहीं हैं, तो गुस्से में अपना ध्यान रखना ही छोड़ देते हैं, सबसे अलग थलग रहते हैं। अधिक खर्च करने की आदत पर गुस्साते हैं, पर अपने भविष्य के प्रति लापरवाह भी हो जाते हैं। हर समय दूसरों की प्रशंसा और भलाई बटोरने का भाव एक ऐसा जहर है, जो मन में अपनी कमियों का बोझ बढ़ाता जाता है। क्या उस तरफ बढ़ना ठीक है, जो खुद के लिए हीनता और शर्मिंदगी को बढ़ाता है? खुश रहना है तो खुद को गलत मानते रहने के चक्र को तोड़ना जरूरी है। खुद को साथ-साथ माफ करना भी सीखें। अपनी क्षमता और रुचि के अनुसार सुधार करते हुए आगे बढ़ने का प्रयास करें।

माफी का महत्व

आपने अपने जीवन में कई लोगों को माफ किया होगा, माफ करने के बाद आपके अंदर अलग तरह का अनुभव आया होगा। इसका मतलब यह है कि माफी से व्यक्ति को ऊर्जा तो मिलती है साथ ही मद में किसी प्रकार की कुंठा नहीं रहती। तो माफी के महत्व को जरूर समझें।

चुनौती की तरह न लें

आपने गलतियां की हैं तो खुद को माफ भी करें, खुद को सजा देने के बारे में हर वक्त न सोचें। गलतियां इनसानों से होती हैं और ऐसे में खुद को माफ करना उस गलती से निकलना और उसे न दोहराने की कवायद है। अगर आप खुद को माफ नहीं करेंगे तो इससे आपका शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बिगड़ेगा।

भावनाओं को भी स्वीकारें

सभी के अंदर भावनाएं होती हैं और वे समय और परिस्थिति के अनुसार दिखाई भी देती हैं, आप भी इससे अछूते नहीं हैं। तो अपने क्रोध, भय, प्रेम, सहानुभूति आदि भावनाओं को स्वीकार करें। ये आपको खुद को माफ करने में मददगार साबित होंगी।

संपूर्ण कोई नहीं

शायद ही इस जहां में कोई ऐसा हो जो परफेक्ट यानी संपूर्ण हो, सबके अंदर कोई न कोई कमी जरूर है। अगर आप भी अपनी महात्वाकांक्षा के उड़ान पर हैं और आगे बढ़ने की कोशिश में गलतियां किए जा रहे हैं तो यह स्वाभाविक है। अगर आपसे गलतियां हुई हैं तो इसे दूर कर फिर से कोशिश कीजिए। पुरानी गलतियों को लिए अगर आपने खुद को माफ कर दिया तो यह आगे बढ़ने के लिए आपको प्रेरित भी करेगा।

दूसरों को हावी न होने दें

कई बार आप खुद को माफ करना चाहते हैं लेकिन माफ नहीं कर पाते हैं, क्योंकि दूसरों की भावनाएं आपके ऊपर हावी होती हैं। यानी आपकी छवि आपके प्रकृति के अनुरूप है। तो ऐसे में कोशिश करें कि दूसरों की भावनाओं और उनके विचार को खुद पर हावी न होने दें, हमेशा खुद की सुनें और अपने प्रकृति के अनुसार ही व्यवहार करें।

खुद को सजा न दें

प्यार में धोखा खाने वालों को अक्सर लगता है कि उन्होंने अपने दिल की नहीं सुनी और आकर्षण में खुद की भावनाओं को ठेस पहुंचा दिया। बाद में जब उनका दिल टूटता है तो वे खुद को दुःख देने लगते हैं, खुद को ही प्रताड़ित करते हैं। ऐसा बिलकुल न सोंचे, जो हुआ वह उस समय की मांग थी और आपसे गलती हो गई, वर्तमान में आप जो भी हैं उसपर ध्यान दें और अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

बदलाव की बयार बहने दें

बदलाव समाज का सच है और वक्त दर वक्त यह बदलाव होता रहता है। ऐसे में आप कैसे पिछड़ सकते हैं, बदलते समाज और बदलते सामाजिक वातावरण के साथ खुद के अंदर भी बदलाव करें। यह भी सोचें कि इस बदलाव का असर आपके जीवन में क्या होगा, और क्या पता इससे आपकी काया ही पलट जाए और सफलता के नये आयाम तक पहुंच जाएं।

संतुलन बहुत जरूरी

जीवन में समता यानी संतुलन बहुत जरूरी है, लेकिन अधिकांश लोगों का जीवन असंतुलित बना हुआ है। हमने एक ऐसी मानसिक स्थिति का निर्माण कर रखा है कि सुख की स्थिति आने पर हम खुशी से उछल जाते हैं और दु:ख की स्थिति में मानो मुरझा जाते हैं जबकि हमें हर स्थिति में एक सा रहना चाहिए। सुख के साथ अहं और दुख के साथ हीनता की ग्रंथि जुड़ जाती है जो हमारे दुखों का मूल है। दुखी व्यक्ति हीन भावना से ग्रस्त होता है और इतना ग्रस्त होता है कि वह निराशा का जीवन जीने लगता है। वह सोचता है, यह संसार मेरे जीने योग्य नहीं है। जीवन में मेरा कोई अस्तित्व ही नही है। सारा जीवन बेकार है।

सुख के साथ अहं की ग्रंथि

सुख के साथ अहं की ग्रंथि घुलती है और अब आदमी स्वयं को सम्राट मानकर जीता है। यह अहं भावना उसमें अनेक कुंठाएं पैदा करती हैं। निंदा होती है, आदमी घबरा जाता है, दुखी बन जाता है। प्रशंसा के दो शब्द सुनता है, खुशी से फूल जाता है तब उसे बोलने का पूरा विवेक नहीं रहता। वह अहंकार से ग्रस्त हो जाता है। इस प्रकार अनेक द्वंद्व हैं, जिनकी परिक्रमा हर इंसान कर रहा है। ये सारे द्वंद्व चित की स्थिति को विषम बनाए हुए हैं। चित्त की इस विषमता का नाम ही है संसार। हमारी अंतस-चेतना का सुझाव सदा समता की ओर रहता है, किंतु व्यवहार का गुरुत्वाकर्षण इतना तीव्र है कि वह विषमता की ओर खिंचता है।

लक्ष्य को हमेशा याद रखें

जो व्यक्ति समता के साथ जीते हैं उन्हें महान आदर्श माना गया है। यह जिंदगी केवल सुख-सुविधाओं के पीछे पागल बनकर खराब करने के लिए नहीं है। जीवन का लक्ष्य बहुत ऊंचा है। अपनी जिंदगी के उस दूरगामी और ऊंचे लक्ष्य को हमेशा याद रखें और उसी पर अपनी तीव्र दृष्टि टिकाए रखें। अगर इन छोटी-मोटी सुविधाओं को ही जीवन का सार मान लिया जाए तो अपने विपुल वैभव को आप कौड़ियों में गंवा बैठेंगे। अपने इस विपुल खजाने को आप पहचानें, जो प्रकृति से विरासत में मिला है। इस मनुष्य शरीर के साथ मिली महान दैवी शक्तियों का वास्तविक और सही-सही उपयोग तब होगा जब आप ऐसा ऊंचा लक्ष्य बनाएंगे जिसे पाकर इस मनुष्य जीवन का मिलना सार्थक हो जाए। याद रखें, जीवन की सार्थकता भौतिक वस्तुओं या पदार्थों के जरिए उपलब्ध नहीं हो सकती।

गलती को स्वीकारें

खुद को माफ करने की कवायद करने से पहले जरूरी है कि आपने जो गलती की है उसे स्वीकार करें। क्योंकि आपने उस वक्त अपने विवेक से काम नहीं लिया और भावनाओं में बहकर, क्रोध और गुस्से में आकर गलती कर दी। इस बात को समझकर अपनी गलती को स्वीकार कीजिए। सामान्यत: हम अपनी भूलों को उचित ठहराते हैं ताकि अपराध का बोध न हो, पर से काम नहीं बनता। चाहे जो भी औचित्य हम दें अपराधबोध टिका रहता है। हम अपराधबोध का प्रतिरोध करते हैं और वह बना रहता है और फिर कहीं अन्तर की गहराई से हमारे व्यवहार को विकृत कर देता है। हमें अपने द्वारा की गई भूलों के लिए अपराधी महसूस करने का पूरा पूरा अधिकार है। पूर्ण रूप से दुखी बन जाओ पूरे एक मिनट,दस मिनट या पच्चीस मिनट के लिए, लेकिन उससे अधिक नहीं और फिर हम उससे बाहर निकल जाएंगे। भूल को सही साबित करने की बजाय उसे स्वीकार करो। औचित्य सिद्ध करना बहुत सतही है क्योंकि यह अपराधबोध को नहीं हटाता, बल्कि वह हमें अपराध का और भी अधिक बोध कराता है।अपने अपराधबोध के साथ सौ प्रतिशत रहो और वह पीड़ा एक ध्यान की तरह बन जाएगी और अपराधबोध से भारमुक्त करेगी।

खुद को रखें स्ट्रेस फ्री...

वर्किंग लेडी कॉन्सेप्ट से हमारे मन में स्त्रियों की एक स्वच्छंद छवि बन जाती है। यह टर्म उन स्त्रियों के लिए इस्तेमाल में लाया जाता है जो कि बेहद कुशलता से घर और बाहर की दोहरी जिम्मेदारियां निभा रही हों। ऑफिस, घर, सहकर्मी और परिवार को संभालने वाली स्त्रियों को मल्टीटास्कर कहा जाता है। उनसे जुडे लोगों के लिए वे सुपरवुमन से कम नहीं होती हैं। उनकी परेशानियों को हर कोई समझता भी नहीं है, क्योंकि उन्हें अपनी समस्याएं साझा करने की ज्यादा आदत नहीं होती है। पर कभी-कभी आत्मनिर्भर स्त्रियों को भी दोहरी भूमिका निभाते-निभाते अवसाद होने लगता है। जानते हैं वर्क स्ट्रेस के कारण और उसके निवारण के उपाय।

वास्तविकता समझें

आपको यह समझना चाहिए कि ऑफिस का काम आपकी जिंदगी का जरा सा हिस्सा मात्र है। अपनी पूरी एनर्जी को उसमें ही डाल देने का नकारात्मक प्रभाव आपके निजी रिश्तों पर पड सकता है। फेमिली और प्रोफेशन में सही संतुलन बना कर चलें।

करें अपने मन की

आपके अति व्यस्त जीवन में आप खुद को भूलने लगती हैं। कभी-कभी समय निकाल कर अपना विश्लेषण करें। अपनी पसंद-नापसंद, हुनर को समझें और समय दें। पुराने एलबम देखकर भूली-बिसरी यादें भी ताजा कर सकती हैं।

परिवार को भी दें समय

ऑफिस का काम घर पर लेकर न आएं। बचा हुआ सारा समय खुद को व परिवार को समर्पित कर दें, वर्ना परिजन उपेक्षित महसूस करेंगे। डिनर के बाद सबके साथ टहलने जा सकती हैं या बच्चों का होमवर्क करवाएं।

रोज एक ही दिनचर्या अपनाने से बेहतर है कि बीच-बीच में थोडा बदलाव करती रहें। अपने काम से ब्रेक लेकर अपने परिजनों या दोस्तों के साथ कहीं घूमने जाएं। एक ही टाइमटेबल पर काम करते रहने से बोरियत होने लगती है, इसलिए कुछ बदलाव जरूरी होता है।

सकारात्मक सोच

नकारात्मक विचारों से भी तनाव बढ़ता है। कोशिश करें कि ऐसे विचारों को दूर ही रखें। परफेक्शन के बजाय अपना बेस्ट देने का हरसंभव प्रयास करें। आप मोटिवेशनल किताबें भी पढ सकती हैं। न नहीं कह पाने की आदत की वजह से अपने ऊपर काम का बोझ न बढाती रहें। काम उतना ही करें, जितना आपके बस में हो। इससे आपका तनाव कम होगा और परिवार के लिए समय भी बचा सकेंगी।

वर्कप्लेस पर एक्सरसाइज

अपनी दिनचर्या ऐसे निर्धारित करें कि उसमें फिजिकल वर्क भी शामिल हो। लिफ्ट के बजाय सीढियों का प्रयोग करें। लंच ब्रेक के दौरान वॉक करने की आदत डालें।

रिलैक्स रहें

आराम करने का मतलब सिर्फ वेकेशन पर जाना नहीं होता है। हर 4 से 5 घंटे में दो मिनट के लिए आंखें बंद कर आप खुद को रिलैक्स कर सकती हैं। अगर कंप्यूटर पर ज्यादा काम करना पडता हो, तो बीच-बीच में आंखें बंद करके गहरी सांस लेते रहें।

सोशल नेटवर्क बनाएं

अपनी व्यस्तता के बीच में भी दोस्तों व पडोसियों के लिए समय जरूर निकालें। इससे आपका मूड और माहौल दोनों बदल जाएंगे। उनके साथ घुलने-मिलने से आप रिलैक्स महसूस करेंगी और काम में अपना बेहतर आउटपुट भी दे सकेंगी।

मी टाइम है जरूरी

जब आप वेकेशन पर जाएं, अपने लैपटॉप व फोन से थोडी दूरी बना कर रहें। खुद के साथ समय बिताने की आदत डालें। सिर्फ परिवार या ऑफिस में ही व्यस्त रहेंगी तो स्ट्रेस बढेगा। जितना हो सके, खुश रहें और खुद के लिए भी वक्त निकालें। ज्यादा स्ट्रेस लेने से आप न तो अपने परिवार पर ध्यान दे पाएंगी, न ही ऑफिस के कामों पर। बीच-बीच में रिफ्रेश होते रहने से बैलेंस बना रहेगा।

गॉसिप में न उलझें

ऑफिस में माहौल तनावपूर्ण न बनने दें। माहौल ऐसा रखें कि सब बिना टेंशन के काम कर सकें। गॉसिप में उलझने के बजाय बेहतर काम करने के तरीकों पर चर्चा करें। अगर आपको लग रहा हो कि किसी के घर में कोई परेशानी है, किसी की तबियत खराब है या कोई यूं ही टेंशन में है तो उसकी मदद करने की कोशिश करें। फ्री टाइम मिलने पर अपने सहयोगियों से बात जरूर करें। इससे सब एक-दूसरे को बेहतर ढंग से समझेंगे और कोई मुसीबत आने पर साथ भी खडे होंगे।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**